धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत, अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट - 10

सेंसेक्स में गिरावट 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर हुआ बंद - 10

भारत में जहाज निर्माण नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता - 11

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत - 12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 26 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 2, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

युगांतकारी... राम मंदिर के शिखर पर फहरा धर्मध्वज

अजय दयाल, अयोध्या

अमृत विचार: अयोध्या में मंगलवार की सुबह एक और नया इतिहास रचा गया। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों सनातन परंपरा और आस्था का प्रतीक धर्मध्वज का राम मंदिर के शिखर पर प्रतिष्ठापित हुआ तो अयोध्यावासियों और संत समाज के साथ यह क्षण जन-जन के लिए भावपूर्ण और ऐतिहासिक बन गया। 500 वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष और तपस्या के बाद राममंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ धर्मध्वज सनातन आस्था की वैश्विक प्रतिष्ठा का साक्ष्य बनकर लहराया। मोदी ने इस क्षण को युगांतरकारी कहा।

'सियावर रामचंद्र की जय' का उद्घोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर राम से राष्ट्र के संकल्प की चर्चा करते हुए मैंने कहा था कि आने वाले एक हजार वर्षों के लिए भारत की नींव मजबूत करनी है और जो सिर्फ वर्तमान की सोचते हैं, वे आने वाली पीढ़ियों के साथ अन्याय करते हैं। हमें वर्तमान के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के बारे में सोचना है। जब हम नहीं थे, यह देश तब भी था और जब हम नहीं रहेंगे, यह देश तब भी रहेगा। हमें दूरदृष्टि के साथ काम करना होगा। हमें आने वाले दशकों और सदियों को ध्यान में रखना ही होगा। उन्होंने कहा, सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है।

पीएम के हैंडल घुमाते ही ऊपर चढ़ने लगा धर्म ध्वज

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही हैंडल (लीवर) घुमाया धर्मध्वज धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। पीएम ने मंदिर के मुख्य शिखर पर 161 फीट की ऊंचाई पर भव्य धर्म ध्वज फहराकर रामायण कालीन आध्यात्मिक परंपरा को सजीव किया। ध्वजारोहण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिजीत मुहूर्त में पूरे परिसर में शंखनाद, वैदिक मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि गूंज उठी, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। संघ प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

ये भारतीय सभ्यता का पुनर्जागरण : मोदी

मोदी ने कहा, यह धर्मध्वज केवल ध्वज नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का ध्वज है। इसका भगवा रंग इस पर रचित सूर्यवंश की ख्याति, वर्णित ओम शब्द व अंकित कोविदार वृक्ष रामराज्य की कीर्ति को प्रतिरूपित करता है। यह ध्वज संकल्प, सफलता और संघर्ष से सृजन की गाथा है। यह ध्वज सदियों से चले आ रहे सपनों का साकार स्वरूप है। यह ध्वज संतों की साधना और समाज की सहभागिता की सार्थक परिणति है। सदियों और सहस्राब्दियों तक यह धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों व सिद्धांतों का उद्घोष करेगा। यह धर्मध्वज आह्वान करेगा कि जीत सत्य की ही होती है, असत्य की नहीं। धर्मध्वज उद्घोष करेगा कि सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है, सत्य में ही धर्म स्थापित है। यह धर्मध्वज प्रेरणा बनेगा 'प्राण जाय पर वचन न जाई' अर्थात जो कहा जाए, वही किया जाए।

अनुष्ठान के साथ औपचारिक रूप से पूरा हुआ मंदिर का निर्माण

ध्वज रघुकुल परंपरा का प्रतीक: भागवत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि रामराज्य का ध्वज, जो कभी अयोध्या में फहराता था और संपूर्ण विश्व में अपने आलोक से सुख-शांति प्रदान करता था, वह ध्वज आज फिर नीचे से ऊपर चढ़कर शिखर पर विराजमान हो चुका है। इसे हमने अपनी आंखों से इसी जन्म में देखा है। ध्वज धर्म का प्रतीक होता है। इतना ऊंचा ध्वज चढ़ाने में भी समय लगा, ठीक ऐसे ही मंदिर बनाने में भी समय लगा। 500 साल छोड़ें तो भी 30 साल तो लगे ही। उस मंदिर के रूप में हमने उन तत्वों को ऊपर पहुंचाया है जिनसे संपूर्ण विश्व का जीवन ठीक चलेगा। उसी धर्म का प्रतीक भगवा रंग इस धर्म ध्वज का रंग है।

ध्वज को नमन

ये नए युग का शुभारंभ: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण को यज्ञ की पूर्णाहूति मात्र नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ करार दिया। उन्होंने भव्य राम मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीराम भक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत को स्मृति चिह्न भी प्रदान किया।

विशेष पेज-6

ब्रीफ न्यूज

अदालतों के गठन पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में 9149 अदालतों के गठन मामले में उच्च न्यायालय प्रशासन समेत राज्य सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी है। न्यायालय ने कहा कि प्रमुख सचिव विधि/विधि परामर्शी, अपर मुख्य सचिव वित्त अपने अलग-अलग हलफनामे दाखिल करके इन अदालतों के गठन के लिए हुई प्रगति बताएं।

दुर्घटना में मौत, देना होगा 24 लाख रुपये मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने दुर्घटना में युवती की मौत के बाद उसके माता-पिता को 24.75 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी रुचिका सिंगला ने 7 दिसंबर 2020 को हुए हादसे में मारी गई शिल्पा के माता-पिता द्वारा दायर दावा याचिका पर फैसला सुनाया।

हिरासत में मौत सिस्टम पर धब्बा, देश नहीं करेगा बर्दाश्त

थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, कहा- हिरासत में मौत नहीं होने दे सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिरासत में हिंसा और मौत व्यवस्था पर एक धब्बा है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी संबंधी एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में पारित अपने आदेश का हवाला दिया और कहा कि राजस्थान में आठ महीनों में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। पीठ ने कहा, आप हिरासत में मृत्यु नहीं होने दे सकते।

सितंबर में शीर्ष अदालत ने मीडिया की राजस्थान की एक खबर का स्वतः संज्ञान लिया था। यहां पुलिस हिरासत में हुईं 11 लोगों की मौत में से सात मामले उदयपुर संभाग से आए थे। एक अलग मामले में कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलीलें भी सुनीं जो एक अलग मामले में 'एमिकस क्यूरी' के रूप में शीर्ष अदालत की सहायता कर रहे हैं।

इस मामले में शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2020 में एक आदेश पारित किया था। उस आदेश में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और एनआईए सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था। पीठ को बताया गया कि केवल 11 राज्यों ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। दवे ने कहा कि पहले के मामले में भी कई राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए थे। दवे ने कहा कि तीन केंद्रीय जांच एजेंसियों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं, लेकिन अन्य तीन ने शीर्ष अदालत के निर्देशों का पालन नहीं किया है।

बेंच ने पूछा- केंद्र इस अदालत को हल्के में ले रहा है क्या

पीठ ने केंद्र से भी पूछा कि उसने अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने पूछा, केंद्र इस अदालत को बहुत हल्के में ले रहा है, क्यों। मेहता ने कहा कि कोई अदालत को हल्के में नहीं ले सकता, केंद्र तीन सप्ताह में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेगा। पीठ ने हलफनामे दाखिल न करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय देते हुए सुनवाई 16 दिसंबर के लिए निर्धारित की। कहा, यदि इस तिथि तक हलफनामे दाखिल नहीं किए जाते हैं तो गृह विभाग में उनके प्रधान सचिव अपने स्पष्टीकरण के साथ अदालत के समक्ष उपस्थित रहेंगे। केंद्रीय एजेंसियों के निदेशकों को भी अदालत में आना पड़ सकता है।

गलत कारावास पर मुआवजे के लिए केंद्र राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गलत कारावास पीड़ितों को मुआवजा दिए जाने संबंधी अनुरोध को लेकर दायर जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। इसमें पीड़ितों को बरी किए जाने के बाद उनके लिए मुआवज़े और पुनर्वास की व्यापक राष्ट्रीय रूपरेखा बनाने की मांग की गई है। कोर्ट ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि गलत या लंबी विचाराधीन हिरासत मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

जल जीवन मिशन : 7 राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

- परियोजना में गड़बड़ी पर केंद्र का कदम, गुजरात पर सबसे ज्यादा 120 करोड़ रुपये का जुर्माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने सात राज्यों पर 129.27 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सबसे ज्यादा 120.65 करोड़ का जुर्माना गुजरात पर लगाया गया है। इस जुर्माने की वसूली की भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

केंद्र ने पांच साल की अवधि में देश के हर घर में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने की मंशा से 2019 में जल जीवन मिशन शुरू किया था। जिन सात राज्यों से वसूली शुरू की गई है, उनमें गुजरात के अलावा तमिलनाडु, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान शामिल हैं। एक अधिकारी के मुताबिक केंद्र ने गुजरात से जुर्माना वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 6.65 करोड़ रुपये वसूल चुका है।

20% बढ़ चुका है परियोजना का खर्च

अधिकारी ने बताया, इस योजना का प्रारंभिक परिव्यय 3.60 लाख करोड़ रुपये था, लेकिन इस पर 4.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। योजना में अनियमितताओं को लेकर देश भर से शिकायतें आ रही थीं, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सख्ती करने के निर्देश जारी किए थे।

हत्या की गई थी गायक जुबिन गर्ग की

गुवाहाटी, एजेंसी

- विपक्ष के सवाल के जवाब में हिमंत विश्व शर्मा ने किया खुलासा
- नहीं दी ज्यादा जानकारी, कहा- हत्या का उद्देश्य लोगों को चौंका देगा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि गायक जुबिन गर्ग की सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय हुई मौत 'स्पष्ट तौर पर हत्या' का मामला है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि एक व्यक्ति ने गर्ग की हत्या की और अन्य ने उसकी मदद की। गर्ग की मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही एसआईटी ने मामले में हत्या की धाराएं भी जोड़ दी हैं। एसआईटी ने जुबिन की मौत के सिलसिले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

शर्मा ने कहा, हत्या मामले में दिसंबर में आरोपपत्र दाखिल होने के बाद जांचकर्ता लापरवाही, आपराधिक विश्वासघात और अन्य पहलुओं की जांच करेंगे। शर्मा ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा, इस मामले की शुरुआत कोविड-19 से आठ साल पहले शुरू हुई है। जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा ताकि जुबिन के साथ विश्वासघात करने वाला एक भी व्यक्ति न बचे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईटी एक ठोस आरोपपत्र दाखिल करेगी और अपराध के पीछे का मकसद राज्य के लोगों को चौंका देगा। उन्होंने संकेत दिया कि पूरा मामला पैसे से जुड़ा है। पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र के पहले दिन शर्मा गायक की मौत पर विपक्ष द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे।

उधर, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह नहीं बताया कि मास्टरमाइंड कौन था। गोगोई ने कहा, जुबिन के हत्यारे के नाम का विधानसभा में उल्लेख किया गया, लेकिन उन्हें निर्देश कौन दे रहा था। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि असम के गांवों के लोगों का मुख्यमंत्री से विश्वास उठ गया है और वे जानते हैं कि वह जुबिन गर्ग के लिए न्याय सुनिश्चित नहीं करेंगे।

गंभीर संकट | सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने जारी की रिपोर्ट, दिल्ली के बाद असम प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित

दिल्ली में मानक से 20 गुना ज्यादा हुआ पीएम- 2.5 का स्तर

नई दिल्ली, एजेंसी

- रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में देश भर में सबसे ज्यादा प्रदूषण का जहर

देश के 33 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली सबसे प्रदूषित हो गई है. जहां पीएम 2.5 प्रदूषक तत्वों की सांद्रता का वार्षिक औसत 101 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया है। यह भारतीय मानक से 2.5 गुना और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से 20 गुना ज्यादा है। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' ने उपग्रह-आधारित विश्लेषण के आधार पर इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2024 से फरवरी 2025 तक चंडीगढ़ में पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर 70 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया और वह इस मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जिसके बाद हरियाणा में 63 और त्रिपुरा में 62 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का स्तर दर्ज किया गया। असम 60, बिहार 59, पश्चिम बंगाल 57, पंजाब 56, मेघालय 53 और नगालैंड 52 में भी स्तर राष्ट्रीय मानक से अधिक था। कुल 749 जिलों में से 447 यानी 60 प्रतिशत जिलों में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक से अधिक स्तर दर्ज किया गया। इन जिलों में वार्षिक पीएम2.5 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। विश्लेषण से पता चला कि सबसे प्रदूषित जिले कुछ ही राज्यों के हैं। इनमें दिल्ली और असम के 11-11 जिले मिलकर इस मामले में शीर्ष 50 में से लगभग आधे जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसके बाद बिहार और हरियाणा में सात-सात का स्थान है। उत्तर प्रदेश में चार, त्रिपुरा में तीन, राजस्थान में दो और पश्चिम बंगाल में दो जिले शामिल हैं।

आशंका: इथोपिया से उठा ज्वालामुखी की राख का गुबार और जहरीली हो सकती है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भी घनी धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' बनी रही। इस बीच आशंका जताई जा रही है कि इथियोपिया में ज्वालामुखी फटने के बाद उठा राख का गुबार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को और बढ़ा सकता है। इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित ढाल-ज्वालामुखी हायली गुब्बी रविवार को फट गया, जिससे राख का गुबार करीब 14 किमी (45,000 फुट) की ऊंचाई तक गया और लाल सागर की ओर पूर्व दिशा में फैलने लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार ये राख के गुबार चीन की ओर बढ़ रहे हैं और मंगलवार शाम साढ़े सात बजे तक भारत से दूर चले जाएंगे। विभाग ने बताया कि पूर्वानुमान मॉडल के मुताबिक मंगलवार को गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा पर राख का कुछ प्रभाव देखा जा सकता है।

स्टेट ब्रीफ

न्यायालय परिसर में महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

फिरोजाबाद,एजेंसी : जिले के अदालत परिसर में मंगलवार दोपहर कथित रूप से ससुराल के लोगों से विवाद के चलते एक महिला ने मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह का असफल प्रयास किया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि कोतवाली उत्तर क्षेत्र के मथुरा नगर निवासी 30 वर्षीय पूनम यादव ने इसी साल 21 सितंबर को अपने पति और सास-ससुर के खिलाफ जानलेवा हमला और मारपीट करने के आरोप में अभियोग पंजीकृत कराया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कुछ दिन के बाद आरोपी सास-ससुर जमानत पर जेल से छूट कर आ गये, जबकि पति अब भी जेल में है। उन्होंने बताया कि आज वह सुनवाई की तारीख पर अदालत गई थी। इसी दौरान उसने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के पास अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाल लिया और आग लगाने का प्रयास किया। हालांकि न्यायालय में मौजूद पुलिसकर्मी ने तत्काल उसे पकड़कर ऐसा करने से रोक दिया।

दियोरियाकलां में छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

सात माह से चली आ रही पुरानी रंजिश के चलते आरोपी पक्ष ने की वारदात

संवाददाता, दियोरियाकलां (पीलीभीत)

अमृत विचारः छेड़छाड़ पीड़िता के चचेरे भाई की रंजिश में गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी पक्ष ने असलहों से लैस होकर उसके घर पर मंगलवार देर शाम हमला कर दिया था। करीब सात माह से दोनों पक्षों के बीच रंजिश चली आ रही थी। इस दौरान महिलाओं से भी मारपीट की गई। एसपी अभिषेक यादव व पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। बताते हैं कि लाइसेंसी राइफल से गोली चलाई गई। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

घटना स्थल पर पड़े कारतूस।

घटना दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में हुई। यहां की रहने वाली एक युवती की ओर से 15 अप्रैल को दियोरियाकलां कोतवाली में गांव के ही आशीष कुमार, नेवाराम, मुरारीलाल, बादशाह, रामऔतार, अमन, शिवम और सूरज के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट आदि धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

जिसमें आरोप था कि आरोपी आशीष उसका पीछा कर छेड़छाड़ करता है। पीड़िता के परिवार ने इसे लेकर बातचीत कर विरोध किया तो आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की। इसी मुकदमे के बाद से दोनों परिवारों के बीच रंजिश चली आ रही थी। बताते हैं कि मंगलवार देर शाम आरोपी पक्ष के तमाम लोग लाइसेंसी रायफल, अवैध असलहों से लैस होकर घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया।

इस दौरान फायरिंग की गई, जिसमें गोली लगने से छेड़छाड़ पीड़िता का 25 वर्षीय चचेरे भाई की मौत हो गई। इस दौरान परिवार की महिलाओं से भी मारपीट की गई। जिसके बाद आरोपी भाग गए। सूचना पुलिस को दी गई। कुछ ही देर में सीओ प्रगति चौहान, कोतवाल दिगंबर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके बाद एसपी अभिषेक यादव भी मौके पर पहुंच गए। मौका मुआयना कर घटना के बारे में जानकारी की गई। फॉरेंसिक टीम और एसओजी को भी बुला लिया गया। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। घटना स्थल पर कारतूस भी पड़े मिले, जिसे कब्जे में ले लिया गया। बताते हैं कि लाइसेंसी राइफल से गोली चलाई गई। घटना के चलते हड़कंप मचा रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पीएनबी का एटीएम उखाड़ ले गए चोर

मुरादाबाद,अमृत विचार : दिल्ली रोड स्थित हाईवे पर लोकोशेड पर कंटेनर डिपो के समीप पंजाब नेशनल बैंक के आईसीडी ब्रांच के बाहर लगे एटीएम को बदमाश दीवार में सेंधमारी कर चुरा ले गए। सूचना मिलते ही पुलिस महकमें में हलचल मच गई। मौके पर सिविल लाइन पुलिस के साथ एसपी सिटी ने चोरों की तलाश में पुलिस की कई टीमें दौड़ाई। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। हालांकि एटीएम अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में क्षतिग्रस्त हालत में मिला। लेकिन उसमें रखे सात लाख रुपये गायब थे। बताया जा रहा है कि एमटीएम में घुसे चोर ने सीसीटीवी कैमरों स्प्रे की मदद निष्क्रिय कर दिया। पुलिस ने बैंक प्रबंधक की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सोमवार की देर रात 3 बजे के करीब लोकोशेड पुल के पास हाईवे पर चोर पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम को उखाड़ ले गए। पुलिस के अनुसार एटीएम में सात लाख रुपये उस वक्त मौजूद थे।

बरात में कार की छत पर चढ़कर उड़ाये नोट

बरात चढ़त के दौरान नोट उड़ाते युवक। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचारः नगर के संभल अड्डे के निकट सोमवार की देर रात हाईवे पर बरात में शामिल युवकों ने कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए खतरनाक स्टंट किया।

बरात चढ़त के दौरान चलती कार की छत पर खड़े होकर युवकों ने सड़क पर नोटों की बरसात कर दी। नोट उड़ते ही हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लोग तेज रफ्तार गाड़ियों के बीच सड़क पर नोट लूटने दौड़ पड़े। जिससे यातायात कई मिनट तक बाधित रहा और बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पूरी घटना राहगीरों के मोबाइल कैमरों में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान में लगी है और कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हाईवे पर ऐसी हरकतें जानलेवा हैं। ऐसा करने वालों पर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

आरोप: जेल में आजम खां को नहीं मिल रहीं मूल सुविधाएं

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राजद्वारा स्थित सपा कैंप कार्यालय पर प्रेसवार्ता करते हुए सपाइयों ने जेल में आजम खां से आम बंदियों की तरह बर्ताव करने का आरोप लगाया है। नगर अध्यक्ष आसिम राजा ने कहा कि न्यायालय के आदेश से बंद सपा नेता आजम खां को मूल सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है।

आसिम राजा ने कहा कि वरिष्ठ राजनेता की हैसियत रखने वाले मोहम्मद आजम खां को सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। जबकि न्यायालय ने ए श्रेणी की सभी आवश्यक सुविधाएं देने के निर्देश दिए हैं। आरोप है कि आजम खां की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। जिस बैरक में उन्हें रखा गया है, उसमें 28 खिड़कियां है जो कि क्षतिग्रस्त हैं, उनमें शीशे तक नहीं हैं। रात में बंद न होने के कारण बैरक में ठंडी हवाएं आती हैं। जमीन पर सोने के लिये मजबूर किया जा रहा है।

नमाज पढ़ने तथा वजू करने के लिए कुर्सी या स्टूल भी नहीं दिया जा रहा है। ओढ़ने के लिये कंबल आदि उपलब्ध नहीं कराया है। इससे सपा कार्यकर्ताओं और रामपुर के लोगों में बहुत बेचैनी और परेशानी है। उनका कहना है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद मोहम्मद आजम खां को सुविधाओं से वंचित रखना अत्यंत चिंता का विषय है। प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष अजय सागर, पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, वरिष्ठ नेता अमित शर्मा मौजूद रहे।

एसआईआर में गड़बड़ी की सपा ने की शिकायत

लखनऊ,अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में चल रही एसआईआर (विशेष गहन पुनिरीक्षण) प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर हो रही अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन के माध्यम से लंबी-चौड़ी शिकायत भेजी है। पार्टी ने कहा कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को जबरन थर्ड ऑप्शन में सबमिट कराया जा रहा है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा मंगलवार को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि कई जिलों में जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (इलेक्शन), एसडीएम (ईआरओ) और सुपरवाइजर स्तर के अधिकारी बीएलओ पर दबाव बनाकर प्रतिदिन 100 गणना प्रपत्र हर हाल में अपलोड कराने के निर्देश दे रहे हैं।

कब्र से गायब हुआ किशोरी का शव तंत्र-मंत्र की आशंका

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचारः कस्बा सिकंदराबाद में 15 वर्षीय किशोरी का शव कब्र से रहस्यमय तरीके से गायब होकर एक किलोमीटर दूर गन्ने के खेत में निर्वस्त्र अवस्था में मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों की जुबान पर अब एक ही सवाल है कि क्या यह तंत्र-मंत्र का मामला है, कोई संगठित साजिश या फिर इसके पीछे कोई और ही काला सच छिपा है।

गांव सिकंद्राबाद निवासी मृतका के पिता शकील का कहना है कि कब्र की खुदाई कर एक व्यक्ति शव को बाहर नहीं निकाल सकता है। कम से कम दो से तीन लोग जरूर रहेंगे। कब्र की मिट्टी पर बने पैरों के निशान भी एक से अधिक लोगों के घटना में शामिल होने की तरफ इशारा कर रहे हैं। घटनास्थल और कब्र के पास से पुलिस ने एक कुदाल बरामद की है। पुलिस के अनुसार कब्र की मिट्टी खोदकर शव बाहर निकाला गया है। शव को खेत तक कैसे और क्यों लाया गया, इस पर अभी पर्दा पड़ा हुआ है। साथ ही इस पर गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले क्षेत्र में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। ग्रामीणों में यह भी चर्चा है कि शव को कब निकाला गया, किन लोगों ने इसे निकाला और उसका उद्देश्य क्या था। शव की निर्वस्त्र अवस्था ने और भी संदेह पैदा कर रहा है। मृतक किशोरी भाई बहनों में सबसे बड़ी थी, मृतक किशोरी के दो छोटे भाई हैं भाइयों में सबसे बड़ा भाई मोहम्मद सफी (15) दूसरा सबसे छोटा भाई मुहल्कम (12) है।

धारदार हथियार से गला काटकर युवती का शव खेत में फेंका

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी/शाहजहांपुर

अमृत विचारः इटौरा गौटिया गांव के बाहर एक युवती का शव सुबह खेत में पड़ा मिला है। उसकी धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गयी है। एसपी राजेश द्विवेदी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने मृतका के परिवार वालों से पूछताछ की। पुलिस लाइन से फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच कर नमूने लिए। पुलिस को मौके पर बांका मिला। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गयी।

मृतक मैना देवी।

सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव इटौरा गौटिया निवासी मदन लाल की बेटी मैना देवी (22) का शव मंगलवार की सुबह साढ़े दस बजे गांव के बाहर गोभी और मेथी के खेत में शव पड़ा देखा। युवती का शव मिलने से गांव में खबर आग की तरह फैल गयी। गांव वालों की भीड़ लग गयी। युवती का शव खून से लथपथ था और गला कटा हुआ था। मृतका के पिता मदन लाल ने देखा कि उसकी बेटी का गला कटा हुआ था। उन्होंने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को मौके पर खून से सना हुआ बांका मिला है।

परिवार के इर्द-गिर्द घूम रही शक की सुई

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी/ शाहजहांपुर अमृत विचार : पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में मृतका मैना देवी प्रेम-प्रसंग होने की बात सामने आ रही है। उसकी शादी तय हो गयी थी और शादी नहीं करना चाहती थी। पुलिस की शक की सुई परिवार के इर्द-गिर्द घूम रही है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी जांच चल रही है और घटना का शीघ्र खुलासा हो जाएगा। थाना क्षेत्र के गांव इटौरा गौटिया निवासी मैना देवी का शव सुबह साढ़े दस बजे घर से करीब 100 दूर गोभी और मेथी के खेत में गला कटा मिला था। उसके गले में कई निशान थे।

न्यूज ब्रीफ

कार्यशाला में तय होगा यूपी टूरिज्म का भविष्य

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' को लेकर पर्यटन विभाग 27 नवंबर को योजना भवन, लखनऊ में पर्यटन कार्यशाला का आयोजन करने जा रहा है। कार्यशाला के माध्यम से प्रदेश को सतत, समावेशी और विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की रणनीति बनेगी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी मुख्य वक्ता के रूप में राज्य की दीर्घकालिक पर्यटन दृष्टि प्रस्तुत करेंगे। पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात क्षेत्र की रणनीतिक प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालेंगे। कार्यशाला में विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और विभिन्न हितधारकों के सुझावों को संकलित कर विजन डॉक्यूमेंट में शामिल किया जाएगा। इसके आधार पर प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए दीर्घकालिक रोडमैप तैयार होगा, जो निवेश, अवसंरचना, रोजगार और प्रदेश की सांस्कृतिक संपदा को नई ऊंचाई देने का आधार बनेगा।

270 चिकित्साधिकारियों को मिलेगी पुरानी पेंशन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने आयुर्वेद विभाग के 270 चिकित्साधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ देने की मंजूरी प्रदान कर दी है। ये सभी अधिकारी 2003 में विज्ञापित पदों के तहत चयनित हुए थे और वर्ष 2009 में नियुक्ति पाए थे। प्रमुख सचिव रंजन कुमार द्वारा मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, संबंधित अधिकारियों के विकल्प पत्रों की संस्तुति प्राप्त होने पर शासन ने शासनादेश 28 जून 2024, 11 जुलाई 2024 और 30 जुलाई 2025 का हवाला देते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इन 270 चिकित्साधिकारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के स्थान पर उप्र. रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स-1961 के तहत पुरानी पेंशन प्रणाली का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार के इस निर्णय से चिकित्साधिकारियों का संघर्ष खत्म हो गया और सभी ने राहत की सांस ली।

खादी महोत्सव में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती नगर स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में चल रहे खादी महोत्सव-2025 में उद्यमियों को बिक्री, ब्रांडिंग और व्यवसाय विस्तार के लिए प्रभावी मंच मिल रहा है। 21 से 30 नवम्बर तक चल रहे इस महोत्सव में मंगलवार को क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में खादी उत्पादकों, ग्रामोद्योग इकाइयों, फैशन डिज़ाइनरों, खरीदारों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विशेषज्ञों ने खादी उत्पादों को डिजिटल मार्केटिंग, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और ऑर्गेनिक उत्पाद नवाचार से जोड़कर ग्रामीण रोजगार को सशक्त बनाने पर बल दिया।

पीएम एफएमई योजना में यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम-एफएमई) योजना के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए हैं। राज्य में प्रस्तावों की स्वीकृति का औसत समय मात्र 100 दिन है, जबकि 98 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ उत्तर प्रदेश देश में शीर्ष स्थान पर है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने मंगलवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में आवंटित 311.71 करोड़ रुपये में से 252.89 करोड़ राशि व्यय की जा चुकी है। तृतीय किश्त के लिए भारत सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग भी भेजी गई है।

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के डायमंड जुबिली कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह व अन्य और कार्यक्रम में उपस्थित स्काउट-गाइड के प्रतिभागी। अमृत विचार

जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र बनता महाशक्ति

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में मुख्यमंत्री ने युवाओं को सफलता और एकता का दिया संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जागृत युवा शक्ति वाला राष्ट्र ही महाशक्ति बनता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि आपको प्रकृति प्रेम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना होगा, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा तथा राष्ट्रीय एकता के लिए सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहना होगा। यह कार्य अगर हम सभी मिलकर करेंगे, तो देश की कोई चुनौती शेष नहीं रहेगी।

मुख्यमंत्री, मंगलवार शाम को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के डायमंड जुबिली कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महापुरुषों जैसे स्वामी विवेकानंद, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और मेजर ध्यानचंद के उदाहरण पेश कर कहा कि सफलता का मूलमंत्र सामूहिकता, टीमवर्क और अनुशासन है। मुख्यमंत्री योगी ने आदिगुरु शंकराचार्य का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि केरल से निकला हुआ एक सन्यासी आदिशंकर देश के चारों कोनों में चार धाम की स्थापना कर भारत की सनातन ध्वजा को दूर-दूर तक फहराने का कार्य मात्र 32 वर्ष की आयु में कर दिखाया। इस अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन, प्रादेशिक अध्यक्ष महेंद्र सिंह और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जम्बूरी में रस्से पर साइकिल चलाते स्काउड गाइड के विद्यार्थी। अमृत विचार

ध्यानचंद एडवेंचर विलेज का उद्घाटन

अमृत विचार : कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि एडवेंचर स्पोर्ट्स केवल रोमांच ही नहीं, बल्कि युवाओं में निर्णायक क्षमता, टीमवर्क और नेतृत्व जैसे गुण विकसित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के अवसर पर मेजर ध्यानचंद एडवेंचर विलेज का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

झांकी को सराहा

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का भ्रमण किया और इंटीग्रेशन मार्च में प्रतिभाग किया। उन्होंने स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रस्तुत की जा रही "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की जीवंत झांकी की सराहना की।

स्काउट्स एवं गाइड्स ने पेश की है मिसाल : केशव मौर्य

स्काउट्स एवं गाइड्स की हीरक जयंती व 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की शुरुआत करते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हर संकट की घड़ी में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल पेश की है। कुम्भ मेले से लेकर कोरोना काल, बाढ़ और आपदा प्रबंधन तक, हर मौके पर स्काउट्स एवं गाइड्स की टीमों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर समाज की सेवा की है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा में युवाओं की बढ़ती भागीदारी देश के उज्ज्वल भविष्य की पहचान है। उप मुख्यमंत्री सोमवार की शाम डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रोन शो की शुरुआत करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

स्पेशल सेल तैयार करने में जुटी थी शाहीन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एटीएस की रडार पर 'बी टीम', दो शहरों के एचओडी की तलाश तेज**

शाहीन

अमृत विचार : दिल्ली बम धमाके की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन यूपी में स्पेशल 26 मॉडल पर काम कर रही थी। शाहीन की गतिविधियों को लेकर जांच एजेंसियों ने निगरानी तेज कर दी है। शाहीन की मुख्य टीम के साथ-साथ उसकी 'बी टीम' भी एटीएस की रडार पर है। इस बी टीम के तहत कुल पांच यूनिट्स तैयार की जानी थीं। जिनमें हर यूनिट में पांच-पांच डॉक्टर्स को शामिल किया जाना था। हर टीम के लीडर को 'एचओडी' यानी 'हेड ऑफ डिपार्टमेंट'का कोड दिया जाता था।

कानपुर में आरिफ, लखनऊ में परवेज और सहारनपुर में आदिल को शाहीन पहले ही एचओडी नियुक्त कर चुकी थी। अभी दो और शहरों में एचओडी बनाए जाने थे, जिनके नाम पता करने में एजेंसियां लगातार जुटी हुई हैं। योजना के मुताबिक, शाहीन केवल एचओडी से ही संपर्क रखती थी। टीम के अन्य चार सदस्यों से वह सीधे संपर्क में नहीं रहती थी। इतना ही नहीं, अलग-अलग टीम के सदस्य एक-दूसरे के बारे में कुछ नहीं जानते थे। यही कारण है कि किसी एक टीम पर कार्रवाई होने पर बाकी टीमें सुरक्षित रहतीं। एक तरह से यह पूरा नेटवर्क 'स्लीपर सेल'पैटर्न पर आधारित था।

एक रुपये के कोड को डीकोड कर रही एजेंसी

जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध अकाउंट्स में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बेहद सीमित किए गए। लेकिन बड़े अमाउंट वाले लेन-देन में एक खास पैटर्न लगातार देखने को मिला। 1,00,001 रुपये, 2,00,001 रुपये जैसे ट्रांसफर हर महीने की 25 से 28 तारीख के बीच किए जाते रहे। सूत्रों का मानना है कि ट्रांजेक्शन में "1 रुपये अतिरिक्त जोड़ना" किसी विशेष संदेश या कोड का हिस्सा हो सकता है। एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच कर रही हैं। डॉ. शाहीन, डॉ. आदिल, डॉ. आरिफ और डॉ. परवेज के बैंक खातों की गहन छानबीन में बड़ा खुलासा हुआ है। पिछले सात वर्षों में इन खातों में 40 करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेन-देन सामने आया है। कई खातों में लगातार छोटे-छोटे अमाउंट आते-जाते रहे। कुछ खातों में हर हफ्ते 2 से 3 बार 20,000 से 25,000 रुपये तक निकाले जाते रहे। वहीं कुछ खातों में हर 15 दिन पर राशि जमा की जाती और अगले ही दिन निकाल ली जाती थी। 6 नवंबर को कई खातों से एक साथ लाखों रुपये निकाले जाने की जानकारी भी सामने आई है। इसके अलावा, 2021 के बाद से कुछ संदिग्ध अकाउंट पूरी तरह निष्क्रिय पाए गए।

बिजली बिल में ब्याज माफ, मिलेगी छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **घरेलू व छोटे व्यवसायियों के लिए 'बिजली बिल राहत योजना' शुरू**

अमृत विचार : घरेलू एवं छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएस) ने 'बिजली बिल राहत योजना 2025-26' की बड़ी घोषणा की है। पहली बार उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफी के साथ मूलधन पर 25 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त होगी। यह विशेष योजना 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी की मंशानुसार उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े, इसी उद्देश्य से तैयार की गई है। योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं (लोड दो किलोवाट तक) और छोटे दुकानदार उपभोक्ताओं (लोड एक किलोवाट तक) को लंबित बिजली बकायों पर बड़ी राहत दी जाएगी। इतना ही नहीं, छोटे बकायों के निस्तारण के लिए आसान मासिक किश्तों का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा, जिससे उपभोक्ता बिना किसी आर्थिक दबाव के देय भुगतान कर सकें।

उपभोक्ताओं से अपील : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने आमजन से अपील की है कि वे इस सीमित अवधि की योजना का समय रहते लाभ उठाएं और बकाया भार से राहत प्राप्त करें। अधिक जानकारी और सहायता के लिए उपभोक्ता 1912 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं।

स्वतः संशोधित होंगे बढ़े हुए बिजली बिल

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि तकनीकी कारणों से बढ़े हुए बिलों के मामलों में कॉर्पोरेशन की तकनीकी प्रणाली औसत खपत के आधार पर बिलों को स्वतः संशोधित करेगी। इससे उपभोक्ताओं को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। योजना के तहत बिजली चोरी से संबंधित लंबित केसों में भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राहत और समझौते का अवसर मिलेगा, जिससे विवादों के त्वरित निस्तारण में सहायता होगी।

बांग्लादेशी बबली ने बनवा लिए आधार से लेकर आयुष्मान

देहरादून, अमृत विचारः आयुष्मान, आधार, वोटर और राशन कार्ड बनवाने के लिए जहां लोगों को अक्सर जूझना पड़ता है। वहीं, भारत में घुसपैठ कर रह रही बांग्लादेशी महिला ने ऐसे अहम भारतीय दस्तावेज आसानी से बनवा लिए। पटेल नगर कोतवाली पुलिस ने थाना क्षेत्र से दो बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ने में सफलता पाई। इनमें एक महिला करीब 28 साल की बबली खातून उर्फ भूमि शर्मा मुनजु निवासी ग्राम बुढ़ाबूढ़ी, जिला गायबन्दा, बांग्लादेश है। उसके कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, फर्जी वोटरकार्ड, फर्जी राशनकार्ड, फर्जी आयुष्मान कार्ड आदि मिले।

श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद, चारधाम यात्रा संपन्न

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **आज पांडुकेश्वर प्रस्थान करेंगी उद्धव और कुबर की प्रतिमाएं**

अमृत विचारः विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट मंगलवार अपराह्न 2:56 बजे विधिविधान से शीतकाल के लिए बंद होने के साथ चारधाम यात्रा का समापन हो गया। सेना के बैंड की धुन और जय बदरी विशाल के उदघोषों के बीच भक्तिमय वातावरण में पांच हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने।

परंपरा के अनुसार ब्रह्ममुहूर्त में मंदिर खुला। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज, दंडी स्वामी मुकुंदानंद महाराज, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, विजय कप्रवान, मुख्य कार्याधिकारी/कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल इस मौके पर मौजूद रहे।

शीतकाल में भगवान नारायण की पूजा-व्यवस्था पांडुकेश्वर स्थित योगध्यान बदरी में संपन्न होगी। परंपरा अनुसार, बुधवार को प्रातः भगवान श्री उद्धवजी एवं कुबेर जी की प्रतिमाएं भव्य डोली शोभायात्रा के साथ योगध्यान बदरी (पांडुकेश्वर) की ओर प्रस्थान करेंगी। वहीं, आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी विधिवत रूप से श्री नृसिंह मंदिर (ज्योतिर्मठ) स्थित गद्दीस्थल पर विराजमान होगी।

12 वर्ष की निरंतर सेवा पर समान कार्य-समान वेतन

देहरादून, अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य सरकार ने उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (उपनल) के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्मिकों के हित में मंगलवार को महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सचिव सैनिक कल्याण दीपेन्द्र चौधरी द्वारा प्रबंध निदेशक उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड को प्रेषित परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि राज्य सरकार के अधीन विभागों/संस्थानों में तैनात ऐसे कार्मिक, जिन्होंने 12 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है, उन्हें समान कार्य-समान वेतन के सिद्धांत पर वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

उत्तराखंड में दूसरे राज्य के लोगों को नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ

विधि संवाददाता, नैनीताल

- **सरकारी नौकरियों में आरक्षण पर हाईकोर्ट का अहम फैसला**
- **गैर राज्य की महिला याचिकाकर्ता की याचिका को किया खारिज**

अमृत विचारः उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि दूसरे राज्य की अनुसूचित जाति की महिलाएं, जो विवाह के उपरांत उत्तराखंड में बसी हैं, उन्हें राज्य की सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जाएगा।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकल पीठ ने यह फैसला अंशु सागर और सहित कई अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने माना कि आरक्षण का अधिकार क्षेत्र-विशिष्ट होता है और यह प्रवास के साथ स्थानांतरित नहीं होता। याचिकाकर्ता अंशु सागर, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की निवासी थीं, का विवाह उत्तराखंड के एक अनुसूचित जाति के निवासी से हुआ था। वे जन्म से जाटव समुदाय से हैं, जो यूपी में अनुसूचित जाति है। विवाह के बाद उन्होंने उत्तराखंड के जसपुर से जाति प्रमाण पत्र और स्थायी निवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया और सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक भर्ती के लिए आरक्षण का दावा किया, जिसे विभाग ने अस्वीकार कर दिया था।

राज्य सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि 16 फरवरी 2004 और अन्य शासनादेशों के अनुसार, आरक्षण का लाभ केवल उत्तराखंड के मूल निवासियों के लिए है। सरकार ने दलील दी कि पड़ोसी राज्यों के निवासी, भले ही वे उत्तराखंड से जाति प्रमाण पत्र बनवाने में सफल हो जाएं, सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के हकदार नहीं होंगे। यह तर्क दिया गया कि जाति का दर्जा जन्म से तय होता है, विवाह से नहीं।

अदालत ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के 'मैरी चंद्र शेखर राव' और 'रंजना कुमारी बनाम उत्तराखंड राज्य' जैसे प्रमुख फैसलों का हवाला दिया। इन फैसलों में सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही यह सिद्धांत स्थापित किया है कि संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति की सूची "उस राज्य के संबंध में" होती है इसलिए, एक राज्य में अनुसूचित जाति माना जाने वाला व्यक्ति दूसरे राज्य में स्वतः ही वह दर्जा हासिल नहीं कर सकता। फैसले में स्पष्ट किया गया कि प्रवास, चाहे वह स्वैच्छिक हो या अनैच्छिक (जैसे शादी के कारण), किसी व्यक्ति को दूसरे राज्य में आरक्षण का अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि यदि प्रवासियों को आरक्षण का लाभ दिया जाता है, तो यह उस राज्य के मूल अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों के संवैधानिक अधिकारों का हनन होगा। एक राज्य का आरक्षित वर्ग दूसरे राज्य में सामान्य वर्ग के रूप में माना जाएगा।

न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि भले ही दोनों राज्यों (मूल राज्य और प्रवास वाले राज्य) में जाति का नाम समान हो, फिर भी आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकता। अंशु सागर के मामले में, भले ही 'जाटव' या 'वाल्मीकि' जाति दोनों राज्यों में अनुसूचित जाति सूची में है, फिर भी यूपी में जन्मी महिला उत्तराखंड में एससी कोटे की हकदार नहीं हो सकती। जाति प्रमाण पत्र जारी होना भी सुप्रीम कोर्ट के संवैधानिक पीठ के फैसलों की कठोरता को कम नहीं कर सकता। इस आधार पर कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं द्वारा मांगी गई राहत को खारिज कर दिया और उनकी रिट याचिकाएं निरस्त कर दी गईं। यह फैसला भविष्य में अन्य राज्यों से आकर उत्तराखंड में बसने वाले उम्मीदवारों के लिए एक स्पष्ट नजीर पेश करता है।

तैयारी पीपीपी मोड पर देने की योजना, निजी संस्थाएं करेगी अपग्रेड

बंद पड़े राजकीय पॉलीक्लीनिक व लैब होंगे शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **पशुओं को मिलेगी बेहतर उपचार सेवा, टेंडर जारी**

अमृत विचार : प्रदेश में पशुपालन विभाग के सभी राजकीय पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं पीपीपी मोड पर निजी संस्थाएं संचालित करेंगी। जोकि शर्तों के अनुसार संचालित और बनने के बाद शोपीस बने पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं अपग्रेड करके बेहतर पशु उपचार सेवाएं प्रदान करेंगी। विभाग ने टेंडर जारी करके 2 दिसंबर को बैठक बुलाई है। इसमें सहमति बनने पर आगे की रूपरेखा तय की जाएगी।

दरअसल, विभाग ने पशुओं के उपचार के लिए लाखों रुपये खर्च करके लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर समेत मंडलीय जिलों में 25 राजकीय पॉलीक्लिनिक और 65 जिला व 10 क्षेत्रीय स्तरीय डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाएं बनाई हैं। इनमें लखनऊ समेत पांच जिलों में पॉलीक्लिनिक और लैब संचालित हैं। शेष में कई वर्ष से चिकित्सक, प्रयोगशाला सहायक समेत अन्य स्टाफ के पद स्वीकृत न होने की वजह से शुरुआत नहीं हो पाई है। ऐसे में विभाग ने सभी पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं पीपीपी मोड पर देने की योजना बनाकर टेंडर जारी किया है। चयन से पहले मुख्य रूप से फीस, चिकित्सक व स्टॉफ भर्ती, संचालन का समय, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, डायलसिस, सर्जरी व अन्य सुविधाओं पर चर्चा करके निर्णय लिया जाएगा।

पशु चिकित्सकों और स्टॉफ की भारी कमी : वैसे भी प्रदेशभर में पशुपालन विभाग के पास पशु चिकित्सक और स्टाफ की भारी कमी है। संसाधनों का भी अभाव है। अस्पतालों पर सर्जरी, प्लास्टर आदि की दवाएं, इंजेक्शन और सामान नहीं होता है। सर्जन भी कम हैं। यही हाल 1962 एमवीयू का है। इस वजह से सेवाएं प्रभावित होती हैं। इन्हीं कारणों से पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं चालू नहीं हो पाई हैं और जो संचालित हैं वह किसी तरह सेवाएं दे रहे हैं।

तो हटेंगे चिकित्सक और बाहर से होगी भर्ती

यदि पीपीपी मोड पर पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं गईं तो उपचार की सेवाएं बेहतर होंगी, लेकिन पशुपालकों पर बोझ बढ़ेगा। कंपनियों द्वारा उपचार की फीस, दवाएं, इंजेक्शन आदि का शुल्क लिया जाएगा। जोकि अभी 10 रुपये के पर्चे पर उपचार और निशुल्क आवश्यक दवाएं दी जाती हैं। वहीं, कंपनी अपने अनुसार चिकित्सक और स्टाफ कम वेतन पर रखेगी। साथ ही लखनऊ समेत अन्य संचालित पॉलीक्लिनिक और लैब में कार्यरत चिकित्सक व स्टाफ भी हटाया जा सकता है।

> बेहतर चिकित्सीय सुविधाओं के लिए पीपीपी मोड पर पॉलीक्लिनिक और प्रयोगशालाएं देने की योजना है। 2 दिसंबर को बैठक बुलाई है। मुख्य रूप से शुल्क, संचालन आदि शर्तों पर चर्चा की जाएगी। सहमति बनने पर ही निर्णय लिया जाएगा।
>
> **- डॉ. नेम पाल सिंह, निदेशक रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग**

न्यूज ब्रीफ

नकटिया व कांधरपुर उपकेंद्र में आज बंद रहेगी बिजली

कैंट अमृत विचार : बिजली घर के स्विच यार्ड में लाइन मेंटेनेंस तथा 33 केवी लाइन के जर्जर पोल बदलने का कार्य किए जाने की वजह से विद्युत उपकेंद्र नकटिया के सभी पोषकों की विद्युत आपूर्ति बुधवार को 6 घंटे तक पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। एसडीओ अमित गंगवार ने बताया। कि बुधवार को कांधरपुर उपकेन्द्र के स्विच यार्ड में लाइन मेंटेनेंस तथा 33 केवी लाइन के जर्जर पोल तथा तार बदलने का कार्य किया जाएगा। इससे उपकेंद्र से संबंधित सभी पोषकों की विद्युत आपूर्ति बुधवार को सुबह 9 बजे से अपराह्न 3 बजे तक बंद रहेगी।

लोहे की रॉड से हमला युवक घायल

नवाबगंज अमृत विचार : घर के बाहर खड़े युवक के सिर पर पड़ोसी ने लोहे की रॉड से वार कर घायल कर दिया। लाइखेड़ा निवासी विनोद ने दी तहरीर में बताया कि गत दिनों घर के बाहर खड़े होने पर पड़ोसी ने गाली देना शुरु किया। इसका विरोध किया तो हरीश ने घर में घुसकर मारपीट की। इसी दौरान उसके पिता चंद्रपाल भी लोहे की रॉड लेकर पहुंच गये। हरीश ने पिता के हाथ से रॉड छीनकर उसके सिर पर वार कर दिया इससे विनोद लहुलुहान होकर गिर पड़ा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मंदिर गई युवती से छेड़छाड़, मुकदमा

सिरौली अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में मंदिर गई एक युवती से गांव के ही दो युवकों ने गलत नीयत से अश्लीलता की। शोर मचाने पर वह भाग लिए। युवती से इस तरह की सरेआम अश्लीलता दूसरी बार उक्त युवकों ने की है। युवकों के बढ़ते हौसले से युवती दहशत में है। युवती के पिता की तहरीर ने पुलिस सरनाम व गुरदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मानपुर, अमृत विचार : फैक्ट्री से काम कर वापस लौट रहे ग्रामीण को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर से सिर में गंभीर चोट लगने पर बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। ग्राम सैदपुर (नवाबगंज) निवासी प्यारेलाल ने बताया कि उनका पुत्र विमल (19 वर्ष) बिलासपुर में एक फैक्ट्री में काम करता था। बाइक द्वारा फैक्ट्री से वापस आते समय थाना शीशगढ़ के ग्राम मनुआपट्टी में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे विमल के सिर गंभीर चोट लगने से उसकी मृत्यु हो गई।

सवारी बैठाने को लेकर मारपीट, 6 पर रिपोर्ट

आंवला, अमृत विचार : उसैता गांव निवासी अजय चौहान ने बताया कि वह ई रिक्शा चलाता है। कस्बे के बजीरगंज अड्डे पर सवारी बैठाने को लेकर उसका बजीरगंज बदायूं निवासी अभिषेक से उसका विवाद हो गया। अभिषेक ने अपने साथी बुला लिए। उक्त लोगों ने उसे बेरहमी से मारा पीटा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अभिषेक, विक्रांत गुप्ता, शाहरुख, शनि, और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

आर्थिक तंगी में फंसे प्रेमी जोड़े को मिली खुशियां

संवाददाता, नवाबगंज

- प्रधान ने अपने खर्च पर कराया प्रेमी युगल का विवाह

अमृत विचार : धर्म और जाति की दीवारों को पीछे छोड़ते हुए सिजौलिया गांव के प्रधान मुख्तियार अहमद अंसारी ने इंसानियत और भाईचारे की मिसाल पेश की है। प्रधान ने अपने निजी खर्च पर एक हिंदू युवक और युवती का विवाह हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार सम्पन्न कराकर पूरे क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द्र का संदेश दिया है।

घर में अग्नि के फेरे लेते जोड़ा।

युवती की मांग भरता युवक ।

जानकारी के अनुसार, सिजौलिया निवासी अमरजीत और बहेड़ी क्षेत्र के गांव आंखें निवासी सरला (पुत्री सूरजपाल) लंबे समय से सोशल मीडिया के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में थे। अमरजीत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। दोनों एक ही बिरादरी के थे और प्रेम भी करते थे, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण विवाह का सपना पूरा नहीं कर पा रहे थे।

जब यह बात ग्राम प्रधान मुख्तियार अहमद अंसारी के संज्ञान में आई, तो उन्होंने तुरंत पहल करते हुए बिना किसी भेदभाव के दोनों की मदद करने का निश्चय किया। प्रधान ने युवक और युवती के परिवारजनों से संपर्क किया, उनकी परेशानियों को समझा और उन्हें विवाह के लिए राजी किया। परिवारों की सहमति और ग्रामीणों की मौजूदगी में प्रधान खुद अमरजीत के घर पहुंचे और हिंदू परंपराओं के अनुसार विधि-विधान से विवाह सम्पन्न कराया।

इस दौरान प्रधान ने युवती को मंगलसूत्र, पायल, बिछिया सहित आवश्यक उपहार देकर नवविवाहिता का आशीर्वाद भी दिया। उन्होंने कहा कि धर्म से पहले इंसानियत आती है। जब दो लोग सच्चा प्रेम करते हैं और गरीबी आड़े आती है, तो उनकी सहायता करना हमारा फर्ज है।

मंडी में धान तौल में बड़ा खेल, किसानों ने घेरा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : मंडी समिति में धान की खरीद और तौल में लगातार हो रही गड़बड़ियां समाप्त नहीं हो रही है। इन्ही अव्यवस्थाओं पर आम आदमी पार्टी की रोहिलखंड प्रांत की उपाध्यक्ष सुनीता गंगवार ने मंडी पहुंचकर अपने सामने किसानों का गेहूं तौलाया।

किसानों ने नेता को घेरकर आरोप लगाया कि वे रात-रात भर ठंड में ट्रालियां लेकर मंडी में खड़े रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी धान की तौल नहीं की जाती। धान में कमियां निकालकर ट्रालियों को लौटा दिया जाता है। उपाध्यक्ष ने इस मामले को किसानों के साथ किए जा रहे व्यवहार को अमानवीय बताया। उन्होंने अपने सामने सभी ट्रालियों की तौल कराई। सुनीता ने कहा कि 8 दिसंबर से होने वाले धरने में किसानों की इन सभी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी।

दो दिन में गणना प्रपत्र भरवा कर जमा कराएं प्रधान, पंचायत सदस्य

एसआईआर को लेकर एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

संवाददाता, मीरगंजः

अमृत विचार : ऐसे मतदाता जो सुबह में काम पर जाकर देर रात आते हैं उनका बीएलओ से संपर्क नहीं हो पाता है। वह अपने फार्म भरकर ससमय बीएलओ तक पहुंचा दें। प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य अपनी पंचायत के मतदाताओं के के गणना प्रपत्र भरवा कर दो दिन में बीएलओ के पास जमा करवा दें। ताकि बीएलओ अपना काम समय से पूरा कर सके।

मंगलवार को ब्लॉक सभागार में ब्लाक प्रमुख गोपाल कृष्ण की अध्यक्षता में ग्राम प्रधान / क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ एसआईआर को लेकर बैठक हुई। सहायक विकास अधिकारी पंचायत वीरपाल सिंह ने कहा कि प्रपत्र भरने में कोताही न करें। ग्राम प्रधान / क्षेत्र पंचायत अपने क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करें एवं ग्राम पंचायतों में डुग्गी पिटवाकर प्रचार प्रसार करवायें। ब्लाक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार ने कहा जिन मतदाताओं द्वारा अभी गणना प्रपत्र जमा नहीं कराया गया है वे समय पर प्रपत्र जमा करवा दें।

बैठक में गिरजा शंकर,मो. अनस के साथ ग्राम प्रधान अजरूददीन,मुकेश कश्यप, विजय सिंह, मुनेन्द्र कुमार शर्मा, राहत हुसैन, मदनलाल वर्मा, वीरपाल, जमील अहमद, रिजवान अहमद, जाकिर खां, सत्यपाल, बीडीसी अख्तर खां आदि उपस्थित रहे।

रिठौरा में बीएलओ से जानकारी करते एमएलसी बहोरन लाल मौर्य । ● अमृत विचार

कोटेदार और ग्राम प्रधान पुनरीक्षण में सहयोग करें

शेरगढ़, अमृत विचार :पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी सहयोग करें तो कार्य में सुविधा होगी और समय से पूर्व काम भी पूरा हो सकेगा। महिलाएं फार्म भरना तो दूर जानकारी नहीं दे पा रही हैं। बिना जानकारी के बीएलओ भी फार्म नहीं भर पा रहे हैं इससे कार्य प्रभावित हो रहा है। यह बात शेरगढ़ में तैनात बीएलओ ने निरीक्षण को आए अफसरों से कही। वहीं नायब तहसीलदार ने कोटेदार और प्रधानों से पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने को कहा है। नायब तहसीलदार मीरगंज अरविंद कुमार ने क्षेत्र के सेवा ज्वालापुर, बैरमनगर, सहोड़ा, शीशगढ़ समेत कई बूथों का जायज लिया। क्षेत्र में निरीक्षण को पहुंचे नायब तहसीलदार ने बीएलओ से कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं राशन विक्रेता, ग्राम प्रधानों समेत लोगों से सघन पुनरीक्षण अभियान की सफलता में सहयोग की अपील की। तहसीलदार मीरगंज (न्यायिक) सुरभि राय ने क्षेत्र के गांव हेम्मदपुर, गहलुइया, कबरा किशनपुर आदि समेत कई गांवों का दौरा कर बूथों का निरीक्षण किया और सघन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति का हाल जाना। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती ने ब्लॉक के प्रधानाध्यापकों, सहायक अध्यापकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को एसआईआर कार्य में जुटने के निर्देश दिए।

मतदाता प्रपत्र जमा करवाने में सहयोग करें कार्यकर्ता

रिठौरा : नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में मंगलवार को मतदाता प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान शिविर का एमएलसी बहोरन लाल मौर्य ने निरीक्षण किया। उन्होंने एक-एक बीएलओ से मतदाता प्रपत्र वितरित करने तथा जमा करने की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान बीएलओ दुर्गा सिंह ने बताया मोहल्ला खाता और धर्मपुर में प्रपत्र बहुत कम जमा हुए हैं। महिलाएं मायके की 2003 की जानकारी नहीं जुटा पा रही हैं। वहीं फीडिंग के मामले में भी दिन में बीएलओ ऐप ठीक से नहीं चलता जिससे फीडिंग नहीं हो पा रही है। प्रपत्र भरने की आखिरी तिथि नजदीक आ रही है ऐसे में तय समय तक काम पूरा करने में कठिनाई आ रही है। समस्याओं के बीच बीएलओ काम कर रहे हैं। इस काम में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बीएलए सहयोग नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते भी काम कम हो पाया है।एमएलसी ने सभी कार्यकर्ताओं एवं बूथ लेविल एजेंट से अधिक से अधिक मतदाता प्रपत्र जमा करवाने को कहा। इस दौरान दिनेश कुमार सिंह, जयदेव मौर्या, राकेश कुमार कश्यप, सुख्खन लाल पटेल सभासद वीरपाल कश्यप, गुड्डू यादव, वर्षा गुप्ता, मोहित रस्तोगी, रामपाल, रामदास, कुलदीप गंगवार, सीमा यादव, दीक्षा सिंह, दुर्गा सिंह, प्रदीप कुमार गुप्ता, समाजसेवी दिनेश भास्कर, अनीस अहमद, राजेन्द्र कश्यप आदि मौजूद रहे।

विराट राष्ट्रीय एकता दंगल में पहलवानों ने दिखाया दम-खम

भुता, अमृत विचार : ब्लाक क्षेत्र के गांव शेखापुर में हो रहे दंगल में विभिन्न क्षेत्रों से आए पहलवानों ने भाग लिया। गांव के बाहर खेतों में भैसटा रोड पर हुए दंगल में गुल्ला चौधरी और स्टील बॉडी पहलवान के बीच मुकाबला हुआ। इसमें स्टील पहलवान विजई हुए। विराट एकता दंगल के तहत हुई दूसरी कुश्ती गुल्ला चौधरी और बाबा देवीदास पहलवान के बीच हुई। इसमें गुल्ला चौधरी पहलवान विजेता रहे। दंगल में शामिल होने के लिए जम्मू कश्मीर, मेरठ, गंगानगर, अयोध्या, कुशीनगर, शेखपुर और बनारस से पहलवान आए हैं। राजेश कुमार गुरुजी ने फीता काटकर दंगल का शुभारंभ किया। इस मौके पर ग्रामीण शाहिद, मोहित अवस्थी गजेंद्र मौर्य सोनू सिंह, वीरेश, पंकज, वीर सिंह, अरविंद मौर्य, कामेश तिवारी , प्रियांशु पाठक, यासीन खान, समसुल खान, मेहरून खान,तमाम लोग मौजूद रहे।

गृहस्वामी को कमरे में बंद कर की चोरी

संवाददाता, बिशारतगंज

अमृत विचार : सर्दी का मौसम शुरू होते ही चोरों ने अपनी दस्तक देनी शुरू कर दी है। सोमवार की रात 24/11/25 को अज्ञात चोरों ने बिशारतगंज के नजदीक बेहटा बुजुर्ग गांव में दो घरों को निशाना बनाया। एक घर से ज्वेलरी और नकदी तथा दूसरे घर से मोबाइल की चोरी हुई। चोरों ने एक गृहस्वामी को कमरे में ही बंद कर दिया।

बेहटा बुजुर्ग निवासी हारुन खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार रात वह घर के बरामदे में सो रहे थे। रात्रि में किसी समय अज्ञात चोर छत के रास्ते घर में घुसे और कमरे में रखी अलमारी से 10 तोला सोना, 500 ग्राम चांदी और पचास हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। वहीं पास वाले मकान में उनके बड़े भाई चुन्ना खान कमरे में सो रहे थे, जहां से चोर एक मोबाइल फोन ले गए और बाहर से दरवाजे की कुंडी लगाकर उन्हें कमरे में बंद कर गए।सुबह जागने पर पूरे घटनाक्रम की जानकारी हुई और परिजनों ने डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद थाना पुलिस को लिखित तहरीर दी गई। चोर हारुन खान के घर से संदूक उठाकर पास के खाली पड़े प्लॉट में फेंक कर चले गए। संदूक ले जाते समय चोर सीसीटीवी में कैद हुए बताए जा रहे हैं, जिसमें एक चोर संदूक उठाकर ले जाता दिखाई दे रहा है।प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मोबाइल की लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम भेजी गई है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

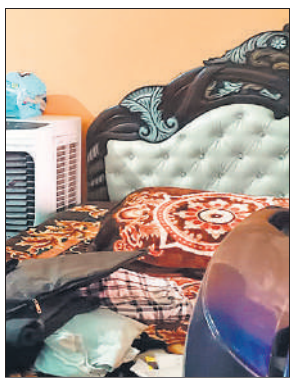
कमरे में बिखरा सामान ।

किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर कपड़े फाड़े, रिपोर्ट

नवाबगंज , अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव रहने वाली किशोरी बीती देर शाम अपनी ताई के साथ गांव में ही एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थी ।

आरोप है कि पहले से ही घात लगाए बैठे गांव के कुछ युवकों ने उसके साथ अश्लील हरकतें की और विरोध करने पर उसके कपड़े फाड़ दिए। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए । तहरीर पर पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है ।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार युवक का पैर टूटा

नवाबगंज,अमृत विचार : तेज गति से स्टंट करते हुए आ रही बाइक की टक्कर से साइकिल सवार का पैर की हड्डी टूट गई है। विरोध करने पर बाइक सवार साइकिल सवार की पिटाई कर फरार हो गया है। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

ग्राम खतौया निवासी शमशाद अहमद बीती शाम बरखन से खतौआ की ओर साइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान अभयराजपुर निवासी सोनू पुत्र छोटेलाल अपनी बाइक को लहराते हुए लाया और पीछे से शमशाद की साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शमशाद अहमद का पैर टूट गया तथा शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। टक्कर मारने का शमशाद ने विरोध किया तो आरोपी सोनू पीटकर अधमरी हालत में छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को घर लाकर उपचार की व्यवस्था की। पीड़ित के पुत्र जैनुल जब आरोपी से बात करने उसके घर पहुंचे, तो उसने इलाज कराने से इनकार कर दिया।

विपणन निरीक्षक और बिचौलिया को भेजा जेल

संवाददाता, देवरनियां

- बहेड़ी मंडी समिति में किसान से 10 हजार की घूस लेते हुए रंगेहाथ पकड़े गए थे दोनों आरोपी

अमृत विचार : सोमवार को एंटी करप्शन की टीम द्वारा बहेडी मंडी समिति से पकडे गए विपणन निरीक्षक और बिचौलिया के खिलाफ देवरनियां कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार को दोनों को जेल भेज दिया गया है।

विपणन निरीक्षक मनीष दुबे बहेडी धान क्रय केन्द्र पर संचालित धान क्रय केन्द्र के इंचार्ज हैं। सोमवार को एंटी करप्शन टीम ने बहेडी मंडी समिति में घूसखोरी व अनियमितताओं की सूचना पर छापा मारकर विपणन निरीक्षक और उसके बिचौलिया अतुल गंगवार को दस हजार की रिश्वत लेते पकड़ा था।

पीड़ित किसान सुनील कुमार पुत्र हर प्रसाद निवासी ग्राम मलकपुर बहेडी ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निवारण संगठन से की थी। शिकायत का संज्ञान लेकर भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली की टीम के प्रभारी जितेन्द्र सिंह द्वारा टीम के साथ पकडे प्रभावी कार्रवाई करते हुए मनीष कुमार दुबे, सम्प्रति विपणन निरीक्षक, कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियन्त्रण जनपद बरेली और उसके द्वारा रखे गए प्राइवेट व्यक्ति अतुल गंगवार को रकम लेते गिरफ्तार किया था। मंगलवार को दोनों को देवरनियां ने न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

न्यूज डायरी

नैनो संयंत्र का किया निरीक्षण

आंवला, अमृत विचार : इफको के नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक संयंत्र का इफको तकनीकी निदेशक ए के शर्मा ने निरीक्षण किया। उन्होंने उत्पादन की गुणवत्ता और प्रक्रिया के संबंध में महाप्रबंधक नैनो मुकेश खेतान से चर्चा की। निदेशक ने प्रशिक्षित इंजीनियरों और विषय विशेषज्ञों की टीम बनाने के निर्देश दिए ताकि वे किसानों के बीच जाकर नैनो उर्वरकों के उपयोग और लाभ के बारे में जागरूकता अभियान चलाएं। इस अवसर पर इफको के वरिष्ठ महाप्रबंधक सत्यजित प्रधान समेत कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

गन्ना लदे वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर

मीरगंज अमृत विचार : धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड इकाई मीरगंज में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इकाई प्रमुख सरबजीत सैनी, एसडीएम आलोक कुमार ,तहसीलदार आशीष सिंह, थाना प्रभारी संजय तोमर, ओम प्रकाश वर्मा, अरविन्द गंगवार के निर्देशन में मिल पहुंचने वाले वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए। इससे कोहरा छाए रहने के दौरान गन्ना लेकर मिल के लिए जाने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों, ट्रकों की दृश्यता बढ़ेगी। इस दौरान अभिषेक शर्मा, जय गोपाल चावला, अंग्रेज सिंह, संजय कुमार सिंह, रतिराम सिंह, शेषनाथ यादव आदि रहे।

मजलिस-ए-अजा का समापन

सेंथल, अमृत विचार : इदारे कारवाने जहरा के नेर्तत्व में हजरत मोहम्मद साहब की बेटी शहजादी फात्मा जहरा की शहादत की याद में चल रही तीन दिवसीय मजलिस ए अजा का मंगलवार को समापन हो गया। अजा के तीसरे ओर आखरी दिन तीन मजलिसें आयोजित हुईं। पहली मजलिस को मौलाना बाकर मशहदी लखनवी दूसरी मजलिस को मौलाना शाहिद रिजवी मुंबई तीसरी और आखरी मजलिस को मौलाना वसी असगर पाशा मुजफ्फर नगर ने खिताब किया।

छात्रों ने किया शैक्षिक भ्रमण

मीरगंज, अमृत विचार : अनुबिस डिग्री कॉलेज के भूगोल एवं सैन्य अध्ययन द्वारा एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय, नानकमत्ता गुरूद्वारा साहिब और नानक सागर डैम का अवलोकन कर महत्वपूर्ण शैक्षिक, ऐतिहासिक हासिल की। प्रभारी शिक्षक के निर्देशन में कॉलेज परिसर से बस द्वारा यात्रा शुरू हुई। पंतनगर विवि पहुंचकर छात्रों ने कृषि विज्ञान, आधुनिक कृषि के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कॉलेज में फीस पूरी, सुविधा नहीं

बिथरी चैनपुर, अमृत विचार:रजऊ परसपुर स्थित एसजी कॉलेज एवं हॉस्पिटल में मंगलवार सुबह जीएनएम द्वितीय वर्ष के छात्रों ने जोरदार हंगामा किया। संतोष, विशेष, नितिन, दीपिका सहित दर्जनों छात्र-छात्राओं ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा पूरी फीस वसूलने के बाद भी पढ़ाई से जुड़ी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उनका कहना है कि लैब महीनों से बंद रहती है, कंप्यूटर लैब का उपयोग कभी नहीं कराया गया, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि लैब में गंदगी फैली है और कबूतरों के शव तक पड़े रहते हैं।छात्रों ने बताया कि प्रिंसिपल न तो शिकायतें सुनती हैं और न ही व्यवहार सही है, वहीं कॉलेज में शिक्षक बार-बार बदल दिए जाते हैं कॉलेज के डायरेक्टर ए.के. अग्रवाल ने सभी आरोपों को गलत बताया। तीन शिक्षकों को हटाया गया था, वही शिक्षक छात्रों को भड़का रहे हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल अंकपत्र अनुक्रमांक 210867200 प्रमाणपत्र क्रमांक 28500805 वर्ष 2021 व इण्टरमीडिएट अंकपत्र अनुक्रमांक 2235736619 प्रमाण पत्र क्रमांक 28002500 है उक्त दोनों अंकपत्र/प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये हैं। **अरूण कुमार पुत्र नेमचन्द्र निवासी ग्राम- पराझरसा ब्लॉक निगोही तह. तिलहर जिला शाहजहांपुर मो. 6387708364**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री साजिया जिसकी उम्र 23 वर्ष है। मेरी पुत्री ने दिनांक 23.11.2025 को मुकीम पुत्र असमत नि. मो. हबीबुल्ला खां जनूवी बीसलपुर के साथ कहीं चली गयी है। भविष्य में मुझे अपनी पुत्री से किसी भी तरह का कोई लेना देना नहीं है। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **अलीजान पुत्र अहमद नि. मो. हबीबुल्ला खां जनूवी थाना बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में नाम SHAKEEL SHAH दर्ज है जबकि मेरी रजिस्ट्री में नाम SHAKEEL AHMAD दर्ज है। ये दोनों नाम मेरे ही है और मैं इन दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता हूँ। **शकील शाह पुत्र शफीक शाह निवासी 48, कटघर किला जिला बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मेरी एक फाईल जिसमें मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट, इण्टरमीडिएट की मार्कशीट, बी.ए. की तीनों वर्ष की मार्कशीट, पासपोर्ट नं. Z6500184, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र व अन्य कुछ कागजात थे। वह फाईल रास्ते में घर जाते समय वास्तव में कहीं गुम हो गई। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **मोहसिन पुत्र रसीद निवासी ग्राम पांची थाना चांदीनगर जिला बागपत**

सूचना
हमने अपने पुत्र अनमोल गुप्ता व उसकी पत्नी कशिश गुप्ता को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का हमसे व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **माधवी गुप्ता पत्नी अंकुर गुप्ता व अंकुर गुप्ता पुत्र ऋषि कुमार गुप्ता व नि. पावर हाउस 23 जनकपुरी राजेन्द्र नगर, थाना प्रेमनगर, जिला बरेली**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

बहकावे में तिलक चढ़ाने से मुकरा लड़की पक्ष

गोदभराई के आभूषण लौटाने को लेकर हुआ विवाद

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम करनपुर में तिलक समारोह के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया।

गांव करनपुर निवासी करन सिंह के पुत्र का विवाह शाहजहांपुर के थाना तिलहर स्थित मीरपुर माफी निवासी राकेश की पुत्री से तय हुआ था। कार्यक्रम के अनुसार 24 नवंबर को लड़की की गोद भराई की रस्म हुई थी, जिसमें लड़के पक्ष ने सोने की चेन, अंगूठी, चांदी की पायल, साड़ियां, कपड़े तथा 11 हजार रुपये नकद भेंट किए थे। इसी दिन शाम को लड़के का तिलकोत्सव भी निर्धारित था।

शाम होते ही लड़के पक्ष के गांव में लगन उत्सव की तैयारी जोरों पर थी। मेहमानों और रिश्तेदारों के लिए भोजन-नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। लगभग 6 बजे लड़की पक्ष समारोह में पहुंचा और नाश्ता-भोजन करने के बाद अचानक गांव के ही किसी व्यक्ति के बहकावे में आकर लगन चढ़ाने से इंकार कर दिया। उनका आरोप था कि लड़के पक्ष के पास बताई गई खेती उतनी नहीं है, जितनी जानकारी पहले दी गई थी।लड़के पक्ष और अन्य रिश्तेदारों ने काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और बिना तिलक चढ़ाए वापस लौट गए। जब लड़के पक्ष ने गोद भराई में दिए गए आभूषण व नगद वापस मांगे तो लड़की पक्ष गाली-गलौज पर उतारू हो गया और धमकी दी कि सामान मांगा तो झूठे मुकदमे में फंसा देंगे।मामला बढ़ने पर पीड़ित पक्ष फरीदपुर कोतवाली पहुंचा और पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने लड़की पक्ष से बात कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

- **लड़के वालों ने जितना बताया उससे कम निकली खेती**

शीशगढ़ में एक लाख न देने पर लड़के वालों ने शादी से किया इंकार,मुकदमा दर्ज

मानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम न्यामतपुर निवासी एक महिला ने पुत्री के ससुरालियों पर एक लाख रुपए की मांग पूरी न होने पर शादी से इनकार करने का आरोप लगाकर मुकद्दमा दर्ज कराया है। ग्राम न्यामतपुर निवासी महिला भगवानदेई ने बताया कि बेटी का रिश्ता पटवाई (रामपुर) के ग्राम राजौड़ा निवासी राजीव के साथ किया था। उक्त युवक के परिजन अब एक लाख रुपए नकद की मांग कर रहे हैं। मांग पूरी न होने पर शादी से इनकार कर रहे हैं जबकि लड़के को गोद भराई की रस्म में एक सोने की अंगूठी व ग्यारह हजार रुपए नकद दिए जा चुके हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 5946/ई–टेण्डर/25–26 दिनांक 19.11.2025

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 26.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत (लाख रू0) कुल अनुमानित लागत	05 वर्ष अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत (4+5)	निविदा की धरोहर धनराशि (लाख रू0)	टेण्डर फीस व स्टेशनरी चार्ज+ जी0एस0टी0 (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	वित्तीय वर्ष 2025–26 में धमार्थ योजनान्तर्गत								
1	जनपद बरेली में विकास खण्ड भदपुरा के अन्तर्गत ग्राम महेशपुर के प्राचीन मंदिर तक मार्ग का चौड़ीकरण	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बरेली	17.66	0.44	18.10	1.81	944.00	तीन माह	ए, बी, सी, डी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर Login किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0बरेली

UP – 241402 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक:8370/7निविदा(पी0डी0)(ई0टेण्डर)–8/25–26 दिनांक 17.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्रान्र्तगत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती हैं।निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं ई–निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में) अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी(मार्ग कार्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ननाई सराय पचतौर से बिहारीपुर दियोनी मार्ग से भुडिया मार्ग का नवनिर्माण।	96.50	7.25	103.75	7.20	2714.00	12 माह	A&B
2.	जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत रूकुमपुर पुख्ता मार्ग से बारीखेडा मार्ग का नवनिर्माण।	64.95	4.90	69.85	5.50	2714.00	06 माह	A,B&C

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तें बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बदायूँ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0 बरेली

UP – 241263 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय उप जिलाधिकारी, फरीदपुर, बरेली।

पत्रांक 778/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनांक 20 नवम्बर 2025

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह–म–2024–17–1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील फरीदपुर (बरेली) में वहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के अवशेष एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	फरीदपुर	01.12.2025 तथा नीलामी/ठेका आवंटन पूर्ण होने तक प्रत्येक सोमवार

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी की धनराशि (रू0 में)
1	तहसील – फरीदपुर नदी – रामगंगा	रामगंगा खण्ड–4 (ग्रा0 खनी नवादा से मानपुर त्रिलोक तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्त्त जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील फरीदपुर, बरेली

UP – 241406 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक 2489/31ए दिनांक 13.11.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियंता प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 28.11.2025 से दिनांक 15.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 15.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (रू0 लाख में) अनुमानि लागत	5 वर्षीय अनुरक्षण लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
1	दियूनी केशरपुर सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	27.07	0.68	27.75	2.80	1062.00	3 माह	A,B,C,D
2	पीलीभीत मझोला मार्ग से कैमा सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	25.10	1.37	26.47	2.70	1062.00	3 माह	A,B,C,D
3	पूरनपुर पीलीभीत मार्ग से सिसैया गजरौला खुर्द सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	20.91	1.57	22.48	2.30	1062.00	3 माह	A,B,C,D
4	आसाम मार्ग से डयूनी महादुरगंज सम्पर्क मार्ग के पुनःनिर्माण का कार्य	25.78	1.93	27.71	2.80	1062.00	3 माह	A,B,C,D

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, पीलीभीत।

UP – 241272 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

दो माह से अटका केबिल डालने का काम शुरू

मीरगंज, अमृत विचार : स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से दो माह से लटका केबिल बिछाने का काम अब शुरु हो गया है। विधायक ने पावर कार्पोरेशन के अफसरों को कार्य जल्दी पूरा कराने के निर्देश दिये थे तभी पता चला कि काम अभी तक शुरु नहीं किया गया है। इसके बाद विधायक ने सक्रियता दिखाई और सभी बाधाओं को दूर कराते हुए नई केबिल बिछाने का काम शुरु करा दिया।

केबिल डालने का काम शुरु।

गांव कुल्छा खुर्द में नई बिजली केबल डालने का कार्य दो माह से रुका था। काम नहीं होने से ग्रामीणों को बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं मिल पा रही थी। ग्रामीणों ने विधायक से समस्या बताई थी इसी के बाद विधायक ने बिजली विभाग को काम कराने के निर्देश दिये थे। लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर काम करने जाते तो वहां स्थानीय लोग विरोध कर रहे थे। इससे काम रूका था और ट्रांसफार्मर से गांव तक नई केबिल नही डाली जा पा रही थी। अब यह कार्य शुरु हो गया है। इस दौरान पूर्व प्रधान ओमप्रकाश मौर्य एवं पूर्व प्रधान मनकरा विशाल गंगवार ने समस्या समाधान मे सक्रिय भूमिका निभाई। ग्राम वासियों ने बताया कि कुछ लोग गांव में कम पॉवर की केबिल डलवाकर भेदभाव करने का प्रयास कर रहे हैं। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने मीरगंज विधायक से की। शिकायत पर विधायक ने अफसरों से मानक के अनुसार ही केबिल डालने के निर्देश दिये थे।

पोस्टर लगा रहे युवकों से मारपीट

मानपुर , अमृत विचार : एक राजनीतिक पार्टी के पोस्टर लगा रहे तीन युवकों के साथ कुछ लोगों ने गालियां देकर मारपीट कर दी। शिकायत पर पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बहेड़ी निवासी दानिश ने बताया कि वह अरुण व विवेक के साथ शीशगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर एक प्रत्याशी के चुनावी पोस्टर लगा थे। आरोप है कि पोस्टर लगाते समय कल्याणपुर निवासी इरफान अपने दो अन्य साथियों के साथ आकर गालियां देने लगा। विरोध करने पिटाई कर दी व जान से मारने की धमकी भी दी।

बकाया रकम मांगने पर दी धमकी

कैंट, अमृत विचार : 90 हजार में बेची कार के 27 हजार देने के बाद बाकी की रकम हड़प ली। वाहन नाम कराने बाकी रकम मांगने पर आरोपी ने गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की। उनके आदेश पर कैंट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला पर आरोप लगाकर किया प्रदर्शन

आंवला । एक मोहल्ले के लोगो ने महिला पर आरोप लगाकर थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया ।कस्बे के एक मोहल्ले के लोगों ने एक महिला पर शराब पीकर मोहल्ले के लोगों से गाली गलौज कर अभद्रता करने और अपने घर पर असमाजिक तत्वों को बुलाने का आरोप लगाया है। महिला के कारण मोहल्ले का माहौल खराब हो रहा है। वह कई बार झूंठी शिकायत कर लोगों को परेशान कर चुकी है। विरोध करने पर वह झूठे मुकदमों की धमकी देती है। इस दौरान मुन्नी, चांदनी, साजदा, शबाना, रूकसाना, मुस्कान, भूरी, आजिम आदि थे।

खबरें www. amrit vichar.com पर भी पढ़ें

कार्यालय उप जिलाधिकारी, मीरगंज, बरेली।

पत्रांक 776/मत्स्य आखेट पट्टा नदी/2025–26 दिनांक 20 नवम्बर 2025

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासनादेश संख्या–01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10.01.2019 एवं शासनादेश संख्या– 97/सत्रह–म–2024–17–1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में दिये गये प्रावधानों के अन्तर्गत तहसील मीरगंज (बरेली) में वहने वाली सदानीरा रामगंगा नदी के अवशेष एक खण्ड की मत्स्य आखेट हेतु नीलामी किया जाना है। मत्स्य आखेट हेतु वर्ष 2025–26 में पट्टा नीलामी स्वीकृत दिनांक से 31.05.2026 तक (प्रतिबंधित अवधि 01 जून से 31 अगस्त) होगा। मत्स्य आखेट पट्टा/नीलामी पर उठाए जाने की कार्यवाही के सम्बन्ध में नीलामी तिथि निम्नवत है:–

क्रमांक	तहसील का नाम	नीलामी तिथि
1	मीरगंज	03.12.2025 तथा नीलामी/ठेका आवंटन पूर्ण होने तक प्रत्येक बुद्धवार

तहसील सभागार में उपरोक्त तिथियों के अनुसार अपरान्ह 1:00 बजे उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न की जायेगी। पट्टा/नीलामी हेतु चिन्हित अवशेष मत्स्याखेट खण्ड का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	तहसील एवं नदी का नाम	खण्ड का नाम	खण्ड की लम्बाई (कि0मी0 में)	वर्ष 2025–26 हेतु मत्स्य आखेट/नीलामी की धनराशि (रू0 में)
1	तहसील – मीरगंज नदी – रामगंगा	रामगंगा खण्ड–3 (ग्रा0 करौरा भगवन्तपुर से मोहम्मद गंज तक)	05	31250

पट्टा/नीलामी की शर्तें–

1– मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता की वरीयता का क्रम एवं शर्त शासनादेश संख्या –01/2019/33/एक–2–2019–19 (रिट)/2018 दिनांक 10 जनवरी 2019 में वर्णित है।
2– प्रतिभाग करने वाली समिति को सम्बन्धित खण्ड की न्यूनतम धनराशि का 10 प्रतिशत जमानत के रूप में पट्टा/नीलामी से पूर्व जमा करना होगा एवं नीलामी पूर्ण होने पर कुल 25 प्रतिशत धनराशि नीलामी वाले दिन तत्काल तथा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह के अन्दर जमा करनी होगी। यदि समिति के द्वारा अवशेष 75 प्रतिशत धनराशि 01 सप्ताह में जमा नहीं की गयी तो जमा की गयी 25 प्रतिशत धनराशि राज्य हित में जब्त कर ली जाएगी।
3– उपरोक्त नीलामी में प्रतिभाग, मत्स्य विभाग में पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समिति द्वारा ही किया जायेगा।
4– नीलामी प्राप्तकर्ता समिति को मत्स्य विभाग के अधिकारियों की देख–रेख में भारतीय मेजर कार्प प्रजाति की 2000 मत्स्य अगुलिका प्रति कि0मी0 की दर से रिवर रैचिंग करवाना अनिवार्य होगा।
5– पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता के द्वारा बहती हुई नदी/जलधारा को रोकने का प्रयास नहीं किया जायेगा।
6– सम्बन्धित तहसील एवं मत्स्य विभाग से अदेयता प्रमाण पत्र देना होगा।
7– पट्टे/नीलामी की समस्त धनराशि का लेन–देन समिति के खाते से ही ड्राफ्ट के माध्यम से विभागीय बैंक खाता "मत्स्य विकास निधि" के पक्ष में देय होगा।
8– पट्टा/नीलामी/स्वीकृत/अस्वीकृत का आधार जिलाधिकारी, बरेली में निहित होगा।

पट्टा/नीलामी से संबधित शर्तो की विस्तृत जानकारी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य (कमरा नं0 40, विकास भवन), बरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

उप जिलाधिकारी/नीलाम अधिकारी
तहसील मीरगंज, बरेली।

UP – 241407 दिनांक :24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय जिला पंचायत बदायूं

पत्रांक :1087/जि.पं./नि.अनु./2025-26 दिनांक: 24.11.2025

सामान्य निविदा सूचना

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33-2-2019-198 जी / 2018 दिनांक 16 अगस्त, 2019 व शासनादेश सं. 1129/33-2-2020-167 जी/ 2018 दिनांक 03 जून 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग, 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 30 कार्यो की सामान्य निविदायें दिनांक 16.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है जो इसी दिनांक 16.12.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत, बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 16.12.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क धनराशि फार्म- 5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण / पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.IN पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
01.	दहगवां	ग्राम बाजिदपुर चमरपुरा रोड से जमालपुर पियरी में सी.सी. तक मि.खं. कार्य।	674572	67500	1200	60 दिन
02.	म्याऊँ	ग्राम ययाती खेड़ा में डामर रोड तक बूडेबाबा स्थान तक मि.खं. कार्य।	487042	48750	1200	60 दिन
03.	जगत	ग्राम सरवा में गंगा जी के घर से डामर रोड तक मि.खं./सी.सी. कार्य।	322852	32300	1200	60 दिन
04.	जगत	ग्राम कुलचौरा में एम.एफ. मार्ग पर रामवीर/श्यामवीर के घर के पास से देवस्थान तक मि.खं. कार्य।	798454	79850	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग अनटाइड				
05.	समरेर	ग्राम कनेई में योगराज के घर पानी टंकी तक मि.खं. कार्य।	778906	77900	1200	60 दिन
06.	बजीरगंज	ग्राम रोटा मेन रोड से पंचायत भवन तक मि.खं. कार्य	599054	59950	1200	60 दिन
07.	बजीरगंज	ग्राम सैदपुर करेंगी मार्ग से शिव मंदिर कतगांव तक मि.खं. कार्य।	599054	59950	1200	60 दिन
08.	बजीरगंज	ग्राम बहेटरा प्रा.स्कू. से गुडडू के घर तक मि.खं. कार्य	599054	59950	1200	60 दिन
09.	बिसौली	बिसौली दवतोरी सम्पर्क मार्ग पर पैट्रोल पम्प के सामने अग्रवाल जी की ट्यिूबैल पर जि.पं. के पुराने खडंजा तक मि.खं कार्य	500925	50100	1200	60 दिन
10.	बिसौली	सहसवान बिसौली सम्पर्क मार्ग तक गुधनी मार्ग से ग्राम राजपुर पुलिया तक मि.खं. कार्य।	696543	69700	1200	60 दिन
11.	आसफपुर	गुरियारी चौराहे के पुराने खडंजे से अहरौली खडंजे तक मि.खं. कार्य	735859	73600	1200	60 दिन
12.	इस्लामनगर	ग्राम फिरोजपुर गवरा में सेवाराम के प्लाट के पास पुलिया से पुराने खडंजे तक मि.खं. कार्य।	837260	83750	1200	60 दिन
13.	दहगवां	ग्राम मोहम्मदगंज गोबरा में मुख्य मार्ग से ताली बाबा मंदिर तक मि.खं. खडंजा कार्य।	716201	71650	1200	60 दिन
14.	दहगवां	ग्राम नाधा में उधैती सम्पर्क मार्ग से पशु बाजार/पुराने खडंजे तक मि.खं. कार्य।	480947	48100	1200	60 दिन
15.	सहसवान	ग्राम नगला भिुंड में बुद्धपाल के मकान/सी.सी. से पंचायत घर तक मि.खं. कार्य।	401196	40150	1200	60 दिन
16.	अम्बियापुर	ग्राम नाई पिण्डरी में प्रताप के घर से शौचालय तक निर्माण कार्य।	433128	43350	1200	60 दिन
17.	अम्बियापुर	ग्राम कुरऊ में पूर्वी साइड में मि.खं. कार्य।	500925	50100	1200	60 दिन
18.	उझानी	रहमुद्दीन नगर सम्पर्क मार्ग से प्रा.वि. से रेहमुद्दीन नगर तक मि.खं. कार्य।	758468	75850	1200	60 दिन
19.	उसावां	ग्राम उदईया नगला में कलक्टरगंज-दारानगर मार्ग तिराहे मंदिर के पास से गांव तक मि.खं. कार्य।	682737	68300	1200	60 दिन
20.	जगत	ग्राम दियोराजीत में इकरार अहमद के घर से घटपुरी मार्ग पर पूर्व निर्मित खडंजे तक मि.खं. व पुलिया कार्य।	818631	81900	1200	60 दिन
21.	दातागंज	अगोड़ी में वीरपाल के घर से डामर तक मि.खं. कार्य	584330	58450	1200	60 दिन
22.	समरेर	ग्राम गुलडिया मेन रोड गैस एजेन्सी बौरा से सिराज मार्ग से पंचायत घर तक मि.खं./पुलिया निर्माण कार्य।	799014	79950	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग टाइड				
23.	बजीरगंज	आंवला रोड भीकमपुर प्रा.वि. से पानी की टंकी तक नाला निर्माण कार्य।	577840	57800	1200	60 दिन
24.	इस्लामनगर	ग्राम जखौरा जौहरपुरा में हरद्वारी लाल सिंह के घर से तालाब की पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	738972	73900	1200	60 दिन
25.	उसावां	ग्राम मढ़ीनगला में ओमपाल के घर के पास से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	703144	70350	1200	60 दिन
26.	जगत	ग्राम महोरा में गंगाराम के घर के पास से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	635428	63550	1200	60 दिन
27.	दातागंज	पापड़ में पुराने नाले से शमशान घाट तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	756232	75650	1200	60 दिन
28.	अम्बियापुर	ग्राम गढ़ी में महेश पुजारी के मकान से प्रा.स्कैल से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	680146	68050	1200	60 दिन
29.	सहसवान	ग्राम चन्देसी में शोराज के मकान से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	635859	63600	1200	60 दिन
30.	सहसवान	ग्राम इस्माइलपुर मेमड़ी में सोनपाल के घर से राधेश्याम के घर/पुलिया तक नाला निर्माण।	791151	79150	1200	60 दिन

नोट:- 1. जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र- 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु.2 के पत्रांक 819/33-2-2007-100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है। 2. कार्य के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा। 3. निर्माण कार्यो में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यो के प्रांक्कलन में प्रथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

पवन कुमार गोयल
अभियन्ता
जिला पंचायत, बदायूं

दिनेश प्रताप सिंह
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बदायूं

वर्षा सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बदायूं

अयोध्या राम मंदिर। अमृत विचार

ध्वजारोहण होते ही जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी रामनगरी

मठ-मंदिरों में बजे घंटे-घड़ियाल, भगवान की उतारी गयी आरती, बांटा गया प्रसाद

हाथ में त्रिशूल लेकर जय श्रीराम का उद्घोष करता साधु। अमृत विचार

रामधुन पर नाचते-गाते श्रद्धालु। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर का भव्य प्रांगण, सुबह करीब 11:52 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मौजूदगी में जैसे ही बटन दबाया, धर्म ध्वजा धीरे-धीरे कर ऊपर जाने लगी। तीन मिनट में भगवा ध्वज राम मंदिर के शिखर पर लहराकर मंदिर निर्माण की पूर्णता का संदेश देने लगा। यह दृश्य देखकर राम मंदिर प्रांगण में बैठे करीब सात हजार लोग, शहर में करीब 50 स्थानों पर लगी एलईडी, मंदिरों व घरों की छतों समेत पूरे विश्व में टीवी के माध्यम यह ऐतिहासिक दृश्य देख रहे लोगों को भक्ति भाव से ओतप्रोत कर दिया। मंदिर प्रांगण ही नहीं पूरी अयोध्या जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठी। रामपथ, धर्मपथ समेत पूरे शहर के

लता चौक पर रामधुन पर नाचते साधु। अमृत विचार

लोग सड़कों पर आ गए व मिठाइयां बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी। अयोध्या के बुजुर्ग संत राम स्वरूप दास, पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव मंदिर के संत रंजीव शरण दास ने कहा कि आज के इस पल का गवाह बनकर हम अयोध्यावासी अपने को गौरवांन्वित महसूस कर रहे हैं। प्रसाद विक्रेता राकेश गुप्त, केशरीनंदन गुप्ता, राजेश गुप्त, ओंकार गुप्त, राम नाम संकीर्तन करने वाले वैभव तिवारी, अुतल दास आदि हनुमानगढ़ी के पास श्रद्धालुओं को लड्डू बांटते दिखे। अपनी छतों से मंदिर के शिखर पर ध्वज लहराते देख खुशी मनाने वाले रायगंज निवासी स्वाति, प्रीति, गुंजन, गौरी, स्तुति, दंतधावनकुंड नई कॉलोनी निवासी केडी मिश्र आदि ने कहा कि मोदी-योगी ने वह किया है जो पूर्व में कोई नहीं कर सका। श्रावस्ती से आए राजेंद्र पांडेय, विश्वनाथ जायसवाल ने कहा कि मोदी और योगी ने अयोध्या का गौरव वापस दिलाया है।

सांस्कृतिक उत्सव में बदला समारोह

बिहार के गोपालगंज से हनुमान जी की वेशभूषा में पहुंचे एक रामभक्त ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को भक्ति रस में रंग दिया। दिल्ली से आई श्रद्धालु महिलाएं मधु, धारणा, संतोष और पूजा ने कहा कि राम मंदिर परिसर पहुंचते ही उन्हें देवलोक जैसी अनुभूति हुई। संत रमाकांत शर्मा, जो 25 वर्षों से अयोध्या आते रहे हैं, ने कहा कि अयोध्या आधुनिक भी हुई है और अपनी त्रेतायुगीन झलक भी पा चुकी है। ढोल और मंजीरों के मधुर स्वरों के बीच संतों की टोली ने इस आयोजन को एक दिव्य सांस्कृतिक पर्व में परिवर्तित कर दिया।

मोदी जोड़े रहे हाथ, योगी के हाथ से निकलती रही करतल ध्वनि

शिखर पर जा रहे ध्वज को देखते समय भावुक हो गए पीएम मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व सीएम योगी आदित्यनाथ।

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: तीन मिनट में पूरी तस्वीर बदल गई। ध्वजविहीन श्रीराम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज प्रत्यक्ष हुआ, लहराने लगा। नेताओं के साथ मौजूद जनसमूह के चेहरों के भाव भी बदल गए। पीएम मोदी हाथ जोड़े रहे। सीएम योगी के हाथ से करतल ध्वनि निकलती रही। इन्हीं तीन मिनटों में इतिहास की सुई अतीत से भविष्य की ओर बढ़ गई।

समय सबसे बड़ा है। दूसरों को अतीत, वर्तमान और भविष्य का अहसास करा देता है। ध्वजारोहण में मंगलवार को इसे करीब से महसूस किया गया, 11 बजकर 55 मिनट पर घोषणा होती है। पीएम मोदी ध्वज का आरोहण करने पहुंच रहे हैं। पहुंचते हैं, गांभीर्य के साथ चेहरे का भाव बदलता है। 11:56 बजे संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के साथ बिंबों से युक्त केसरिया ध्वज का आरोहण शुरू करते हैं। उनके हाथ स्वतः प्रणाम की मुद्रा में जुड़ जाते हैं। प्रसन्नता के भाव से युक्त बगल खड़े सीएम योगी के हाथ स्वयं जुड़ने और खुलने लगते है, करतल ध्वनि होने लगती है। सभी शनैः-शनैः ध्वज को चढ़ते हुए देखते हैं। जैसे-जैसे ध्वज शिखर की ओर बढ़ता है। चेहरों पर खुशी के भाव छलकने लगते हैं। ऊपर चढ़ने के साथ ध्वज फहरता है। लहराते ध्वज पर बने प्रतीक सूर्य, ऊं के साथ कोविदार प्रत्यक्ष होने लगते हैं। 191 फिट ऊपर पहुंचते देखने के लिए सभी को सिर उठाना पड़ता है। धर्म ध्वज को शिखर पर पहुंचने में लगभग तीन मिनट लगे। मोदी ने ताली बजाई। उधर सुई ने 11:58 बजाए, इधर जय श्रीराम के जय घोष से श्री राम मंदिर के साथ अयोध्या गूंजने लगी। चेहरों पर स्थिरता और उल्लास के भाव सृजित हो गए। पीएम मोदी और सीएम योगी के चेहरों पर संकल्प से सिद्धि के भाव तैरने लगे। केवल तीन मिनट वर्तमान रहा। इस तीन मिनट के वर्तमान पर पीएम मोदी ने अपने भाषण में भविष्य की बुनियाद रख दी। उन्होंने श्री राम मंदिर के ध्वज के रंग, सूर्यवंश की ख्याति और कोविदार वृक्ष से रामराज्य की कृति के प्रतिरूपित किए जाने के हवाले से संकेतों में बहुत कुछ कह दिया।

अतिथियों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। अमृत विचार

निषाद चौराहे पर तिरंगा लहरातीं महिलाएं। अमृत विचार

राम मंदिर परिसर से प्रसाद लेकर लौटीं महिलाएं। अमृत विचार

रामपथ पर पीएम मोदी को हर कोई अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते दिखा।

पीएम मोदी का स्वागत करते बटुक। अमृत विचार

ध्वजारोहण करने के लिए जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

बटन दबाकर ध्वजारोहण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत व ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज। अमृत विचार

- सभी फोटो शुभांकर चक्रवर्ती और प्रशांत शेखर

मंदिर परिसर में विराजमान अतिथिगण। अमृत विचार

राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं : प्रधानमंत्री

- अयोध्यावासियों के जीवन में समृद्धता के लिए चल रहा काम

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम भेद से नहीं, भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं, भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें मोक्ष नहीं, मूल्य प्रिय है। उन्हें शक्ति नहीं, सहयोग महान लगता है। आज हम भी इसी भावना से आगे बढ़ रहे हैं। वह मंगलवार को श्रीरामजन्म भूमि परिसर स्थित मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजारोहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए समाज की सामूहिक शक्ति की आवश्यकता है। राम मंदिर का दिव्य प्रांगण भारत के सामूहिक सामर्थ्य की चेतना स्थली बन रहा है। यहां सप्त मंदिर, मां शबरी, निषादराज गुह्य का भी मंदिर है। यहां एक ही स्थान पर मां अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य और संत तुलसीदास हैं। रामलला के साथ-साथ इन ऋषियों के भी दर्शन यहीं होते हैं। जटायु व गिलहरी की मूर्ति भी बड़े संकल्पों की सिद्धि के लिए हर छोटे से छोटे प्रयास के महत्व को दिखाती है।

प्रधानमंत्री मोदी को रामलला की प्रतिमा भेंट करते मुख्यमंत्री। साथ में मौजूद राज्यपाल।

पीएम मोदी ने कहा कि यह मंदिर आस्था के साथ मित्रता, कर्तव्य व सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को शक्ति देते हैं। हमारे 11 वर्षों में महिला, दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, आदिवासी, वंचित, किसान, श्रमिक, युवा हर वर्ग को विकास के केंद्र में रखा गया है। जब देश का हर व्यक्ति, वर्ग, क्षेत्र सशक्त होगा, तब संकल्प की सिद्धि में सबका प्रयास लगेगा। 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब सबके प्रयास से ही हमें विकसित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्तिपथ व जन्मभूमि पथ से नई अयोध्या के दर्शन होते हैं। अयोध्या में भव्य एयरपोर्ट, शानदार रेलवे स्टेशन है। वंदे भारत-अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें अयोध्या को देश की अन्य जगहों से जोड़ रही है। अयोध्यावासियों को सुविधाएं मिले, उनके जीवन में समृद्धि आए, इसके लिए निरंतर काम चल रहा है।

आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस : मोहन भागवत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज के आरोहण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि आज हम सबके लिए सार्थकता का दिवस है।

कृतार्थता का दिवस है। आज हमारे संकल्प की पुनरावृत्ति का दिवस है, जिसे हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। कहा कि जितने लोगों ने सपना देखा, प्रयास किए, प्राण अर्पित किए, आज उनकी स्वर्गस्थ आत्मा तृप्त हुई होगी। अशोक सिंघल जी को शांति मिली होगी।

उन्होंने कहा कि मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष पंचमी पर मंगलवार को विवाह पंचमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम सहित संपूर्ण विश्व प्रभु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पूर्णत्व का साक्षी बना है। महंत रामचंद्र दास जी महाराज, डालमिया जी समेत कितने ही संत, गृहस्थ एवं विद्यार्थियों ने प्राणार्पण किया, पसीना बहाया।

उन्होंने कहा कि जो पीछे रहे, वे भी यही इच्छा व्यक्त करते थे कि मंदिर बनेगा जो अब बन गया है। आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण भी हो गया। निश्चित तौर पर यह एक ऐतिहासिक व पूर्णत्व का क्षण है।

भारतवर्ष के लोगों से दुनिया सीखे जीवन जीने का तरीका: आरएसएस सर संघचालक ने कहा, "एतद्देशप्रसूतस्य

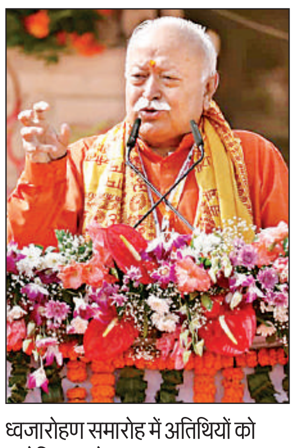
ध्वजारोहण समारोह में अतिथियों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख।

सकाशादग्रजन्मनः" अर्थात इस देश में जन्मे अग्रजन्मा ऐसा जीवन जिएं कि दुनिया उनसे प्रेरणा लें। "स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः" यानी पृथ्वी के समस्त मानव भारतवासियों के चरित्र से जीवन की विद्या सीखें। उन्होंने कहा कि परम वैभव सम्पन्न, सबके लिए खुशी और शांति बांटने वाला तथा विकास का सुफल देने वाला भारतवर्ष हमें खड़ा करना है।

यही विश्व की अपेक्षा और हमारा कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला विराजमान हैं, उनसे प्रेरणा लेकर कार्य की गति हम आगे बढ़ाएं।

कहा कि जैसा सपना उन्होंने देखा था, उससे भी अधिक भव्य और सुंदर मंदिर आज बन गया है। सभी सनातन धर्मावलंबियों और भारतवर्ष के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे हृदय में तप का सृजन करे यही कामना है।

ओंकार से होता है सत्य का प्रतिनिधित्व

डॉ. भागवत के अनुसार, हिंदू समाज ने लगातार 500 वर्षों और बाद के दीर्घ आंदोलन में अपने इस स्वत्व को सिद्ध किया। रामलला आ गए, मंदिर बन गया। यही बात सत्य पर आधारित धर्म को लेकर भी है। सत्य का प्रतिनिधित्व ओंकार से होता है। वही ओंकार संपूर्ण विश्व को देने वाला भारत हमें खड़ा करना है। इस प्रतीक को ध्यान में रखते हुए सभी विपरीत परिस्थितियों में हमें एकजुट होकर सतत कार्य करना होगा।

राम मंदिर में नौ घंटे के बाद हुए रामलला के दर्शन

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: राम मंदिर में मंगलवार को नौ घंटे के बाद श्रद्धालुओं को राम मंदिर में रामलला का दर्शन प्रारंभ हुआ। कड़ी सुरक्षा के बीच भक्तों को मंदिर परिसर में प्रवेश दिया गया। लगभग सात घंटे तक चले दर्शन में एक लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। सुरक्षा के कारण आने वाले श्रद्धालुओं को परकोटा और अन्य सप्त ऋषि मंदिर में दर्शन प्राप्त नहीं हो सके। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक दिसंबर के अंतिम सप्ताह से संपूर्ण मंदिर परिसर का दर्शन प्राप्त हों सकेंगे। राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के बाद दोपहर तीन बजे से ट्रस्ट ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि आज राम मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम के निमित्त सुबह से ही श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन नहीं प्राप्त हो सके थे। इस दौरान परिसर में आए अतिथियों को भी सुगमता से राम मंदिर में दर्शन कराये गये।

ध्वजारोहण सकुशल संपन्न प्रशासन ने ली राहत की सांस

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया। प्रशासन ने राहत की सांस ली। ध्वजारोहण और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन से पुलिस तक के लोग महीने भर से तैयारी कर रहे थे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में सबसे अहम् मुद्दा सुरक्षा व्यवस्था था। सतर्कता की जिम्मेदारी को लेकर अधिकारी हलकान रहे। फिलहाल ध्वजारोहण के साथ पीएम मोदी का कार्यक्रम सकुशल संपन्न हो गया।

एक्स पर ट्रेंड करता रहा हैशटैग अयोध्या और श्रीराम

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों की नजर रही। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या पहुंचते ही आभासी दुनिया में वह छा गए। सोशल मीडिया के सबसे बड़े प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर दिन भर हैशटैग अयोध्या व हैशटैग श्रीराम ट्रेंड करता रहा। यही नहीं अन्य प्लेटफार्म पर भी ध्वजारोहण की तस्वीरें छाई रहीं। वाट्सएप डीपी से लेकर फेसबुक पेज पर सिर्फ राम मंदिर की ही चर्चा रही।

कोविड की दस्तक के बाद संक्रमितों के लिए संजीवनी साबित हुआ 300 बेड अस्पताल

बस एक प्रयास ... फिर सरकारी तंत्र की रीढ़ बनेगा 300 बेड अस्पताल

वर्ष 2019 में जब कोविड ने दस्तक दी तो जिले में त्राहि-त्राहि मच गई, उस दौरान शासन के आदेश पर 300 बेड अस्पताल को कोविड अस्पताल बनाने के निर्देश दिए गए। 300 बेड से सुसज्जित इस अस्पताल में हजारों संक्रमित मरीजों को बेहतर इलाज मिलने से नई जिंदगी मिली लेकिन यहां मरीजों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं हो सकी है। हालांकि जल्द से जल्द इसका संचालन सुपर स्पेशिलिटी रुप में हो सके इसके लिए जन प्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अफसर भी शासन तक लगातार पत्राचार कर रहे हैं।

जल्द मिलेगी ट्रामा विंग की सौगात

निजी ही नहीं सरकारी सेवाओं में भी बरेली जिला किसी मायने में पीछे नहीं है, हालांकि सुविधाएं मिलने में भले ही अभी वक्त है बीते वर्षों में जहां मरीज सरकारी सुविधा लेने से कतराते थे. लेकिन अब इन सुविधाओं में भी व्यापक सुधार हो रहा है। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है लेकिन बहुत जल्द ही ऐसे मरीजों को जिला अस्पताल स्थित ट्रामा विंग में ही इलाज मिलेगा। इस विंग का निर्माण पूर्ण हो चुका है, यहां शासन स्तर से स्टाफ की तैनाती भी की जा रही है। जल्द ही इसका संचालन भी आरंभ कर दिया जाएगा। संचालन का प्रयास अफसर युद्ध स्तर पर कर रहे हैं। ट्रामा विंग में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर के साथ आर्थो और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे रूम और पैथोलॉजी लैब होगी। छह बेड का आईसीयू होगा। साथ ही दो नर्सिंग स्टेशन और एक रिकार्ड रूम भी बनाया जाएगा।

15 वार्ड, आईसीयू समेत अन्य सुविधा चाक चौबंद

जिला व महिला अस्पताल में अलावा मरीजों को बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए शासन ने तीन सौ बेड के लिए दिल खोलकर धनराशि खर्च की। मार्च 2013 से इस अस्पताल को बनाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ। करीब 10 साल बाद कोविड काल में इसे कोविड अस्पताल बनाया गया। तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समद्दार ने यहां ओपीडी संचालन कराने का आदेश दिया उस दौरान से ही यहां ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज मिल रहा है लेकिन भर्ती प्रक्रिया आरंभ न होने से गंभीर मरीजों को गैर अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा है। बस एक प्रयास पुरजोर तरीके से शासन और प्रशासन की ओर से दिया जाए तो ये अस्पताल गंभीर मरीजों को संजीवनी देने में सबसे अहम कड़ी साबित होगा। इतना ही नहीं यहां मरीजों को भर्ती करने के साथ ही बेड, उपकरण, वार्ड समेत अन्य संसाधन भी मौजूद हैं।

6th वार्षिकोत्सव
विशेष फीचर
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

ये हर मरीज के जख्मों का हैं मरहम... तभी तो कहलाती है सिस्टर जी

जब हम किसी भी अस्पताल में मरीज या फिर तीमारदार बनकर जाते हैं तो सबसे पहले डॉक्टर मरीज का इलाज देकर चले जाते हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी है जो कि मरीज के पास हर मिनट और घंटे में साये की तरह आंखों में सेवाभाव लिए मरीज की मरहम पट्टी करता है। जी हां वो होता है नर्सिंग स्टाफ। नर्स एक मां, एक बहन के रूप में मरीजों की सेवा करती हैं। इस रिश्ते को बखूबी निभाने के चलते ही इस प्रोफेशन से जुड़ी महिलाओं को सिस्टर का उपनाम दिया गया है। नर्स मरीजों के बाहरी जख्म से लेकर उनकी संवेदनाओं पर भी मरहम लगाती हैं। आधुनिक नर्सिंग की जननी कही जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल भी मरीजों की सेवा परिवार से बढ़कर करती थीं।

हाईटेक पैथोलॉजी लैब अब शहर में

बरेली की स्वास्थ्य सेवाओं में हाईटेक पैथोलॉजी लैब का भी योगदान अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, बीते पांच वर्ष तक लिवर, गुर्दा, हृदय समेत अन्य अंगों से जुड़ी जांचों के लिए भी सिर्फ दो से तीन लैब ही सहारा थीं, लेकिन अब यहां प्रतिष्ठित 8 लैब के कलेक्शन सेंटर और मिनी डायग्नोस्टिक केंद्र भी खुल गए हैं, जहां हार्मोन्स की जांचे, कैंसर की ट्यूमर मार्कर, गंभीर आंखों की बीमारी के दौरान किए जाने वाले सिरम एंटीएमोजी व एंटी एनमो टेस्ट के साथ ही अन्य जांच की सुविधा की उपलब्ध हैं।

बरेली से निकलते हैं हजारों नर्सिंग पुरोधा

जिले में 8 से अधिक नर्सिंग कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग के साथ ही पीजी नर्सिंग की डिग्री लेकर हर साल हजारों नर्सिंग पुरोधा जिले के साथ ही दूर दराज के क्षेत्रों में बरेली में मिली दीक्षा की लौ से अपने भविष्य की चमक बढ़ा रहे हैं।

सरकारी डॉक्टर बनने की चाह ने बुलंदियों तक पहुंचाया, अभी भी जारी सेवा भाव

सिविल लाइंस निवासी डॉ. एसके गर्ग ने 1988 में लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (अब केजीएमयू) से एमबीबीएस की पढ़ाई पूर्ण की, इसके बाद इसी कॉलेज से विशेषज्ञता में एमडी चेस्ट की पढ़ाई की। डॉ. गर्ग बताते हैं कि मेरे पिता सोहन लाल सरकारी विभाग में इंजीनियर थे, लेकिन दादा मुझे पिता की तरह ही इंजीनियर बनने को प्रेरित करते लेकिन पिता जब भी किसी सरकारी अस्पताल में निर्माण संबंधी कार्य के लिए जाते तो एक डॉक्टर को देखकर प्रभावित होते थे और मुझे डॉक्टर बनने के लिए कहा करते थे। मैंने वर्ष 1988 में चेस्ट फिजिशियन की पढ़ाई पूरी करते ही स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं आरंभ कर दीं। डॉ. सुधीर कुमार गर्ग शाहजहांपुर और बरेली में बतौर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहे। लेकिन उन्होने इन शीर्षस्थ पदों पर आसीन होने से पहले ही एक डॉक्टर और मरीज के प्रति सेवा के भाव को सार्थक कर दिया था। डॉ. गर्ग बतातें हैं कि वर्ष 1998 से 2004 तक बरेली जिला अस्पताल में टीबी वार्ड प्रभारी रहकर मरीजों का इलाज किया, वहीं 2017 से 2020 तक बरेली में ही जिला क्षय रोग अधिकारी रहते हुए व्यापक रुप से अभियान चलाकर 50 हजार से अधिक टीबी के लक्षण वाले रोगी नोटिफाई किए। जो कि अब तक सबसे अधिक आंकड़ा है। इतना ही नहीं बरेली के अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (एडी हेल्थ) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद वर्ष 2022 से ही घर पर ही क्लीनिक खोलकर टीबी रोगियों का नि:शुल्क इलाज करना आरंभ कर दिया जो कि वर्तमान में भी जारी है। चौपुला चौराहा स्थित अपने निजी निवास पर रोजाना 30 से 40 मरीजों को क्लीनिक पर ही इलाज दे रहे हैं।

पिता की चाह को पूरा किया सरकारी सेवा कर पाया मुकाम

डॉ. साधना अग्रवाल ने कार्यकाल में काफी अच्छा काम किया। साधना अग्रवाल ने जीएसबीएल कानपुर से एमबीबीएस किया है। उन्होंने बतौर डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग में 16 अगस्त 1990 को कार्य शुरू किया और वर्ष 2025 में निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुईं। पति डॉ. एसके गर्ग के साथ ही अपने आवास पर उनके क्लीनिक पर मरीजों को परामर्श देने में सहयोग कर रही हैं।

कोरोना हुआ भयावह तो डॉ. सुबोध बने ढाल

21वीं शताब्दी की सबसे भयावह बीमारी कोरोना ने जब पैर पसारना शुरू किया तो बड़े- बड़े लोगों की हिम्मत जवाब दे गईं। लोग घरों में कैद हो गए, वाहन थम गए। ऐसे में कुछ ऐसे कोरोना योद्धा ने मिसाल पेश की जो अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है इस लिस्ट में एक नाम है डॉ. सुबोध शर्मा का जिन्होंने कोविड काल में रामपुर के सीएमओ की जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को भयानक बीमारी से मुक्त करने के लिए अपनी टीम के साथ दिन- रात मेहनत की। डॉ. सुबोध शर्मा ने एमबीबीएस और एमडी की डिग्री पूरी करने के बाद बतौर डॉक्टर लोगों की जो सेवा देनी शुरू की, वह 30 अप्रैल 2025 तक जारी रही है।

प्रदेश में चमका महिला अस्पताल, जिला अस्पताल की बदली तस्वीर : कहते हैं न कि जोड़ी भगवान बनाते हैं ऐसे ही डॉक्टर दंपति है डॉ. सुबोध और डॉ. अलका शर्मा जिन्हें सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए जाना जाता है। डॉ. अलका शर्मा ने सेवाओं में रहते हुए लोगों को रोगमुक्त बनाने का काम किया। सरकारी सेवाओं में आने के बाद उन्होने सीएचसी बहेड़ी में बतौर एलएमओ सेवाएं आरंभ कीं। 2016 में शासन ने उन्हें बरेली के जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका की जिम्मेदारी दी। बस फिर क्या था, अस्पताल की धुंधली तस्वीर को साफ करने में जुट गई। मेहनत रंग लाई और महिला अस्पताल को नेशनल क्वलिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड प्रमाणित कर प्रदेश में अस्पताल की पहचान बनाई। वर्ष 2022 में वह जिला अस्पताल बरेली की अपर निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक बनीं, यहां नई सड़कों का निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट, मरीजों को दिया जाने वाले भोजन प्रणाली में सुधार के साथ कई उत्कृष्ट कार्य उनकी पहचान बनें।

सुविधा

इलाज ही नहीं हर साल निकलते हैं हजारों हेल्थ के पुरोधा

बरेली को चिकित्सा क्षेत्र का हब इसलिए हीं नहीं कहा जाता है कि यहां तीन मेडिकल कॉलेज होने साथ ही बड़ी संख्या में निजी अस्पताल हैं बल्कि यहां बीते सालों से हर साल हजारों की संख्या में मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर दूर-दराज में बरेली का नाम रोशन कर रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे रणनीतिक रूप से बसा, उत्तर प्रदेश का आठवां और भारत का 50वां सबसे बड़ा शहरी केंद्र होने के नाते, क्षेत्रीय परिदृश्य में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखता है। उत्तर प्रदेश चिकित्सा आयोग के सदस्य और वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमेंद्र महेश्वरी बताते हैं कि तीन मेडिकल कॉलेज, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज और लगभग एक दर्जन से अधिक नर्सिंग कॉलेज होने के कारण, एक प्रसिद्ध चिकित्सा केंद्र के रूप में स्थापित है। इसके अलावा, एक चिकित्सा पर्यटन स्थल के रूप में, बरेली विदेशी रोगियों की भी सेवा करता है, जहां हृदय बाईपास सर्जरी से लेकर किडनी प्रत्यारोपण तक, विशेषज्ञों द्वारा की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं।

बरेली में जटिल हड्डी रोगों का मिल रहा उपचार

रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली का आर्थोपेडिक्स विभाग लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाएं देने के लिए समर्पित है। यह विभाग नई तकनीकों और अच्छी देखभाल के ज़रिए इलाज के स्तर को और बेहतर बना रहा है। स्पाइन सर्जरी के क्षेत्र में भी बरेली में तेज़ी से बदलाव देखने को मिले हैं। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. वरुण अग्रवाल इस बदलाव को लाने वाले एक मुख्य विशेषज्ञ के तौर पर सामने आए हैं। उन्होंने ऑपरेशन के नए तरीकों, जैसे- छोटे चीरे वाली (मिनिमली-इनवेसिव), दूरबीन वाली (एंडोस्कोपिक) और रोबोट की मदद से होने वाली प्रक्रियाओं के स्तर को बहुत ऊंचा कर दिया है।

आर्थोपेडिक्स विभाग की टीम के साथ डॉक्टर वरुण अग्रवाल।

डॉ. अग्रवाल ने यहां देश का पहला ऐसा इंटीग्रेटेड स्पाइन सेंटर शुरू किया है, जहां एक साथ तीन आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं। सर्जरी में सटीकता लाने के लिए रोबोटिक सिस्टम का उपयोग, ऑपरेशन के दौरान सही रास्ता दिखाने वाली आधुनिक तकनीक 3डी नेविगेशन, हाई-क्वालिटी इमेजिंग इन तकनीकों में शामिल है। नई तकनीकों से रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन, जोड़ बदलने (टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट) की सर्जरी, छोटे चीरे वाले फ्रैक्चर ऑपरेशन और टेढ़ेपन को ठीक करने जैसे जटिल ऑपरेशन ज़्यादा सटीक और सुरक्षित हो गए हैं।

डॉ. वरुण बताते हैं कि हमारी ट्रॉमा केयर यूनिट 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। यह तेज़ गति से होने वाली दुर्घटनाओं और कई चोटों वाले मुश्किल मामलों को संभालने में सक्षम है। यहां डॉक्टरों की टीम गोल्डन आवर (चोट लगने के बाद का सबसे ज़रूरी समय) में तुरंत इलाज शुरू कर देती है। हम सिर्फ बरेली ही नहीं, बल्कि आस-पास के ज़िलों, उत्तराखंड के दूरदराज़ इलाकों और भारत-नेपाल सीमा से आने वाले मरीज़ों का भी इलाज कर रहे हैं। लोग यहां आधुनिक, भरोसेमंद और जटिल हड्डी रोग के इलाज के लिए आते हैं।

डॉ वरुण बताते हैं कि हमारा मिशन हर जगह अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसके लिए, हम नियमित रूप से गांव-गांव जाकर कैंप लगाते हैं, मोबाइल जांच सेवाएं देते हैं और मुफ़्त ऑपरेशन प्रोग्राम चलाते हैं, ताकि ग़रीब लोग भी शहरों जैसी अच्छी सुविधाएं पा सकें। डॉ. वरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में टीम ने गांवों और छोटे शहरों में बहुत सारे मुफ़्त स्पाइन हेल्थ कैंप लगाए हैं। इन कैंपों से उन मरीजों तक मदद पहुंची जो शहरों के अस्पतालों तक नहीं आ पाते।

राजश्री मेडिकल कॉलेज को विवि बनाने का लक्ष्य

बरेली समेत आसपास के जिले के लोगों को बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता परक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 2014 में स्थापित राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को विश्वविद्यालय बनाने का लक्ष्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। राजश्री मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहन बंसल ने बताया राजश्री मेडिकल कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से यहां सुविधाओं में विस्तार होगा। विभिन्न कोर्सों के साथ ही फैकल्टी में वृद्धि होगी। विभिन्न संस्थानों से समझौता होगा, जिससे यहां पढ़ने वाले छात्रों और इलाज करने आने वाले मरीजों को काफी लाभ होगा।

रोहन बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर
राजश्री मेडिकल कॉलेज और अस्पताल

राजश्री मेडिकल कॉलेज की स्थापना राजश्री एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल और सचिव राकेश कुमार अग्रवाल ने 2014 में मानव सेवा के लिए की थी जो अपने उद्देश्य को बखूबी अंजाम दे रहा है। यहां पर छात्रों को मेडिकल के क्षेत्र में दक्ष बनाने के साथ ही एक हजार पचास बेड का "सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल का संचालन हो रहा है। इस समय यहां एमबीबीएस की 250, जीएनएम 40 सीटें, एएनएम की 40 सीटें। बीएससी नर्सिंग 100, पोस्ट बीएसएसी नर्सिंग 40, एमएसी नर्सिंग 20 सीटें। लैब टेक्नीशियन में 30, ओटी टेक्नीशियन में 30, फिजियोथेरेपी 30, डिप्लोमा इन सैनिटेशन की 30 समेत कई अन्य कोर्स में छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है।

... ताकि मरीजों को मिल सके रोशन जहां

कहते हैं न कि डॉक्टर का जीवन मरीजों के लिए समर्पित होता है, लेकिन कम उम्र में अगर आप एक कुशल विशेषज्ञ डॉक्टर बन जाते हैं इस दुनिया की चकाचौंध विदेशों तक जगमगाती है लेकिन कुछ ऐसे भी युवा डॉक्टर है जिन्होने अपनी जन्म स्थली को ही कर्मभूमि बना लिया और अन्य के लिए प्रेरणा बन गए। हम बात कर रहे हैं मंडल के अनुभवी वरिष्ठ रेटिना विशेषज्ञ डॉ. दिव्य अग्रवाल की। उन्होने वर्ष 2021 में दिल्ली स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) से रेटिना विशेषज्ञता की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब उनके वरिष्ठों ने उनकी कार्यकुशलता देखी तो एम्स में ही सेवाएं देने के लिए तमाम अनुरोध किए लेकिन डा. दिव्य के मन में अपने जन्म स्थान के लिए एक अलग ही सेवा भाव था, उन्होने वर्ष 2022 में बरेली आकर विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर में मरीजों का इलाज आरंभ किया जो कि निरंतर जारी है। डॉ. दिव्य बतातें हैं कि मंडल में रेटिना के ऑपरेशन की उन्नत मशीन की कमी एवं रेटिना सर्जन की कमी होने से मरीजों को दिल्ली लखनऊ के चक्कर लगाने होते थे, जिससे उनके मन में टीस थी, बस इसलिए ही उन्होने बरेली आने का फैसला किया।

अब नहीं लगानी होगी दूर -दराज की दौड़

डॉ. दिव्य बताते हैं कि पहले नेत्र रोगियों को गंभीर समस्या होने पर दूर-दराज के क्षेत्रों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा था इसका मुख्य कारण ये था कि बीते वर्षों में इलाज की आधुनिक तकनीक और मशीनों का बरेली में अभाव था लेकिन अब शहर के स्टेडियम रोड के एकता नगर स्थित विकल्प आई एंड रेटिना सेंटर के साथ ही अन्य केंद्रों पर भी रेटिना बीमारियों के सभी इलाज, रेटिनल इंजेक्शन, जर्मनी की लेटेस्ट मशीन द्वारा रेटिना की जांच, एंजियोग्राफी, अत्याधुनिक लेज़र मशीन द्वारा रेटिनल लेज़र तकनीक से इलाज, इस तकनीक से इलाज में मरीज के जल्दी स्वस्थ होने के साथ ही इलाज में दर्द का एहसास तक नहीं होता है इतना ही नही अब शहर में ही अमेरिका की विटरेक्टॉमी मशीन जो कि पर्दे के ऑपरेशन के लिए सर्वोत्तम मशीन है जिससे बिना टांके के परदे के ऑपरेशन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं।

स्क्रीन टाइम बच्चों को बांट रहा मायोपिया

डॉ. दिव्य बताते हैं कि दिनों दिन सोशल मीडिया का चलन बढ़ रहा है हर वर्ग इसकी चपेट में है, लेकिन सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों की आंखों पर पड़ रहा है। बच्चे मायोपिया बीमारी से ग्रसित मिल रहे है जिसका मुख्य कारण है अधिक स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधियों का कम होना। लेकिन समय पर विशेषज्ञ की सलाह लेने से इससे बचाव हो सकता है।

डॉ. दिव्य ने दिल्ली स्थित एम्स से नेत्र विज्ञान में एमबीबीएस और स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है, जहां उन्हें स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कई स्वर्ण पदक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली से विट्रोरेटिना, यूविया और आरओपी में अपनी दीर्घकालिक फेलोशिप पूरी की है। उन्होंने पद्मश्री प्रो. अतुल कुमार के मार्गदर्शन में अपनी वरिष्ठ रेजिडेंसी पूरी की। इतना ही नहीं डॉ. दिव्या के प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 100 से अधिक प्रकाशन हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई शोधपत्र व संकाय वार्ताएं प्रस्तुत की हैं।

हर धुंधलापन मोतियाबिंद नहीं होता

डॉ. दिव्य बताते हैं कि मधुमेह यानि डायबिटिज से ग्रसित मरीजों को रोशनी कम होने की समस्या अधिक होती है, लेकिन अधिकांश लोग ये समझ लेते हैं कि ये मोतियाबिंद है, कई बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने से भी आंखों की रोशनी कम ही रहती है। इसलिए ये जानना जरुरी है कि हर धुंधलापन, मोतियाबिंद ही नहीं होता ये डायबिटिक रेटिनोपैथी भी हो सकती है। इसलिए हर डायबिटिक मरीज को हर साल नेत्र विशेषज्ञ से जांच अवश्य करानी चाहिए। आंखों के आगे काले धब्बे दिखने पर या चमक का कारण पर्दे की कमजोरी होता है, ऐसे में रेटिनल डिचेमेंट के खतरे से बचने के लिए रेटिना विशेषज्ञ की सलाह जरुरी है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-2)

अमृत विचार

बुधवार, 26 नवंबर 2025

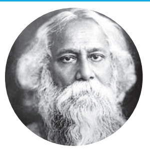

भीतर को बाहर के आक्रमण से बचाओ।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

जेंटल जाइंट का जाना

धर्मेंद्र के निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। एक महान अभिनेता का जाना, सबको उदास कर गया, क्योंकि यह उस संवेदनशील, सौम्य और करिश्माई युग का अंत है, जिसने हिंदी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता थे, जिन्होंने छह दशकों तक न केवल परदे पर बल्कि दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनके अभिनय और स्टारडम ने कई पीढ़ियों को आकार दिया। 60–70 के दशक में उभरते युवाओं के लिए वे गरिमामय, विनम्र और सहज रोमांस के प्रतीक थे। इसके बाद 80 का दशक आते-आते जब भारतीय दर्शक एक ऐसे नायक की तलाश में थे जो ताकत, मासूमियत और भावनात्मकता का अद्वितीय संगम हो, वे एक्शन हीरो के बतौर हिट हुए।

अनुपमा और हमराही जैसी फिल्मों में उनकी आंखों की गहराई और संवादों की सादगी रोमांटिक अभिनय का मानक बन गई। शोले में उनकी वीरू की भूमिका ने भारतीय सिनेमा को ऐसा चरित्र दिया, जो आज भी स्मृति और संस्कृति दोनों में जीवित है। इसी तरह युद्ध या धर्म-वीर जैसी फिल्मों में उनका तेज, ऊर्जा और प्रभावशीलता अद्वितीय रही। कॉमेडी में भी उनका सहज हास्य कौशल, कॉमिक टाइमिंग, इम्प्रोवाइजेशन दर्शकों के लिए हमेशा याद रहेगा। सत्यकाम ऐसी फिल्म थी, जिसने उनके सादगी और कलात्मक अभिनय का लोहा मनवाया। इस फिल्म में वे अपने किरदार की नैतिक दुविधाओं को जिस शांत गहराई से निभाते हैं, वह शायद ही किसी अभिनेता के लिए संभव हो। इसी तरह अनुपमा और चैते की चांदनी में उनका संयत अभिनय एक संवेदनशील अभिनेता की परिभाषा प्रस्तुत करता है। सिनेमा से बाहर निकलकर धर्मेंद्र ने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लोकसभा सांसद बने। सीमित समय के बावजूद उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में सड़कों, जल प्रबंधन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए कार्य किया, हालांकि वे राजनीति में अपनी प्राकृतिक सहजता नहीं खोज पाए, पर उनकी नीयत और कोशिशों में ईमानदारी झलकती थी। धर्मेंद्र महज कुशल अभिनेता ही नहीं थे, वे एक अत्यंत संवेदनशील, भावुक और मानवीय व्यक्ति भी थे। सह-कलाकारों की तकलीफ में साथ खड़े होना, नए कलाकारों को प्रोत्साहन देना और निजी जीवन में परोपकारिता जैसे गुण बताते हैं कि वे क्यों एक 'जेंटल जाइंट' कहे जाते थे। उनकी विरासत बहुआयामी है। वे बतौर एक्टर विविधता, निरंतरता और गुणवत्ता के प्रतीक थे, तो एक व्यक्ति के रूप में वे प्रेम, करुणा और गरिमा की मिसाल।

आने वाले समय में भारतीय सिनेमा जब भी अपने इतिहास के गौरवशाली अध्यायों को पलटेगा, धर्मेंद्र का नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके फिल्मी सफर, व्यक्तित्व और योगदान को देश अनंत काल तक याद रखेगा। हम सभी उन्हें भारतीय सिनेमा के उस अनोखे सितारे के रूप में स्वीकारते है, जिन्होंने करोड़ों लोगों के लिए आनंद, प्रेरणा और संवेदना का संसार रचा। यह सच है कि धर्मेंद्र का जाना सिनेमा के एक युग का अंत है, पर उनके अभिनय, स्टारडम तथा अनूठे व्यक्तित्व की चमक हमेशा हमारे सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बनी रहेगी।

प्रसंगवश

'हीमैन' सियासत के परदे पर कभी न बन सका हीरो

धर्मेंद्र लगभग छह दशकों तक बॉलीवुड के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर रहे। उन्होंने शोले, सत्यकाम, चुपके-चुपके, फूल और पत्थर, बंदिनी जैसी अनेक फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, पर सियासत की दुनिया में उनका सफर छोटा और किसी भी रूप में यादगार नहीं रहा। धर्मेंद्र 2004 का लोकसभा चुनाव राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर लड़े और आराम से जीत गए। जिस शख्स ने कभी सियासत की बात तक नहीं की, जो इंटरव्यू में भी कहता था कि "मुझे तो बस फिल्में बनानी और करना पसंद है", वही शख्स संसद पहुंच गया। जीत भी बड़ी शानदार मिली। करीब 60 हजार वोटों से, मगर उन्होंने फिर कभी चुनाव नहीं लड़ा। राजनीति का उनका सफर यहीं खत्म हो गया।

विवेक शुक्ला
पूर्व प्रधान सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

दरअसल 2004 के लोकसभा चुनाव के वक्त राजस्थान में बीजेपी की लहर थी। वाजपेयी सरकार के अंतिम वर्ष थे। बीकानेर सीट पर पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए था, जो जाट बहुल इलाके में पकड़ रखता हो और जिसकी लोकप्रियता से कांग्रेस का पुराना किला ढह जाए। जाट समुदाय में धर्मेंद्र का जबरदस्त प्रभाव था। उनकी फिल्में गांव-गांव में हिट होती थीं। 'शोले' का वीरू, 'चुपके चुपके' का डॉ. परिमल, 'यमला पगला दीवाना' का देसी जवान- ये किरदार राजस्थान के गांवों में आज भी जिंदा हैं। बीजेपी को लगा कि अगर धर्मेंद्र मैदान में उतर आए तो जीत पक्की।

खुद धर्मेंद्र ने कई इंटरव्यू में बताया कि उनके बहुत करीबी दोस्त, बीजेपी के तत्कालीन नेता और राजस्थान के बड़े नेता (नाम उन्होंने कभी सार्वजनिक नहीं किया) बार-बार आग्रह करते रहे। बोले, "धरम जी, बस एक बार आ जाओ, इलाके के लिए बहुत कुछ कर सकते हो।" पहले तो उन्होंने साफ मना कर दिया। कहा, "मैं तो फिल्मों का आदमी हूं, मुझे ये सब नहीं आता।" मगर दोस्तों ने जिद पकड़ ली। अंत में धर्मेंद्र मान गए। शर्त सिर्फ एक थी, ज्यादा प्रचार नहीं करना पड़ेगा, न ज्यादा भाषण देने पड़ेंगे।

धर्मेंद्र का चुनाव प्रचार देखने लायक था। जहां दूसरे नेता सुबह से रात तक गांव-गांव गली-गली चिल्लाते थे, वहां धर्मेंद्र बस दो-तीन बड़ी सभाएं करते और लौट आते। कभी जीप पर खड़े होकर हाथ हिलाते, कभी मंच पर बैठकर मुस्कुराते। भाषण? वो भी दो-चार लाइन का। "भाइयो-बहनो, मैं आपका अपना हूं। आपने मुझे फिल्मों में इतना प्यार दिया, अब एक बार संसद में भेज दो।" बस। लोगों को भाषण नहीं, उनका चेहरा चाहिए था। गांव की औरतें आशीर्वाद देने आतीं, बच्चे ऑटोग्राफ मांगते। एक बार तो किसी ने मंच पर चढ़कर कहा, "हीमैन जी, बस एक डायलॉग बोल दो!" और धर्मेंद्र ने हंसते हुए बोल दिया, "कित्ता मजनू है रे!" पूरा मैदान तालियों से गूंज उठा। वोट उसी वक्त डल गया।

संसद में धर्मेंद्र बहुत सक्रिय सांसद नहीं थे। 14वीं लोकसभा (2004-2009) में उनकी उपस्थिति करीब 60-65% रही, जो उस समय के कई सेलिब्रिटी सांसदों से बेहतर थी, लेकिन आम सक्रिय सांसदों से कम। उन्होंने कुल 20-25 सवाल ही पूछे। ज्यादातर सवाल बीकानेर के पानी, सड़क, बिजली और किसानों की समस्याओं से जुड़े थे। वो भी लिखित में। मौखिक बहस में वो शायद ही कभी बोले हों। एक बार तो सदन में हंसी का माहौल बन गया, जब स्पीकर ने उनका नाम पुकारा और धर्मेंद्र जी उठे नहीं। बाद में पता चला कि वो शूटिंग के लिए मुंबई चले गए थे। विपक्ष ने खूब चुटकी ली, लेकिन जनता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। बीकानेर में लोग कहते थे, "हमारे सांसद तो हीमैन हैं, बोलना क्या जरूरी है?"

नया एसआईएफ निवेशकों के लिए नया रास्ता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में पिछले कुछ वर्षों में छोटे निवेशकों की भागीदारी बेहद तेज़ी से बढ़ी है। म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार आज लाखों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और SIP के माध्यम से हर महीने नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इसी बदलते निवेश माहौल में सेबी ने छोटे निवेशकों को और सशक्त बनाने तथा उन्हें उन्नत निवेश रणनीतियों तक पहुंच दिलाने के लिए एक नई पहल की है- एसआईएफ (Specialized Investment Funds)। यह नया निवेश ढांचा मझोले निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? SIF दरअसल म्यूचुअल फंड नियमों के अंतर्गत बनाई गई एक नई श्रेणी है, लेकिन इसकी संरचना और रणनीतियां पारंपरिक फंडों से कहीं अधिक उन्नत हैं। SIF निवेशकों का पैसा एकत्र करके प्रोफेशनल मैनेजर्स द्वारा ऐसे तरीक़ों में निवेश किया जाता है, जिनका उद्देश्य केवल बाज़ार के ऊपर जाने पर ही नहीं, बल्कि नीचे जाने पर भी अवसर तलाशना होता है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड जहां केवल long-only यानी शेयर ख़रीदकर रखने की रणनीति पर काम करते हैं, वहीं SIF में long–short equity, sector rotation, tactical investing, hybrid strategies और derivatives का उपयोग शामिल हो सकता है। इसका मतलब है कि SIF निवेशक को अधिक लचीला और गतिशील निवेश विकल्प प्रदान करता है।

> सेबी ने नई पहल की है– एसआईएफ। यह नया ढांचा निवेशकों को पारंपरिक म्यूचुअल फंड से भी आगे बढ़कर बेहतर और विविधतापूर्ण निवेश रणनीतियों का लाभ लेने का अवसर देता है।

SIF और सामान्य म्यूचुअल फंड के बीच सबसे बड़ा अंतर निवेश की न्यूनतम सीमा और रणनीतियों का स्तर है। पारंपरिक म्यूचुअल फंड में कोई भी व्यक्ति 100 या 500 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकता है, जबकि SIF में न्यूनतम निवेश सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित की गई है। यह राशि बताती है कि SIF को उन निवेशकों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर अधिक उन्नत रणनीतियों का लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन PMS या AIF जैसी हाई-टिकट सेवाओं की भारी लागत नहीं वहन कर सकते। PMS में जहां 50 लाख रुपये और AIF में एक करोड़ रुपये से शुरुआत होती है, वहीं SIF इन दोनों के बीच का एक संतुलित विकल्प है।

SIF की खासियत इसका रणनीतिक लचीलापन है। यह फंड बाजार में उतार-चढ़ाव से उत्पन्न दोनों स्थितियो- राइज़िंग और फॉलिंग मार्केट में लाभ कमाने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, जब बाजार गिरता है, तब short positions और derivatives की मदद से फंड अपने निवेशक की पूंजी की रक्षा कर सकता है या मुनाफा भी कमा सकता है। वहीं, पारंपरिक म्यूचुअल फंड में यह अवसर सीमित होता है। भारत में लाखों छोटे निवेशक सीधे derivatives में जाकर बड़ा नुकसान उठाते हैं, क्योंकि उन्हें यह बाज़ार बहुत जटिल लगता है। ऐसे में SIF का सबसे बड़ा लाभ यही है कि जोखिम भरे और जटिल फैसलों को प्रोफेशनल मैनेजर्स संभालते हैं और निवेशक को तैयार रणनीति का फायदा मिलता है।

SIF का एक मजबूत पहलू यह भी है कि इसमें म्यूचुअल फंड जैसी पारदर्शिता मिलती है। NAV की नियमित घोषणा, पोर्टफोलियो अपडेट, जोखिम-मीटर, वैल्यूएशन प्रक्रिया ये सभी सुविधाएं SIF में भी उपलब्ध रहती हैं। टैक्सेशन भी काफी हद तक म्यूचुअल फंड जैसा ही है, जिससे निवेशक लंबे समय तक कुशलता से अपना पोर्टफोलियो बढ़ा सकते हैं। PMS या कई AIF में टैक्स सीधे निवेशक के हाथ में लगता है, जबकि SIF की संरचना निवेशक के लिए ज्यादा tax-efficient साबित हो सकती है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सचमुच छोटे निवेशक के लिए है? न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा होने के कारण यह निश्चित ही बहुत छोटे निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है, जिन्होंने SIP या म्यूचुअल फंड के माध्यम से पहले ही एक अच्छा corpus बना लिया है। आज भारत में करोड़ों लोग नियमित SIP करते हैं और कई निवेशकों का पोर्टफोलियो लाखों–करोड़ों की राशि छू चुका है। उन निवेशकों के लिए SIF एक next-level उत्पाद है, जहां वे अपने पोर्टफोलियो में उन्नत रणनीतियों का छोटा हिस्सा जोड़कर दीर्घकाल में बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

छोटे भारतीय निवेशकों के लिए SIF कई तरह से फायदेमंद हो सकता है। पहला, यह उन रणनीतियों तक पहुंच दिलाता है, जो पहले सिर्फ़ बड़े निवेशकों के लिए उपलब्ध थीं। दूसरा, SIF बाजार के ऊपर–नीचे दोनों स्थितियों में अवसर पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय में returns अधिक स्थिर हो सकते हैं। तीसरा, इसमें पारदर्शिता, नियमित जानकारी और कड़े नियम निवेशक को भरोसा देते हैं। चौथा, यह mutual fund और high-end investment products के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम करता है, जो निवेशक अब तक सिर्फ SIP कर रहे थे, उनके लिए SIF उन्नत इन्वेस्टिंग की दुनिया का सुरक्षित प्रवेश द्वार है।

फिर भी, SIF में निवेश करने से पहले सावधानी जरूरी है। यह हाई रिस्क प्रोडक्ट माना जाता है और इसकी जटिल रणनीतियों को समझना हर निवेशक के लिए आसान नहीं होता। निवेशकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका मूल पोर्टफोलियो इमरजेंसी फंड, बीमा, पारंपरिक इक्विटी और डेट फंड पहले से मजबूत हों। साथ ही, SIF को पोर्टफोलियो के केवल एक छोटे हिस्से, जैसे 5–10% में ही रखना चाहिए। इसके बिना SIF का जोखिम अधिक लग सकता है।

आमने सामने

कांग्रेस सरकार के समय धर्मांतरण को राजनीतिक संरक्षण दिया जाता था और डोटासरा जैसे नेता ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों को आश्रय देते थे। अगर किसी ने धर्मांतरण की हिमाकत की तो वह जेल में सड़ेगा।
–जोगाराम पटेल
मंत्री, राजस्थान सरकार

अंता उपचुनाव में हार के बाद भाजपा बौखला गई है। भाजपा असल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए हिंदू–मुस्लिम का माहौल बनाना चाह रही है। मुख्यमंत्री कह रहे थे कि यह दो साल के काम का चुनाव था और अब हार के बाद वे मनगढ़ंत मुद्दे खड़े कर रहे हैं।
–गोविंद सिंह डोटासरा
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान

कॉप सम्मेलन: जीवाश्म ईंधन पर नहीं बनी राय

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

ब्राजील के बेलेम में 10 से 21 नवंबर 2025 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन (कॉप-30) खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन जैसी उम्मीद की जा रही थी, वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ। कॉप सम्मेलन (कान्फ्रेंस आफ पार्टीज) का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों को एक साझा मंच पर लाना है, जहां वे पर्यावरण संरक्षण, ग्रीन हाउस गैसों में कमी, तापमान वृद्धि को नियंत्रित करने और टिकाऊ वैश्विक विकास की दिशा में सामूहिक निर्णय लेते हैं।

आखिरी दिन जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने को लेकर जिस तरह खींचतान होती रही, वह दुनिया को बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं रही। आश्चर्यजनक है कि जिस वैश्विक योजना का जिक्र कॉप सम्मेलन के शुरुआती ड्राफ्ट में था, उसे बाद के संशोधित ड्राफ्ट से हटा ही दिया गया। इससे यह साफ है कि जीवाश्म ईंधन से जुड़े विवाद जल्द सुलझने वाले नहीं हैं। उम्मीद थी कि दुनिया के तमाम देश 'ग्लोबल वार्मिंग' के खिलाफ कोई ठोस फैसला लेंगे, लेकिन सम्मेलन धीमी रफ्तार से आगे बढ़ा और कुछ विशेष सामने नहीं आया।

> ब्राजील के बेलेम में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन खत्म हो गया। उम्मीद जताई गई थी कि बेहतर भविष्य के लिए सभी देश मिलकर काम करेंगे, लेकिन वैसा कुछ खास हासिल नहीं हुआ।

इस बार हुए कॉप-30 से उम्मीदें इसलिए भी ज्यादा थीं, क्योंकि पेरिस समझौते को दस साल पूरे हो चुके हैं। यहां पेरिस जलवायु समझौता वर्ष-2015 में दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच हुआ एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय समझौता है। इसका मुख्य उद्देश्य बढ़ते वैश्विक तापमान को नियंत्रण में रखना है, ताकि धरती को जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से बचाया जा सके। इस समझौते के तहत देश यह प्रयास करते हैं कि पृथ्वी का तापमान औद्योगिक युग से पहले की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे और संभव हो तो 1.5 डिग्री तक सीमित किया जाए।

हर देश अपनी क्षमता के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों में कमी लाने की योजना बनाता है, जिसे एनडीसी मतलब 'नेशनली डेटेरमाइंड कंट्रीब्यूशन्स' (यह वह योजना है, जिसे हर देश खुद बनाता है कि वह कितनी ग्रीन हाउस गैसें कम करेगा, पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाएगा और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कैसी तैयारी करेगा) कहा जाता है। साथ ही, विकसित देश गरीब और विकासशील देशों को आर्थिक एवं तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा सकें। यह समझौता पूरी दुनिया को जलवायु संकट से बचाने का सामूहिक प्रयास है।

आज पूरी दुनिया जिस गंभीर जलवायु संकट से गुजर रही है, वह किसी से छिपा नहीं है। इसके बावजूद ज्यादातर देश अब भी ग्लोबल तापमान को दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करने के प्रति गंभीर नहीं दिखते। ऐसे में विकासशील देशों की स्थिति और भी चिंताजनक है, क्योंकि जलवायु संकट में उनका योगदान सबसे कम है, लेकिन नुकसान उन्हें सबसे ज्यादा झेलना पड़ रहा है। पिछले कुछ सालों से बढ़ते कार्बन उत्सर्जन और असहनीय गर्मी ने मानव जीवन को चुनौती दे दी है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि विकसित देश अपने वादों को ठीक से पूरा नहीं कर रहे हैं।

हमारे देश के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी इस सम्मेलन में साफ कहा कि विकसित देशों को तय समय से पहले 'नेट-जीरो' लक्ष्य हासिल करना चाहिए।उनकी यह बिल्कुल उचित मांग है, क्योंकि सबसे ज्यादा प्रदूषण उन्हीं देशों ने किया है, इसलिए जिम्मेदारी भी उनकी ज्यादा बनती है। विकसित देशों में प्रदूषण का स्तर उनकी ऊंची ऊर्जा-खपत और औद्योगिक गतिविधियों के कारण स्वाभाविक रूप से अधिक रहा है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इन्हीं देशों की रही है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 1850 से 2019 तक उत्तरी अमेरिका और यूरोप ने कुल उत्सर्जन का लगभग आधा हिस्सा पैदा किया। आज भी प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के मामले में विकसित देश काफी आगे हैं, जहां उच्च-आय वाले देशों में प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करीब 8-9 मीट्रिक टन तक है, वहीं विकासशील देशों में यह लगभग आधा होता है। यद्यपि तकनीक, नियमों और बेहतर निगरानी के कारण इन देशों ने वायु-गुणवत्ता में सुधार किए हैं और कुछ देश पीएम . प्रदूषण को विश्व स्वास्थ्य संगठन मानकों के अनुरूप रखने में सफल भी हुए हैं, फिर भी वैश्विक तापमान वृद्धि और ग्रीनहाउस गैसों की समस्या में उनका योगदान निर्णायक बना हुआ है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन की अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में विकसित देशों से अधिक जिम्मेदारी और तेज उत्सर्जन-कटौती की अपेक्षा की जाती है।

इस संबंध में, भारत ने बेहतर उदाहरण पेश किया है। विकास भी जारी है और पर्यावरण संरक्षण भी। यह काबिले-तारीफ है कि साल 2005 से अब तक भारत ने अपने कार्बन उत्सर्जन में 36% से ज्यादा कमी की है और बिजली उत्पादन में गैर-जीवाश्म स्रोतों का हिस्सा 50% से अधिक हो चुका है। हाल फिलहाल यह भी माना जा रहा है कि भारत 2070 से पहले ही नेट-जीरो का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

सोशल फोरम

दुनियाभर के पांच सौ अर्थशास्त्रियों की अपील

दुनिया के पांच सौ से ज्यादा बड़े अर्थशास्त्री एक आवाज बनकर खड़े हुए हैं। वे G-20 देशों से एक ऐसे अंतर्राष्ट्रीय समूह की मांग कर रहे हैं, जो सिर्फ एक काम करे- मानव सभ्यता को तोड़ती हुई असमानता को समझे, उसकी जड़ें पहचाने और उसे कम करने के रास्ते बताए। ये अर्थशास्त्री सत्तर देशों से हैं और उनकी चिंता सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उन्हें डर है कि दौलत का इतना बड़ा झुकाव कुछ हाथों में लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहा है, समाजों को अस्थिर कर रहा है और लोगों के भीतर भरोसा खत्म कर रहा है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

इस अपील में ऐसे नाम शामिल हैं, जिनकी बात को दुनिया ध्यान से सुनती है। 2024 के नोबेल विजेता डैरोन अचेमोग्लू, अमेरिका की पूर्व वित्त मंत्री और फेडरल रिजर्व प्रमुख रहे जानेट येलेन, फ्रांस के अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और टैक्स विशेषज्ञ गेब्रियल ज़ुकमैन। ये सब एक ही बात दोहरा रहे हैं कि अमीरी का यह असमान जमा होना सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं है, यह राजनीति को भी बांट रहा है, समाज को कठोर बना रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है।

G-20 की हालिया पहली रिपोर्ट इस चिंता को और गहरा कर देती है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2024 तक दुनिया की नई पैदा हुई संपत्ति का 41 प्रतिशत सिर्फ सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों ने ले लिया, जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ एक प्रतिशत मिला। इस फासले की निर्ममता को समझिए- अमीरों की औसत दौलत में तेरह लाख डॉलर का इजाफा हुआ और गरीबों के हिस्से में बढ़त नाम मात्र की, सुझाया गया है कि 'इंटरनेशनल पैनल ऑन इनएक्वालिटी' नाम से समूह बनाया जाए। इसे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पैनल की तरह काम करना होगा।

यह असमानता को मापेगा, उसके कारणों की छानबीन करेगा और सरकारों को बताएगा कि कौन से कदम इस खाई को पाट सकते हैं। यह विचार इस सीधी सच्चाई से निकलता है कि असमानता कोई प्राकृतिक घटना नहीं है। इसे नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते इच्छा और समझ दोनों मौजूद हों। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने इस रिपोर्ट को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। इसमें बताया गया है कि दुनिया के 83 प्रतिशत देश, जहां 90 प्रतिशत लोग रहते हैं, गंभीर असमानता से जूझ रहे हैं और ऐसे देशों में लोकतंत्र पीछे जा रहा है।

सामयिकी

नए लेबर कोड और मजदूरों के अधिकार

21 नवंबर 2025 को आखिर केंद्र सरकार ने बिना श्रमिक संगठनों से चर्चा के नए चार लेबर कोड को लागू कर ही दिया है, जिसके बाद इस पर बड़ी बहस छिड़ चुकी है। कुछ तर्कों के साथ इनको श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए बनाया गया बताया गया है, तो दूसरी ओर देश की दस प्रमुख यूनियंस ने 21 नवंबर को काला दिवस मनाया और तीखी प्रतिक्रिया दी है। देश की प्रमुख यूनियंस अब 26 नवंबर को देशव्यापी विरोध दिवस मनाने की तैयारी में हैं।

पांच साल पहले बनाए गए इन लेबर कोड को केंद्र सरकार पता नहीं क्यों, लागू करने से बच रही थी, लेकिन बिहार में बीजेपी और एनडीए को मिली जीत ने सरकार का मनोबल बढ़ा दिया है, जबकि यूनियंस का मानना है कि पुरानी पेंशन को समाप्त करते समय भी इसी तरह की बातें बताई गई थीं, जबकि पुरानी पेंशन को पुनः बहाल करने की लड़ाई आज भी कर्मचारियों द्वारा पूरी ताकत से लड़ी जा रही है, यही बातें नोटबंदी, काले कृषि कानूनों और जीएसटी लागू करते समय भी बताई गईं थीं, लेकिन उनका क्या हश्र हुआ सभी ने देखा।

संजीव मेहरोत्रा
बरेली

इन चार लेबर कोड्स के लागू होने से यूनियन को मान्यता पाने के लिए 51% कर्मचारियों की सदस्यता आवश्यक है और केवल मान्यता प्राप्त यूनियन को ही सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार मिलेगा। हड़ताल से पहले 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है और सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं में हड़ताल पर सख्त प्रतिबंध लागू होंगे, जो मालिकों का हित साधेंगे। गिग वर्कर्स और असंगठित मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा में शामिल किया गया है, (जबकि गिग वर्कर्स के काम के घंटों का कोई जिक्र ही नहीं है), लेकिन योगदान का बड़ा हिस्सा मजदूरों से ही लिया जाएगा।

कार्य समय प्रतिदिन 12 घंटे तक बढ़ाने की अनुमति है, बशर्ते साप्ताहिक सीमा 48 घंटे से अधिक न हो। इससे 12 घंटे के कार्य दिवस को परोक्ष रूप से मान्यता मिल सकेगी। नियोक्ता यानी मालिक वेतन संरचना और भत्ते तय कर सकता है, पर कथित भ्रामक फ्लोर वेज से कम वेतन नहीं दे सकता। संस्थान निश्चित अवधि के (हफ्ता, महीना आदि) अनुबंध पर कर्मचारियों को रख सकते हैं, जिससे स्थायी नौकरी का अधिकार खत्म है। नियोक्ता को सरकारी अनुमति के बिना छंटनी करने की सुविधा है, जिससे रोजगार की सुरक्षा कमजोर होती है। नियोक्ता के लिए इज़ ऑफ बिजनेस के नाम पर श्रमिक के फंडामेंटल राइट्स पर खतरा है।

कंपनी को छंटनी/बंद करने के लिए सरकारी अनुमति की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। 300 से कम कर्मचारियों वाले सभी संस्थान मनमाने ढंग से छंटनी कर सकते हैं। ठेका मजदूरों का हिस्सा देश में 15.5% है, जो आने वाले समय में 27.9% हो जाएगा और ठेकेदार की कोई जवाबदेही नहीं होगी। जिला स्तर के लेबर कोर्ट समाप्त हो जाएंगे, जिससे मजदूरों और श्रमिकों को न्याय मिलना कठिन हो जाएगा। देशभर का संगठित और असंगठित क्षेत्र का कर्मचारी और श्रमिक विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

फिक्स्ड टर्म इंप्लायमेंट लागू होने से स्थायी रोजगार समाप्त हो जाएगा और अग्निवीर की तरह एक साल, दो साल या तीन साल के लिए श्रमिक नियुक्त होंगे। ट्रेड यूनियनों का मत है कि ये संहिताएं श्रमिकों के दशकों पुराने अधिकारों का क्षरण करती हैं। इनके लागू होने के बाद युवाओं के सपने टूटेंगे। असंतोष पैदा होगा और नाराजगी बढ़ेगी। उनका मानना है कि सरकार को व्यापक पुनर्विचार कर इन पर विस्तृत चर्चा कराया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार
रंगोली

भारत की सांस्कृतिक धरोहर उसकी लोक परंपराओं में निहित है और लोकगीत इन परंपराओं की आत्मा माने जाते हैं। जैसे ब्रज, अवधी, बुंदेलखंड और भोजपुरी की अपनी विशिष्ट लोकधारा है, वैसे ही उत्तर प्रदेश का कन्नौज क्षेत्र भी अपनी विशिष्ट कन्नौजी लोकगीत परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। कन्नौजी बोली क्षेत्र के अंतर्गत छह जिले फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, कानपुर, इटावा और पीलीभीत आते हैं। कन्नौजी में गाए जाने वाले ये गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि ग्रामीण जीवन, भावनाओं, संस्कारों, रीति-रिवाजों और सामाजिक संबंधों का सजीव दस्तावेज भी हैं।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

हमारी गुलाबी चुनरिया हमें लागी नजरिया...

कन्नौजी लोकगीतों की उत्पत्ति और विशेषता

कन्नौजी लोकगीतों की जड़ें ग्रामीण समाज की मिट्टी में गहराई तक पैठी हुई हैं। ये गीत किसी एक कवि या लेखक की रचना नहीं, बल्कि जनजीवन के अनुभवों का सामूहिक रूप हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी सुनकर और गाकर इनका रूप विकसित होता रहा है। इन गीतों में न तो व्यावसायिकता है, न कृत्रिमता, ये लोकमन की सहज अभिव्यक्ति हैं। भाषा में मृदु कन्नौजी लहजा, सरलता और हास्य-विनोद का पुट इन्हें विशिष्ट बनाता है। कन्नौजी लोकगीतों की एक विशेषता यह भी है कि ये जीवन के प्रत्येक अवसर से जुड़े होते हैं- जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर्ष और विषाद दोनों ही स्थितियों में लोकगीत गाए जाते हैं। मांगलिक अवसरों के गीत कन्नौजी बोली के क्षेत्र में संस्कार गीतों का अपना महत्व है। प्रमुखता यहां पांच प्रकार के संस्कार गीत प्राप्त होते हैं- जन्म गीत, अन्न प्राशन गीत, मुंडन गीत, यज्ञोपवीत गीत और विवाह गीत। पुत्र जन्म के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों को सोहर कहा जाता है, वहीं मुंडन और अन्नप्राशन संस्कारों के अवसर पर भी सोहर गाने की परंपरा होती है। यज्ञोपवीत के समय गाए जाने वाले गीत बरुआ कहलाते हैं, जबकि विवाह के अवसर पर बन्ना और बन्नी गाने का प्रचलन है। ये मांगलिक गीत अत्यंत लोकप्रिय हैं। ऐसे गीतों में मातृभाव, हंसी-ठिठोली और भावुकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

त्योहार और धार्मिक लोकगीत

कन्नौजी लोकजीवन में त्योहारों का बड़ा महत्व है। होली, दिवाली, रक्षाबंधन, तीज, करवाचौथ आदि पर्वों पर विशेष लोकगीत गाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त कन्नौजी क्षेत्र के मुख्य व्रत त्योहारों में शीतलाष्टमी, रामनवमी, वटसावित्री व्रत, नागपंचमी, जन्माष्टमी, हल षष्ठी, हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी, अनंत चौदस, लक्ष्मी व्रत, नवरात्रि का व्रत, विजय दशमी, करवाचौथ, अन्नकूट, भ्रातृद्वितीया, मकर संक्रांति, वसंत पंचमी, शिवरात्रि व होली हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में पूर्णिमा का भी महत्व है। इन विविध पर्वों पर कन्नौजी भाषा में विविध लोकगीत गाए जाते हैं। एक कन्नौजी लोकगीत देखिए, जिसमें देवी मां की भक्तिन पूजा करने जाती है और बीच में ही बदरिया आती है। एक दम अंधिरिया छा जाती है- **सोने के थारी में भोजन परोसे / मइयै मिलन हम आई रे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै जिमाउन हम आई रे, झुकि आई अंधिरिया।/ मइयै सुवाउन हम आई रे, झुकि आई अधिरिया।/ पाना पचासी, महोबे को बीड़ा। मइये रचाउन हम आरे रे, झुकि आई अंधिरिया।**

कृषि और श्रम जीवन से जुड़े गीत

कन्नौजी समाज का जीवन मूलतः कृषि आधारित है, इसलिए खेती-बाड़ी, वर्षा, फसल कटाई, बैल और हल से जुड़े अनेक गीत मिलते हैं। ये गीत खेतों में काम करते समय गाए जाते हैं, जिससे श्रम का बोझ हल्का होता है और सामूहिकता की भावना बढ़ती है।
बरखा आई ओ रे साथी, बइठै न अब घर मा।/ खेतन में पानी भरि आयो, चलो लगावई धान। ऐसे गीतों में किसान की मेहनत, आशा और प्रकृति के प्रति आदर झलकता है।

सोहर और बन्नी

सोहर- धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी / रेडियो की आवाज सुन सासु दौड़ी आवेंगी।/उनको भी हलके से कंगन बनवाना मेरे राजा जी/ पांच के बनवाना पचास के बताना जी/ धीरे-धीरे रेडियो बजना मेरे राजा जी।
एक बन्नी - बन्नी नादान बजावे हरमोनिया/दादी के कमरे बजावे हरमोनिया।/ छेड़ें तान हंसे सारी दुनिया/ बन्नो नादान हंसे सारी दुनिया। महिलाएं समूह में बैठकर इन गीतों को गाती हैं और उनमें स्थानीय शब्दावली, पारिवारिक संबंधों और ग्रामीण जीवन के प्रतीक झलकते हैं।

भावात्मक और प्रेमपरक गीत

कन्नौजी लोकगीतों में प्रेम, विरह और सौंदर्य की भावनाएं भी प्रमुखता से मिलती हैं। **मेरा रेशमी दुपट्टा जरा गोटा लगा दो/ जरा गोटा लगा दो... सोने की थाली में भोजन बनाए/ मेरा जेमन वाला दूर बसा/ कोई जल्दी बुला दो...**
कभी ये गीत सीधी सच्ची प्रेमाभिव्यक्ति होते हैं,

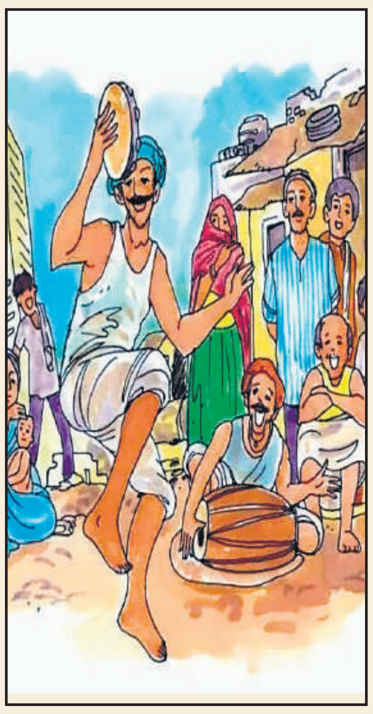

तो कभी सांकेतिक और रूपकात्मक। स्त्री का विरह, पति की प्रतीक्षा, साजन की विदाई- ये सब विषय बार-बार आते हैं।
साउन लागे आज सुहावन जी।/ एजी कोइ घटा दबी हई कोर।/ नन्हीं-नन्हीं बुंदियन मेंह बरसी रहे।/ एजी कोई पवन चले सईजोर। ऐसे गीतों में भाषा की मिठास और भावनाओं की गहराई दोनों अद्भुत रूप से मिलती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

कन्नौजी लोकगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना के दर्पण हैं। इन गीतों से समाज की संरचना, नारी की भूमिका, नैतिक मूल्यों और लोकाचारों की झलक मिलती है। इनके माध्यम से लोकसंस्कृति पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होती रही है। महिलाओं के लिए ये गीत स्व-अभिव्यक्ति का साधन हैं - वे अपनी भावनाएं, पीड़ा, आनंद और आकांक्षाएं इन्हीं गीतों में व्यक्त करती हैं।
स्व-अभिव्यक्ति का एक उदाहरण देखें, जिसमें ससुराल की पीड़ा भी अभिव्यक्त होती है-
हमारी गुलाबी चुनरिया, हमें लागी नजरिया।/ सासु हमारी जन्म की बैरिन/ हमसे करामैं रसुइया, मेरी बारी उमरिया/ जेठानी हमारी जन्म की बैरिन/हमसे भरामैं गगरिया, मेरी बारी उमरिया...
इस प्रकार कह सकते हैं कि कन्नौजी लोकगीत उत्तर भारत की समृद्ध लोकपरंपरा का अभिन्न हिस्सा हैं। इन गीतों में जीवन की गंध है, मिट्टी की महक है और इंसान की सहज भावनाओं की सच्चाई है। आज जब आधुनिकता और तकनीक के प्रभाव से लोकसंगीत का स्वर क्षीण हो रहा है, तब इन लोकगीतों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। कन्नौजी लोकगीत न केवल कान्यकुब्ज क्षेत्र की पहचान हैं, बल्कि भारतीय लोक संस्कृति की जीवंत धरोहर भी हैं। इन गीतों को सुनना, गाना और सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

आर्ट गैलरी

मकबूल के घोड़े

मकबूल फिदा हुसैन के सबसे आइकॉनिक मोटिफ्स में घोड़ों को बनाना शामिल है, जो भारतीय कल्चर में गहरा सिंबॉलिज्म रखते हैं। हुसैन की पेंटिंग्स में, घोड़ों को तेजी और एनर्जी के साथ दिखाया गया है। बोल्ड, एब्स्ट्रैक्ट रूपों में जो मूवमेंट और जिंदादिली का एहसास कराते हैं। ये चित्रण सिर्फ दिखाने से कहीं आगे जाते हैं और भारतीय समाज और संस्कृति के अलग-अलग पहलुओं को दिखाते हुए, सिंबल के दायरे में जाते हैं। हुसैन के घोड़ों की पेंटिंग्स का एक मतलब यह है कि वे आजादी और ताकत का प्रतीक हैं, जो कलाकार की आजादी और खुद को जाहिर करने की अपनी इच्छा को दिखाते हैं।

मकबूल फिदा हुसैन, जिन्हें अक्सर भारत का पिकासो कहा जाता है। वह अपनी शानदार और डायनेमिक पेंटिंग्स के लिए मशहूर हैं, जो भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को दिखाती हैं। मकबूल (एमएफ हुसैन), 20वीं-21वीं सदी के भारत के सबसे प्रसिद्ध और प्रभावशाली कलाकारों में से एक थे। उनकी पेंटिंग्स में भारतीय संस्कृति, इतिहास और समकालीन जीवन के विषयों को प्रमुखता से दर्शाया गया, जिसमें घोड़े, गायें और भारतीय देवी-देवता अक्सर नजर आते हैं। 17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे हुसैन ने भारतीय आधुनिक कला को एक नई दिशा दी। हुसैन का कलात्मक सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म श्री, पद्म भूषण और 1991 में पद्म विभूषण, भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया था। 9 जून, 2011 को लंदन में उनका निधन हो गया।

पेंटर मकबूल फिदा हुसैन

रंग-तरंग

राजधानी दिल्ली में सालभर विशेष कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन होता रहता है। बीते दिनों जहां भारत मंडपम में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला चल रहा है, वहीं निजामुद्दीन दरगाह के करीब बने हुमायूं टॉम्ब की सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महोत्सम में लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी कला के प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

हुमायूं टॉम्ब की नर्सरी में लोककला एवं जनजातीय शिल्प महोत्सव

सुंदर नर्सरी में जीवंत शिल्प ग्राम की झलक :
सुंदर नर्सरी, दिल्ली का मुगल उद्यान है, जिसे अब एक जीवंत स्थल में बदल दिया गया है। यहां शिल्प बाजारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कैफे का आयोजन होता है। यह सिर्फ एक पिकनिक स्थल नहीं, बल्कि अब यहां विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां होती हैं, जिनमें "शिल्प ग्राम" भी शामिल है।

कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर भी पहुंचे :
प्रदर्शनी में शिल्प कला क्षेत्र के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कारीगर मधुबनी चित्रकला, वरली चित्रकला, गोंड चित्रकला और भील चित्रकला, टेराकोटा शिल्प, बांस शिल्प, सुलेख, सिक्की घास बुनाई, सुलेख - लकड़ी की नक्काशी और पेपरमैची शिल्प पर इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कई तरह के मधुबनी पेंटिंग्स की दिखीं कलाकृतियां :
बिहार की मधुबनी पेंटिंग को गत्तों के ढांचों पर उभारने वाली अनुभा बताती हैं कि उनको इस प्रदर्शनी में आकर काफी अच्छा लगा। वह मुल्तानी मिट्टी और कागज को मिलाकर, जो मॉडल तैयार करती हैं, फिर उस पर मधुबनी पेंटिंग को उभारने का काम करती हैं। यह हुनर उनको विरासत में प्राप्त हुआ है। इस काम को उन्होंने अपनी दादी से सीखा है, जो शादी के उपरांत उनके लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।

सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग करना आयोजन का उद्देश्य :
लोक एवं जनजातीय कला एवं शिल्प महोत्सव की संयोजक सुमन दूंगा ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से, हमारा उद्देश्य युवा मन को प्रेरित करना, हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सहयोग देना और गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देना रहा।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,587.01	25,884.80
गिरावट	313.70	74.70
प्रतिशत में	0.37	0.42

सोना 1,27,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,59,500 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 26 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13kg 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 kg 1885, क्लासिक (kg) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु0) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

नंद किशोर बने क्रिस्टल क्रॉप के मानद चेयरमैन

नई दिल्ली। कृषि रसायन बनाने वाली कंपनी क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अपने संस्थापक नंद किशोर अग्रवाल को मानद चेयरमैन बनाया। उनके पुत्र अंकुर को कार्यकारी चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। नेतृत्व में यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब कंपनी कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच फसल सुरक्षा, बीज, हरित खेती के समाधान क्षेत्र में मौजूदगी बढ़ाना चाहती है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने उच्च व वैश्विक वृद्धि और अमेरिकी शुल्क के कम प्रभाव पर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी दर 6.8 प्रतिशत से बढ़ने की जताई है उम्मीद जो गत वर्ष की वृद्धि से अधिक

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया। जून तिमाही में उच्च वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि के कम प्रभाव को देखते हुए यह अनुमान बढ़ाया गया है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार, उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह उसके पिछले अनुमान 6.3 प्रतिशत (जुलाई, 2025 में जारी) से 0.7 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है। भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8% रही जो पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि का आधिकारिक आंकड़ा 28 नवंबर को जारी किया जाएगा। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि जुलाई, 2025 में उसके अंतिम अनुमान के बाद से घरेलू और वैश्विक दोनों परिदृश्यों में काफी बदलाव आया है। अमेरिका के सभी देशों पर एकतरफा शुल्क वृद्धि के कारण अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य प्रमुख बाधाएं हैं। भारत पर अगस्त, 2025 से जो शुल्क लगाया गया है, वह सबसे अधिक में से एक है। रेटिंग एजेंसी के मुख्य अर्थशास्त्री और सार्वजनिक वित्त मामलों के प्रमुख देवेंद्र कुमार पंत ने कहा कि जुलाई के अनुमान के बाद से आर्थिक परिस्थितियां काफी अनुकूल हुई हैं। इनमें उम्मीद से अधिक तेजी से मुद्रास्फीति में गिरावट, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में वास्तविक मजदूरी दर में वृद्धि और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना शामिल हैं। आर्थिक वृद्धि अनुमान में तीव्र वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं। जून तिमाही में अपेक्षा से अधिक तीव्र जीडीपी वृद्धि और वैश्विक वृद्धि और व्यापार पर अमेरिकी शुल्क वृद्धि का प्रभाव पहले के अनुमान से कम होना है।

इंडिया रेटिंग्स ने जुलाई में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि दर 6.3% रहने का अनुमान लगाया था और इसके लिए शुल्क युद्ध और किसी भी पूंजी निकासी के प्रमुख जोखिम को जिम्मेदार ठहराया था। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर के लिए जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। एजेंसी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में तेजी और सर्दियों के महीनों में अनुकूल मौसम की स्थिति जीडीपी वृद्धि को सात प्रतिशत से ऊपर ले जाने की क्षमता रखती है। हालांकि, अगर मांग में सुधार (उपभोग और निवेश) अपेक्षा से कमजोर रहा, तो इससे जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट आ सकती है।

4,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4,000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है। भारत अभी करीब 3,900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3,900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4,000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है।

जन विश्वास विधेयक पर कर रहे काम : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने का प्रयास जारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि उनके मंत्रालय ने जन विश्वास विधेयक के तीसरे संस्करण के जरिये छोटे कारोबारी अपराधों को और अपराध-मुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने पहले ही 275-300 ऐसे प्रावधानों की पहचान कर ली है, जिन्हें अपराध-मुक्त की श्रेणी में डाला जा सकता है।

केंद्रीय उद्योग मंत्री घरेलू व्यापारियों के सम्मेलन में कहा कि जन विश्वास विधेयक-3 की तैयारी चल रही है। जन विश्वास (प्रावधान में संशोधन) विधेयक-2025, जो जीवन और व्यापार को आसान बनाने के लिए कुछ छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त करने की कोशिश करता है, अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था और एक प्रवर समिति को भेजा गया था। समिति को संसद के अगले सत्र के पहले दिन तक सदन में अपनी रिपोर्ट जमा करने का काम सौंपा गया है। इस कानून का पहला संस्करण 2023 में लागू किया गया था। इसमें 42 अधिनियमों के 183 प्रावधानों में संशोधन के जरिये छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त किया गया था।

एक देश, एक लाइसेंस के मुद्दे पर मांगी रूपरेखा

गोयल ने सुझाव दिया कि व्यापारी समुदाय और ज्यादा प्रावधान की पहचान करे और मंत्रालय को उसकी जानकारी दे। व्यापारियों द्वारा उठाए गए 'एक देश, एक लाइसेंस' के मुद्दे पर, मंत्री ने उनसे इसके लिए एक रूपरेखा जमा करने को कहा। उन्होंने कहा कि वह इसे महाराष्ट्र जैसे राज्यों के साथ साझा करेंगे, क्योंकि यह राज्य का विषय है।

आयकर, जीएसटी कटौती से अतिरिक्त राजकोषीय समर्थन की गुंजाइश सीमित

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और जीएसटी में की गई कटौतियों ने सरकार की राजस्व वृद्धि को कमजोर कर दिया है, जिससे अर्थव्यवस्था को अतिरिक्त वित्तीय समर्थन देने की गुंजाइश सीमित हो गई है। मूडीज रेटिंग्स के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी (सरकारी जोखिम) मार्टिन पेट्च ने कहा कि राजस्व वृद्धि अपेक्षा से काफी कमजोर रही है। पिछले महीनों में जो कर कटौती हुई है, उसका भी राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है। इसी वजह से वित्तीय सशक्तीकरण पर दबाव बढ़ा है और अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश घट गई है।

महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के मुताबिक, सितंबर, 2025 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व घटकर 12.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.65 लाख करोड़ रुपये था। यह सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान का सिर्फ 43.3 प्रतिशत है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल हुआ था। सरकार ने इस वर्ष बजट में नए कर ढांचे के तहत आयकर छूट सीमा सात लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया था। इससे मध्यम वर्ग को लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें भी घटा दी गईं, जिससे उपभोक्ता वस्तुएं सस्ती हुईं और मांग बढ़ाने का प्रयास किया गया। पेट्च ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने और मौद्रिक नीति में नरमी से घरेलू उपभोग के और मजबूत होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने जून में नीतिगत ब्याज दरों में 0.50% की कटौती कर उन्हें 5.5% के तीन वर्ष के निचले स्तर पर ला दिया था। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति गिरकर 0.25% के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि घरेलू खपत और अवसंरचना निवेश भारत की आर्थिक वृद्धि के मुख्य कारक बने हुए हैं और यह अमेरिका द्वारा लगाए 50 प्रतिशत आयात शुल्क के असर को काफी हद तक संतुलित करेंगे।

सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

- विदेशी पूंजी की निकासी से सेंसेक्स 314 अंक टूटा
- आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से आई गिरावट

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच आईटी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 75 अंक की गिरावट आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स 313.70 अंक टूटकर 84,587.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 363.98 अंक तक नीचे आ गया था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 नुकसान में जबकि छह लाभ में रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 74.70 अंक की गिरावट के साथ 25,884.80 अंक पर आ गया। शुक्रवार से अब तक तीन सत्रों में निफ्टी 307 अंक से अधिक की गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे आ गया है। जबकि सेंसेक्स 1,045 अंक लुढ़का है। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे अधिक नुकसान में रहे। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, इटर्नल, भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,171.75 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 4,512.87 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बीएसई स्मॉलकैप 0.20% लाभ में जबकि मिडकैप 0.19% बढ़त में रहा। क्षेत्रवार सूचकांकों में आईटी 0.75, बीएसई केंद्रित आईटी (0.64), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (0.53), टेक (0.39), ऊर्जा (0.32), वाहन (0.25) और जन केंद्रित सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में 0.25% की गिरावट रही। रियल्टी, जिंस, स्वास्थ्य, दूरसंचार, पूंजीगत वस्तुएं और धातु में बढ़त दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार अच्छी बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.69 प्रतिशत टूटकर 62.93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक अनुबंधों की समाप्ति के दिन घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा।

निवेशकों के 33,000 करोड़ रुपये डूबे

बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार में आई गिरावट से 33,000 हजार करोड़ का नुकसान हुआ। उनकी कुल पूंजी घटकर 469.35 लाख करोड़ रुपये रह गई जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 469.68 लाख करोड़ रुपये रही।

धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेना गलत अधिकारी की बर्खास्तगी जायज : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह कैसा संदेश, यह तो सैन्य अधिकारी की घोर अनुशासनहीनता

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व ईसाई अधिकारी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें सशस्त्र बलों से उसकी बर्खास्तगी को चुनौती दी गई थी। अधिकारी ने अपनी तैनाती वाले स्थल पर मंदिर के गर्भगृह में रेजिमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया था, जिसके बाद उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें सेना की कार्रवाई को बरकरार रखा गया था। अदालत ने कहा कि सैमुअल कमलेसन का आचरण सैन्य अनुशासन के अनुरूप नहीं था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह किस तरह का संदेश दे रहे हैं? उन्हें तो बस इसी लिए बाहर कर देना चाहिए था। यह किसी सैन्य अधिकारी द्वारा की गई घोर अनुशासनहीनता है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व करने वाले को उदाहरण पेश करना चाहिए। आप अपने सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। जब एक पादरी ने आपको सलाह दी, तो आपने उसे वहीं छोड़ दिया। आप इसको लेकर अपनी निजी समझ नहीं रख सकते कि आपका धर्म क्या अनुमति देता है। वह भी वर्दी पहले हुए। कमलेसन के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल को उनकी तैनाती स्थल पर स्थित मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश से इन्कार करने के एकमात्र कृत्य के लिए सेवा से बर्खास्त किया गया था। उन्होंने यह कहते हुए गर्भगृह में प्रवेश करने से इन्कार कर दिया था कि यह उनके ईसाई धर्म का उल्लंघन है। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया कि क्या एक अनुशासित बल में इस तरह का आचरण जायज है? उन्होंने कहा कि एक सैन्य नेतृत्वकर्ता अपने सैनिकों के साथ उस जगह जाने से कैसे इनकार कर सकता है जिसे वे पवित्र मानते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सिख सैनिकों की मौजूदगी को देखते हुए रेजिमेंट में एक गुरुद्वारा भी है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आप भले ही 100 चीजों में उत्कृष्ट हों, लेकिन भारतीय सेना अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के लिए जानी जाती है... आप अपने ही सैनिकों की भावनाओं का सम्मान करने में विफल रहे हैं। जब अपीलकर्ता के वकील ने कहा कि नोटिस जारी नहीं करना समाज के लिए एक गलत संदेश होगा, तो पीठ ने कहा कि इससे एक कड़ा संदेश जाएगा।

सिख कर्मियों वाली स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' थे कमलेसन : वर्ष 2017 में तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त करने वाले कमलेसन को सिख कर्मियों वाली बी स्क्वाड्रन के 'ट्रुप लीडर' के रूप में तैनात किया गया था। रेजिमेंट में एक मंदिर और एक गुरुद्वारा था, लेकिन कोई "सर्व धर्म स्थल" या चर्च नहीं था। कमलेसन ने दावा किया था कि वह साप्ताहिक धार्मिक परेड के लिए दोनों स्थानों पर सैनिकों के साथ गए, लेकिन धार्मिक अन्तरात्मा का हवाला देते हुए "आरती, हवन या पूजा" के दौरान गर्भगृह में प्रवेश करने से परहेज किया। सेना ने कहा था कि अधिकारी ने अनिवार्य रेजिमेंटल परेड में शामिल होने से बार-बार इनकार किया और वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे अनुशासन के महत्व पर सलाह देने के कई प्रयास किए।

नफरती भाषण वाली हर घटना की नहीं हो सकती निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश भर में घृणा भाषण की हर घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी रखने के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि इसके लिए कानूनी उपाय, पुलिस थाने और उच्च न्यायालय मौजूद हैं। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने की, जो एक खास समुदाय के सामाजिक और आर्थिक बहिष्कार के कथित आह्वान का मुद्दा उठाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि हम इस याचिका के मद्देनजर कानून नहीं बना रहे हैं। निश्चिंत रहें, हम इस देश के किसी भी इलाके में होने वाली हर छोटी घटना पर कानून बनाने या उस पर निगरानी करने के लिए तैयार नहीं हैं। उच्च न्यायालय हैं, पुलिस थाने हैं, कानूनी उपाय हैं। वे पहले से ही मौजूद हैं। शीर्ष अदालत ने शुरू में आवेदक से कहा था कि वह अपनी शिकायत के साथ संबंधित उच्च न्यायालय जाए। पीठ ने आवेदक की ओर से मामले में पेश हुए वकील से कहा कि यह अदालत पूरे देश में ऐसे सभी मामलों पर कैसे नजर रख सकती है? आप अधिकारियों से संपर्क करें। उन्हें कार्रवाई करने दें, नहीं तो उच्च न्यायालय जाएं। वकील ने कहा कि उन्होंने एक लंबित रिट याचिका में एक आवेदन दाखिल किया है जिसमें घृणा भाषण का मुद्दा उठाया गया है।

एसआईआर के खिलाफ नई याचिका पर जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने एमडीएमके संस्थापक और पूर्व राज्यसभा सदस्य वाइको की उस अर्जी पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा, जिसमें तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अर्जी को 2 दिसंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वाइको ने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कहा है कि यह अधिसूचना समानता के अधिकार समेत कई मौलिक अधिकारों और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है। माकपा और टीवीके जैसे राजनीतिक दलों तथा अभिनेता विजय ने भी तमिलनाडु में एसआईआर को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की अर्जी पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई थी।

नया भारत आतंकवाद के सामने झुकता नहीं

कुरुक्षेत्र, एजेंसी

- नौंवे सिख गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को यह दिखाया है कि भारत शांति का इच्छुक है, लेकिन वह अपनी सुरक्षा से कभी समझौता नहीं करता और न ही आतंकवाद के आगे झुकता है। नौवें सिख गुरु के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर यहां एक विशेष कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सिख गुरु ने सिखाया है कि व्यक्ति न किसी को डराए और न ही खुद भय में जीए। अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर केसरिया धर्म ध्वज के आरोहण के बाद यहां पहुंचे मोदी ने गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष सिक्का और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आज धरोहर का एक अद्भुत संगम हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुबह वह रामायण की नगरी अयोध्या में थे और अब वह गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हैं।

मोदी ने कहा कि नौ नवंबर 2019 को जब राम मंदिर पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आया, तो वह करतारपुर गलियारे के उद्घाटन के लिए पंजाब के डेरा बाबा नानक गए थे। उन्होंने कहा कि मैं प्रार्थना कर रहा था कि राम मंदिर बनने का रास्ता साफ हो और सभी राम भक्तों की इच्छाएं पूरी हों। उन्होंने कहा कि और उस दिन हमारी प्रार्थनाएं कबूल हुईं, क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में फैसला आया।

उन्होंने कहा कि आज उन्हें फिर से सिख संगत से आशीर्वाद लेने का मौका मिला। मोदी ने कहा कि गुरु साहिब का जीवन सरबत दा भला (सभी के कल्याण) का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने सिखाया था कि जो नर दुःख में दुःख नहीं माने, सो ही पूर्ण ज्ञानी, जिसका अर्थ है कि जो व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी अटल रहता है, वही वास्तव में ज्ञानी होता है। मोदी ने जोर देते हुए कहा कि इसी प्रेरणा के साथ हमें हर चुनौती को पार कर देश को आगे ले जाना है और इसे एक विकसित राष्ट्र बनाना है। मोदी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने यह भी सिखाया कि भय काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन।

हम शांति चाहते हैं लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं

मोदी ने कहा कि हम शांति चाहते हैं, लेकिन अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करते। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पूरी दुनिया ने देखा कि नया भारत न डरता है, न रुकता है और न ही आतंकवाद के सामने झुकता है। उन्होंने कहा कि आज का भारत साहस और स्पष्टता के साथ पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने नशे की समस्या का भी जिक्र किया और लोगों से इस अभिशाप को समाप्त करने के लिए गुरु तेग बहादुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नशे की लत ने अनेक युवाओं के सपनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, क्योंकि यह लड़ाई समाज और परिवार, दोनों की है।

मुंबई हवाई अड्डे से 32 करोड़ का गांजा पकड़ा

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गत चार दिनों में कुल 32 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 32 किग्रा उच्च गुणवत्ता वाला गांजा जब्त किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि तस्करी कर लाए जा रहे 73 लाख रुपये मूल्य का सोना भी जब्त किया गया है। इन मामलों में आठ यात्रियों को गिरफ्तार किया गया है। खुफिया सूचना के आधार पर, मुंबई सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने बैंकॉक से आने वाले कई संदिग्ध यात्रियों को रोका। तीन मामलों में चार यात्रियों से 10.899 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 10.899 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा चार अन्य यात्रियों से 21.799 करोड़ का 21.799 किग्रा मादक पदार्थ जब्त किया गया।

शिक्षिका ने पांच साल के छात्र को पेड़ से लटकाया, स्कूल को मिली नोटिस

सूरजपुर, एजेंसी

- अधिकारियों ने स्कूल से शिक्षिका को निकाला, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल
- वीडियो में पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के एक निजी स्कूल में पांच वर्षीय छात्र को उसकी शिक्षिका ने दंडित करने के लिए कथित तौर पर पेड़ से लटका दिया। इस घटना को लेकर अधिकारियों ने स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटना के बाद शिक्षिका को स्कूल से निकाल दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पंच वर्षीय बच्चे को उसकी टी-शर्ट में रस्सी बांधकर पेड़े की एक टहनी से लटकाया गया है। मौके पर दो महिलाएं मौजूद हैं, जो इसे रिकॉर्ड कर रहे व्यक्ति को डांट रही हैं। सोमवार को स्कूल के केजी-टू के छात्र के इस वीडियो के सामने आने के बाद सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) अजय मिश्रा ने बताया कि रामानुज नगर ब्लॉक के नारायणपुर गांव में स्थित स्कूल में शिक्षा विभाग के दल को तत्काल जांच के लिए भेजा गया है।

मिश्रा ने बताया कि सोमवार शाम को मिली शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है तथा दो दिन में जवाब मांगा गया है। स्कूल का जवाब मिलने के बाद नियमों के मुताबिक आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के संचालक सुभाष शिवहरे ने शिक्षिका की इस हरकत को सही ठहराने की कोशिश करते हुए बताया कि शिक्षिका ने बच्चे को अनुशासित करने के लिए ऐसा किया था। जब यह घटना हुई तब मैं वहां नहीं था। डीईओ कार्यालय से जानकारी मिलने के बाद मैं आज यहां आया हूं। शिक्षिका ने बच्चे को डराने और पढ़ाई करने के लिए उसकी टी-शर्ट का इस्तेमाल करके उसे पेड़ से लटकाने की कोशिश की। शिवहरे ने कहा कि बच्चा कक्षा में शैतानी कर रहा था और दूसरे बच्चों को मार रहा था।

देश की रक्षा को हम तैयार...

सेना की त्रिशक्ति कोर के सैनिक सिक्किम में 14,000 फीट की ऊंचाई पर आर्मी मार्शल आर्ट्स के रूटीन प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निकट-युद्ध की तैयारी मज़बूत हो रही है।

ज्वालामुखी : पृथ्वी की शक्ति का प्रदर्शन

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि जान-माल की हानि और वायुमंडलीय परिवर्तन, लेकिन यह भूमि के निर्माण, खनिज संसाधनों के स्रोत और मिट्टी की उर्वरता में भी योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम ज्वालामुखी के बारे में विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसके निर्माण, प्रकार, विशेषताएं और प्रभाव शामिल हैं।

ज्वालामुखी आखिर हैं क्या

ज्वालामुखी एक ऐसी प्राकृतिक घटना है जिसमें पृथ्वी की सतह पर पिघली हुई चट्टान या मैग्मा का फूटना होता है। यह विस्फोट आमतौर पर सतह में एक दरार के माध्यम से होता है, जिसे वेंट के रूप में जाना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप लावा और ज्वालामुखी गैसें बाहर निकलती हैं। ज्वालामुखी के विस्फोट से विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन यह भूमि के निर्माण में भी योगदान करता है।

ज्वालामुखी की विशेषताएं

- **लावा :** ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पिघली हुई चट्टान होती है जो सतह पर जमकर ठोस हो जाती है।
- **ज्वालामुखी गैसें :** ज्वालामुखी से निकलने वाली गैसें जैसे कि सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल में मिलती हैं।
- **पिरोक्लास्टिक्स :** ज्वालामुखी से निकलने वाले पिरोक्लास्टिक्स जैसे कि राख और लावा के टुकड़े वायुमंडल में मिलते हैं।

फायदे भी कई हैं

- **भूमि का निर्माण :** ज्वालामुखी के विस्फोट से नई भूमि का निर्माण हो सकता है, जिससे द्वीपों और पहाड़ों का निर्माण होता है।
- **खनिज संसाधनों का स्रोत :** ज्वालामुखी के विस्फोट से खनिज संसाधनों का स्रोत बनता है, जैसे कि तांबा, जस्ता, और सोना।
- **मिट्टी की उर्वरता :** ज्वालामुखी के विस्फोट से मिट्टी की उर्वरता बढ़ सकती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

निर्माण कैसे होता है

ज्वालामुखी तब बनते हैं जब पृथ्वी की पपड़ी के नीचे मैग्मा जमा होता है और दबाव बढ़ने पर यह सतह पर निकलता है। यह दबाव प्लेट टेक्टोनिक्स, मेंटल प्लम और हॉटस्पॉट के कारण हो सकता है। ज्वालामुखी कई प्रकार के होते हैं। शील्ड ज्वालामुखी : ये शील्ड जैसे दिखते हैं। स्ट्रैटोवोल्केनो : ये स्ट्रैटो जैसे दिखते हैं। कैल्डेरा : ये कैल्डेरा जैसे दिखते हैं।

प्रमुख सक्रिय ज्वालामुखी

- **जापान :** माउंट असो, सकुराजिमा, माउंट फूजी, और याकुशिमा
- **अमेरिका :** अलास्का, हवाई, और कैस्केड्स में कई एक्टिव
- **रूस :** कामचटका पेनिनसुला और कुरील में कई एक्टिव ज्वालामुखी
- **चिली :** विलारिका, लस्कर, और ओहोस देल सालाडो ज्वालामुखी
- **पापुआ न्यू गिनी :** मनाम, करकर, और लांगिला ज्वालामुखी
- **इक्वाडोर :** कोटोपैक्सी, सांगे, तुंगुरहुआ, और रेवेन्टाडोर ज्वालामुखी
- **आइसलैंड :** हेक्ला, कटला, ग्रिम्सवोटन।

वर्ल्ड ब्रीफ

कोर्ट ने बोल्सोनारो की कैद बरकरार रखा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें कारावास के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

हिज्बुल्ला कमांडर के संस्कार में जुटे हजारों

बेरूत। लेबनान में सोमवार को हजारों लोग चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के शीर्ष सैन्य कमांडर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए, जो एक दिन पहले बेरूत में इजराइली हवाई हमले में मारा गया था। हिज्बुल्ला के शीर्ष कमांडर हयथम तबतबाई की अंतिम यात्रा में उसके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। तबतबाई और हिज्बुल्ला के दो अन्य सदस्यों को बेरूत के दक्षिण में उस कब्रिस्तान में दफनाया गया जहां संगठन के लड़ाकों को दफनाया जाता है।

काफिले पर हमला, 5 अधिकारियों की मौत

अदन। बंदूकधारियों ने सोमवार को ताइज प्रांत के गवर्नर के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षा अधिकारी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रांत के प्रवक्ता मोहम्मद अब्देल-रहमान ने बताया कि ताइज को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली सड़क पर नबील शमसान को निशाना बना हमला किया गया। गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए।

अपमानजनक पोस्ट का आरोपी पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाने और एक महिला समाचार एंकर के खिलाफ अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया आरोपी की पहचान जम्मू निवासी चेत कमल प्रकाश के रूप में हुई है।

भारत में जहाज निर्माण, नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता

रक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

- भारत को अलग बनाता है एकीकृत जहाज निर्माण तंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा कंपनियों से भारत के जीवंत जहाज निर्माण उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने और अगली पीढ़ी की समुद्री क्षमताओं का सह-विकास करने का मंगलवार को आह्वान किया। एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत में जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और समुद्री नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की क्षमता है क्योंकि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग पहले ही विमानवाहक पोत, अनुसंधान पोत और वाणिज्यिक जहाज बना चुका है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत को जो चीज़ वास्तव में अलग बनाती है, वह है इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र। उन्होंने कहा कि भारत को वास्तव में अलग बनाने वाला इसका एकीकृत जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है। सिंह ने कहा कि अवधारणा डिज़ाइन और मॉड्यूलर निर्माण से लेकर रख रखाव, मरम्मत तक, जहाज निर्माण प्रक्रिया का हर चरण स्वदेशी रूप से विकसित और क्रियान्वित किया जाता है। सिंह रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी समुद्र उत्कर्ष में मुख्य भाषण दे रहे थे, जिसमें भारतीय जहाज निर्माण उद्योग की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

रक्षामंत्री ने उद्योग के हितधारकों, विदेशी साझेदारों, प्रतिनिधियों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) द्वारा समर्थित हमारे सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड ने एक मजबूत मूल्य श्रृंखला बनाई है, जो इस्पात, प्रणोदन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेंसर और उन्नत लड़ाकू प्रणालियों तक फैली हुई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जहाज निर्माण उद्योग, जिसमें उत्साही सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और गतिशील निजी क्षेत्र के साझेदार शामिल हैं, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल जहाज, बल्कि विश्वास, न केवल साजो सामान, बल्कि साझेदारियां बनाकर समुद्री सदी को आकार देने में मदद के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत का जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अनेक विश्वस्तरीय प्लेटफॉर्म की ताकत पर टिका है जो तकनीकी परिपक्वता और औद्योगिक गहराई को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत, कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियां और स्टील्थ फ्रिगेट और विध्वंसक जहाज जैसी प्रमुख परियोजनाएं न केवल देश की नौसैनिक ताकत को रेखांकित करती हैं, बल्कि डिजाइन क्षमता और स्वचालन को भी बढ़ाती हैं। सिंह ने कहा कि हम विमानवाहक पोतों से लेकर उन्नत अनुसंधान पोतों और ऊर्जा-कुशल वाणिज्यिक जहाजों तक की आपूर्ति करने में सक्षम हैं।

नई दिल्ली में समुद्री नवाचार पर संगोष्ठीमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सम्मानित किया गया। इस मौके परजनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

सोशल मंच पर साझा रक्षामंत्री का पत्र फर्जी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह को लिखा गया कथित पत्र फर्जी है और लोगों को इस तरह की अपुष्ट सामग्रियों को साझा करने से बचना चाहिए। फैक्ट चेक हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा है कि सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा किया जा रहा है जो कथित तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा है।

यूक्रेन पर रूसी हमले में 6की मौत

कीव, एजेंसी

रूस द्वारा मंगलवार को यूक्रेन में इमारतों और ऊर्जा संरचनाओं को निशाना बनाकर किए गए सिलसिलेवार हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं यूक्रेन द्वारा दक्षिणी रूस में किए गए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और कई घरों को नुकसान पहुंचा। राजधानी कीव के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 'टेलीग्राम' पर पोस्ट एक वीडियो फुटेज में कीव के पूर्वी जिले द्निप्रोव्स्की में नौ मंजिला एक आवासीय इमारत में भीषण आग दिख रही है।

मेयर विटाली क्लित्श्को ने बताया कि द्निप्रोव्स्की में दो लोग मारे गए व पांच घायल हुए जबकि मध्य पेचेर्स्क जिले में एक अन्य आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। कीव के पश्चिमी जिले में एक इमारत पर हुए हमले में चार लोग मारे गए और तीन अन्य लोग घायल हो गए। ओडेसा क्षेत्र में ऊर्जा व बंदरगाह अवसंरचना पर रूसी हमले में दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए।

रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में देर रात यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश को एक लाख टन चावल भेजेगा पाकिस्तान

कराची। बांग्लादेश को पाकिस्तान एक लाख टन चावल निर्यात करेगा। यह पिछले वर्ष अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से दोनों देशों के बीच बेहतर हुए व्यापार संबंधों को दर्शाता है। टीसीपी के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए पिछले सप्ताह 'ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान' (टीसीपी) द्वारा निविदा जारी की गई थी। यह पाकिस्तान से बांग्लादेश को भेजी जाने वाली चावल की अब तक की सबसे बड़ी खेप है। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों द्वारा चावल आयात के साथ सरकारी स्तर पर व्यापार शुरू करने के बाद 50,000 टन चावल की पहली खेप निर्यात की गयी। एक प्रमुख चावल निर्यातक ने कहा कि अगर बांग्लादेश के साथ व्यापार बढ़ता है तो यह कारोबार के लिए अच्छा होगा।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर फिर किया हवाई हमला

- पूर्वी प्रांत में देर रात हुए हमले में नौ बच्चों सहित 10 मारे गए

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने मंगलवार को पाकिस्तान पर तीन पूर्वी प्रांतों में देर रात हवाई हमले करने का आरोप लगाया, जिसमें नौ बच्चों सहित 10 नागरिक मारे गए। यह हमले दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि पाकिस्तान ने खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें नौ बच्चों और एक महिला की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि कुनार और पक्तिका प्रांतों में भी हमले किए गए, जिनमें चार अन्य लोग घायल हो गए। पाकिस्तान की सेना और सरकार ने इस आरोप पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर में एक दिन पहले हुए एक घातक हमले के बाद यह नया घटनाक्रम सामने आया है। पेशावर में दो आत्मघाती हमलावरों और एक बंदूकधारी हमलावर ने पुलिस बल के मुख्यालय पर हमला किया था। सोमवार सुबह हुए इस हमले में तीन अधिकारी मारे गए और 11 अन्य लोग घायल हो गए।

पेशावर हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन शक पाकिस्तानी तालिबान या तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, एक अलग समूह है लेकिन अफगान तालिबान के साथ इसका घनिष्ठ संबंध है और इसके कई नेता अफगानिस्तान में छिपे हुए हैं।

बीबीसी चेयरमैन से हुई पूछताछ

लंदन। बीबीसी के चेयरमैन ने सोमवार को स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण के भ्रामक संपादन पर प्रतिक्रिया देने में कंपनी ने बहुत धीमा रुख अपनाया लेकिन उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि प्रसारक की निष्पक्षता को उसके अपने ही बोर्ड के भीतर से कमजोर किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में बीबीसी के महानिदेशक व समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था और ट्रंप ने अरबों डॉलर का मुकदमा करने की धमकी दी थी, जिसके बाद सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित कंपनी के चेयरमैन से सांसदों ने पूछताछ की थी।

पाकिस्तान से भागकर कच्छ पहुंचा प्रेमी युगल

- सीमा सुरक्षा बल ने हिरासत में लिया, जांच शुरू

कच्छ, एजेंसी

पाकिस्तान के एक नागरिक और उसकी प्रेमिका अपने घर से कथित तौर पर भागने के बाद गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच गए जहां सुरक्षा बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। प्रेमी-प्रेमिका का यह यह पैदल ही यहां तक पहुंच गए थे।

पुलिस के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे पोपट (24) और गौरी (20) को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने हिरासत में ले लिया। बालासर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पोपट और गौरी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से आठ किलोमीटर दूर पाकिस्तान स्थित गांव से रविवार रात भाग गए थे। दोनों ने पैदल ही यह दूरी तय की थी। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने खंभा संख्या 1016 के समीप गश्त के दौरान दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान युगल ने बताया कि उनके परिवार उनकी शादी के खिलाफ थे जिस वजह से वे घर से भाग आए। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियां जांच करेंगी।

यहूदियों को भारत से लाने की इजराइल की मंजूरी

यरुशलम। इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से शेष सभी 5,800 यहूदियों को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन यहूदियों को आमतौर पर बेनी मेनाशे कहा जाता है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को रविवार को मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 को 2026 में लाने की मंजूरी मिल गई है।

अरुणाचल हमेशा भारत में ही रहेगा

- मुख्यमंत्री ने महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर रोकने की निंदा की

ईटानगर, एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीन के आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए अस्वीकार्य और डराने वाले व्यवहार की मंगलवार को निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक रोक कर रखा गया क्योंकि अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट को मान्यता देने से इनकार कर दिया था।

खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह 'गहरा सदमा' महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीन के अधिकारियों का व्यवहार 'अपमान और नस्लीय उपहास' के समान है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है।

चीन ने उत्पीड़न से किया इनकार

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम और खाने-पीने की व्यवस्था भी की थी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 26 नवंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 27 नवंबर 00 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

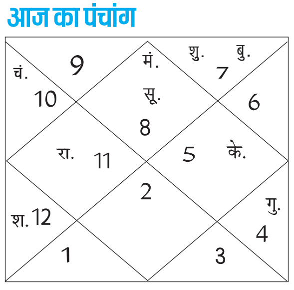

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-श्रवण 27 नवंबर 01 .32 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष: आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। अपने सौंदर्य और रहन-सहन पर अत्यधिक ध्यान देंगे। छात्र गुरुजनों के प्रति निष्ठा भाव रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी राय से लोग सहमत नहीं होंगे। निर्माण कार्यों में प्रगति होने के योग बन रहे हैं।

वृष: आज संपति विवाद सुलझाए जा सकते हैं। अपने सिद्धांतों से किसी भी तरह समझौता न करें। दूसरो के व्यक्तिगत मामलों से दूरी बनाकर रखें। अपने भावों की अभिव्यक्ति प्रेमीजन से कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विजय मिल सकती है।

मिथुन: आज किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आवश्यक कार्यों में विलंब हो सकता है। यदि आपका स्वतंत्र व्यवसाय है, तो अपने ऑडिट पर नजर बनाए रखें। बदलते मौसम को लेकर सेहत का ध्यान विशेष रूप से रखें।

कर्क: आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन काफी अच्छा रहने वाला है। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नए एवं रोचक अनुभव आपको प्राप्त होने वाले हैं। उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे। आप अपने शौक पर अत्यधिक धन खर्च करेंगे।

सिंह: आज आत्मविश्वास एवं आशाओं से भरपूर रहेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। मन में विचारों का प्रवाह बढ़ेगा। दूर की यात्रा करने से आपको बचना चाहिए। कुछ मित्र प्रवृत्ति के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कन्या: आज कम मेहनत से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यशैली को नया रूप देने का प्रयास करेंगे। दोस्तों के साथ बात करके अच्छा महसूस करेंगे। प्रेमी जन के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। युवा अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

तुला: आज घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सामाजिक कार्यों में आप सहभागिता दिखाएंगे। धन संबंधित कार्यों को लेकर आप निर्णय बदल सकते हैं। दिखावे की प्रवृत्ति के कारण नुकसान हो सकता है।

वृश्चिक: आज आईटी से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। परिवार में आपको प्रशंसा मिलेगी। आपके सुझावों से लोगों को अत्यंत लाभ मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। बच्चों को अच्छी सीख दें।

धनु: आज घरेलू चिंताओं का असर कार्य पर पड़ सकता है। मन की उथल-पुथल को शांत करने का प्रयास करें। विपरीत परिस्थितियों से घबराने के बजाय उनका समाधान खोजें। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी के कारण आपके काम अटक सकते हैं।

मकर: आज परिवार और कारोबार में संतुलन बनाकर रखें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यवसाय में साझेदारों से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। दूसरों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ: आज मेडिकल क्षेत्र से जुड़े लोग बहुत मेहनत करेंगे। कारोबार में विस्तार के लिए उधार लेना चाह रहे हैं, तो आपको सफलता मिलेगी। आपको लोगों के साथ संवाद अच्छा रखना चाहिए। विवाह जैसे आयोजनों के लिए खरीदारी कर सकते हैं।

मीन: आज रोजगार में परिवर्तन करने के लिए समय अच्छा नहीं है। युवा वर्ग को किसी नौकरी आदि के इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। अधिकारियों का रूख आपके प्रति सकारात्मक रहेगा।

सुडोकू -172

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
						6		
			7					
	6							
								3
				3				
		9						5
					4			
								1

सुडोकू - 171 का हल

5	8	4	9	1	2	7	6	3
3	7	1	6	8	4	9	2	5
2	9	6	3	5	7	1	4	8
1	2	3	8	9	6	5	7	4
6	4	8	7	2	5	3	9	1
7	5	9	4	3	1	2	8	6
9	3	7	1	6	8	4	5	2
8	1	5	2	4	9	6	3	7
4	6	2	5	7	3	8	1	9

ओलंपिक में निराशा के बाद कड़ी मेहनत के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा मुश्किल था। मैंने कुछ समय के लिए ब्रेक लिया, लेकिन वापसी पर भी मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। मैं बहुत सी चीजों से निपट रहा था और फिट नहीं होने के बावजूद टूर्नामेंटों में प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
–लक्ष्य सेन, बैटमिंटन खिलाड़ी

स्टेडियम

बरेली, बुधवार 26 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

चेंगडू : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने चीन के मिंगुइ झांग को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया पेसीफिक वाइल्ड कार्ड प्लेआफ के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। छठी वरीयता प्राप्त नागल ने 2-6, 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। नवंबर 24 से 29 तक होने वाले इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ के लिए पुरुष और महिला एकल विजेता को वाइल्ड कार्ड मिलेंगे। नागल को शुरुआत में चीन का वीजा लेने में दिक्कत आई।

स्पेन, जापान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै : दो बार की कांस्य पदक विजेता स्पेन को जूनियर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है और उनके कोच ने कहा कि टीम पूरी तैयारी के साथ उतरी है। स्पेन और ऑस्ट्रिया की टीमें मंगलवार को यहां पहुंची जबकि जापान और चिली की टीमें चेन्नई पहुंची हैं। स्पेन के कोच ओरियोल पुइग टोरास ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा कि हम काफी रोमांचित हैं और इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर गौरवान्वित भी। हमारी तैयारियां अच्छी चल रही है और मेरा मानना है कि हमारे पास शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है। स्पेन ने 2003 कुआलालम्पुर जूनियर विश्व कप में भारत को हराकर कांस्य पदक जीता था।

शादी से पहले के पोस्ट मंधाना के अकाउंट से हटे

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने संगीतकार पलाश मुछाल के साथ शादी से पहले के जश्न से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। उनके पिता के अस्पताल में भर्ती होने से मुख्य समारोह अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। स्मृति और पलाश 23 नवंबर को महाराष्ट्र में इस क्रिकेटर के गृहनगर सांगली में शादी करने वाले थे। स्मृति के पिता के दिल की बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने के बाद समारोह रोक दिया गया। हालांकि सगाई और दूसरे जश्न से पहले के वायरल सोशल मीडिया पोस्ट स्मृति के पेज से गायब होने के बाद इस जोड़ी अब उनके पेज पर नहीं दिख रहा ।

मीनाक्षी ने विवि खेलों का पहला स्वर्ण जीता

जयपुर। गुरु नानक देव विवि की साइकिलिस्ट मीनाक्षी रोहिल्ला ने मंगलवार को महिला व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में 2025 खेलो इंडिया विवि खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। शिवाजी विवि की काजोल सरगर ने भारोत्तोलन के महिला 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण जीता जबकि लवली यूनिवर्सिटी की साक्षी ने निशानेबाजी में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साइकिलिंग ने पदार्पण किया है और रोड स्पर्धाओं में वापसी कर रहीं 2022 एशियाई खेलों की टीम परसुइट स्पर्धा की कांस्य पदक विजेता मीनाक्षी ने पहला स्वर्ण पदक जीता।

भारत को बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक

तोक्यो : भारत ने बधिर ओलंपिक निशानेबाजी में 16 पदक जीते जबकि चेतन हनमंत सपकाल मंगलवार को पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में छठे स्थान पर रहे। क्वालीफाइंग दौर में तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे सपकाल आठ स्कोर करके छह पुरुषों के फाइनल में बाहर होने वाले पहले खिलाड़ी रहे। द. कोरिया के सियुंग वा ली ने स्वर्ण, ताए यंग किम ने कांस्य और यूक्रेन के सेरही ओहोरोदनिक ने रजत जीता। भारतीयों ने निशानेबाजी रेंज पर 16 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य हैं।

असंभव लक्ष्य के सामने लड़खड़ाया भारत

दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराया, दूसरी पारी में 27 रनों पर लौटे दोनों ओपनर

गुवाहाटी, एजेंसी

जिस पिच की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल प्रवृत्ति का दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया ,उस पर भारतीय बल्लेबाज दूसरी पारी में भी जूझते नजर आए। इससे उनकी टीम पर दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में बड़ी हार का खतरा मंडराने लग गया है। दो मैच की श्रृंखला में पहले ही पीछे चल रहे भारत ने 549 रन के लगभग असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए मंगलवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में 15.5 ओवर में दो विकेट पर 27 रन बनाए हैं और लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए उसे अब 522 रन की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की। उसका आकर्षण ट्रिस्टन स्टब्स की पारी रही। इस युवा बल्लेबाज ने 180 गेंद का सामना करके 94 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टोनी डि जॉर्जी (68 गेंद पर 49) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन और वियान मुल्डर (69 गेंद पर नाबाद 35) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत 201 रन ही बना पाया था। कोलकाता में पहला टेस्ट 30 रन से जीतने के बाद श्रृंखला में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण अफ्रीका ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और अपनी पारी समाप्त घोषित करने में देर लगाई। भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा उसके दोनों सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13) और केएल राहुल (06) दस ओवर और 21 रन के अंदर पवेलियन में विराजमान थे।

बारसापारा स्टेडियम में यशस्वी जायसवाल के आउट होने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी।

जायसवाल ने पहली पारी में छह विकेट लेने वाले मार्को यानसन की तेजी से उठती गेंद पर कट करने के प्रयास में विकेट के पीछे कैच दिया जबकि राहुल ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर पूरी तरह से गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। दिन का खेल समाप्त होने के समय साई सुदर्शन दो और नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव चार रन पर खेल रहे थे। पिच पर दरार पड़ गई हैं जिससे स्पिन गेंदबाजों को टर्न मिलना शुरू हो गया है। ऐसे में अगर भारत हार्मर एंड कंपनी के सामने मैच बचाने में सफल रहता है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय बल्लेबाजों के हाल के समय में स्पिनरों के सामने खराब रिकार्ड को देखते हुए ऐसी संभावना कम ही नजर आती है। पहली पारी में एक रन से अर्धशतक से चूकने वाले स्टब्स ने भारत के सबसे सफल गेंदबाज रविंद्र जडेजा पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 90 रन के पार पहुंचाया लेकिन इसी ओवर में स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में बोल्ड हो गए। इसके तुरंत बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने पारी समाप्त घोषित कर दी।

जडेजा ने 62 रन देकर चार विकेट लिए। वाशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। डि जॉर्जी और स्टब्स ने मैच पर दक्षिण अफ्रीका की पकड़ और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। डि जॉर्जी ने चार चौके और एक छक्का लगाया। इन दोनों ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कई स्वीप शॉट लगाए। जडेजा ने डि जॉर्जी को पगबाधा आउट करके उन्हें अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। एक निश्चित समय के बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों के हाव भाव से लग रहा था कि वे दूसरे सत्र के समाप्त होने का इंतजार कर रहे थे, जिसके बाद पारी घोषित होने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेलटन (64 गेंदों पर 35 रन) और एडेन मारक्रम (84 गेंदों पर 29 रन) ने एक बार फिर अर्धशतकीय साझेदारी की, लेकिन जडेजा ने दोनों को आउट कर दिया। रिकेलटन गेंद की पिच तक पहुंचने की कोशिश में बहुत करीब आ गए और कवर के ऊपर से लगाई गई उनकी ड्राइव को मोहम्मद सिराज ने छलांग लगाकर कैच में बदल दिया। मारक्रम के लिए जडेजा ने थोड़ी धीमी गति की गेंद की जिसे बल्लेबाज ने आगे बढ़कर रक्षात्मक रूप से खेलने का प्रयास किया लेकिन गेंद तेजी से घूमकर बल्ले का किनारा लेते हुए ऑफ-स्टंप पर जा लगी। वाशिंगटन ने इसके बाद बावुमा (03) को आउट किया, जिनकी उछाल लेती गेंद बल्लेबाज के दस्तानों को चूमकर लेग स्लिप में खड़े नीतीश कुमार रेड्डी के सुरक्षित हाथों में चली गई।

यह श्रृंखला गंवाने का हम पर असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अगली श्रृंखला आठ महीने बाद : जडेजा

अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में संभावित हार का अगले साल अगस्त में श्रीलंका में होने वाली टेस्ट श्रृंखला पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दूसरे टेस्ट में ड्रॉ कराना युवा टीम के लिए 'जीत' जैसा होगा। भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला गंवाना तय है क्योंकि आखिरी दिन 549 रन का लक्ष्य हासिल करना नामुमकिन होगा। चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद जडेजा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसका अगली श्रृंखला पर कोई असर पड़ेगा। लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर कोई भी श्रृंखला हारना नहीं चाहता, विशेषकर भारत में। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे। हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। हम टेस्ट मैच बचाने की कोशिश करेंगे। अगर हम श्रृंखला नहीं भी जीत रहे हैं तो भी हम मैच ड्रॉ कर सकें जो हमारे लिए जीत की तरह की स्थिति होगी।

दक्षिण अफ्रीका

260/5 (दूसरी पारी) (78.3 ओवर)

- रेयान का सिराज बो जडेजा 35
- ऐडन मारक्रम बो जडेजा 29
- ट्रिस्टन स्टब्स बो जडेजा 94
- तेम्बा बावुमा का रेड्डी बो वाशिंगटन 03
- टोनी डि जॉर्जी पगबाधा बो जडेजा 49
- वियान मुल्डर नाबाद 35

गेंदबाजी : बुमराह 6-0-22-0, सिराज 5-1-19-0, जडेजा 28.3-3-62-4, कुलदीप 12-0-48-0, वाशिंगटन 22-2-67-1, जायसवाल 1-0-9-0,रेड्डी 4-0-24-0

भारत

27/2 (दूसरी पारी) (15.5 ओवर)

- यशस्वी का वेरेन बो यानसेन 13
- लोकेश राहुल बो हार्मर 06
- साई सुदर्शन खेल रहे हैं 02
- कुलदीप यादव खेल रहे हैं 04

गेंदबाजी : यानसेन 5-2-14-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 3.5-2-1-1, महाराज 3-1-5-0

यशस्वी को कट शॉट से करना पड़ेगा परहेज : स्टेन

गुवाहाटी। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने यशस्वी जायसवाल को अपने शानदार कट शॉट को कुछ समय के लिए उसी तरह से छोड़ने की सलाह दी जैसे कि सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया में ड्राइव शॉट का त्याग किया था। जायसवाल मंगलवार को दूसरे टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी में एक बार फिर से कट शॉट खेलने की कोशिश में मार्को यानसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्तानों में चली गयी। स्टेन ने कहा कि यह उनका पसंदीदा शॉट है और इस तरह के शॉट से परहेज करना मुश्किल है। जब आप गेंद को अपने क्षेत्र में देखते हैं, तो आप उसे खेलने के लिए जाते हैं। उन्हें हालांकि इससे बचने की कोशिश करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि सचिन ने एक बार ऑस्ट्रेलिया में अपने खेल से ड्राइव शॉट हटा दिया था। जायसवाल को यह भी कहना पड़ सकता है कि जब तक गेंद किसी खास क्षेत्र में न हो तो वह उसे खेले ही ना। ऐसी गेंदों पर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर भरोसा करना होगा। भारत को जीत के लिए 549 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते समय सलामी जोड़ी से मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी लेकिन जायसवाल उछाल लेती गेंद पर कट शॉट खेलने के लालच में विकेटकीपर काइल वेरेन को कैच दे बैठे। स्टेन ने कहा कि वह दायें हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से इस शॉट को खेल लेते है लेकिन मार्को यानसेन जैसे बायें हाथ के तेज गेंदबाज की गेंद उनकी उम्मीद से ज्यादा शरीर के करीब होती है।

भारतीय बल्लेबाजों की नाकामी कोच की गलती नहीं : रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने आलोचनाओं से घिरे राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का समर्थन करते हुए कहा है कि घरेलू टेस्ट मैचों में टीम के हालिया खराब प्रदर्शन के लिए सहयोगी स्टाफ को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि खिलाड़ियों को नतीजों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। पिछले साल न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर हारने के बाद भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भी एक और निराशाजनक परिणाम की ओर बढ़ रहा है। दो मैचों की इस श्रृंखला का पहला मैच गंवाने के बाद भारत के पास अब दूसरे मैच को जीतने की संभावना बेहद कम है। रैना ने कहा कि गौती भैया (गौतम गंभीर) ने बहुत मेहनत की है और इसमें (टेस्ट टीम की मौजूदा स्थिति) उनकी कोई गलती नहीं है। खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत करनी होगी और अच्छा खेलना होगा।

हार्दिक की वापसी, आईपीएल से पहले खिलाड़ियों के पास चमकने का मौका

सैयद मुश्ताक ट्रॉफी

हैदराबाद, एजेंसी

चोट के बाद वापसी कर रहे हार्दिक पंड्या पर बुधवार से शुरू हो रहे सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में सभी की नजरें होंगी जबकि प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर आईपीएल की नीलामी से पहले अच्छा प्रदर्शन करके ध्यान खींचना चाहेंगे।

हार्दिक ने सितंबर में एशिया कप के दौरान चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। फरवरी मार्च में भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले हार्दिक सिर्फ टी-20 प्रारूप ही खेलेंगे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही टी-20 श्रृंखला से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का उनके पास यह टूर्नामेंट ही एक मौका है। टूर्नामेंट हैदराबाद, अहमदाबाद, कोलकाता और लखनऊ में खेला जायेगा। शार्दुल ठाकुर की कप्तानी वाली मुंबई टीम गत चैम्पियन के तौर पर उतरेगी। बड़ौदा की टीम आठ दिसंबर तक सात ग्रुप मैच खेलेगी और मुख्य कोच मुकुंद परमार को पंड्या के अधिकांश मैचों में खेलने की उम्मीद है। परमार ने कहा कि वह अभी टीम से जुड़ा नहीं है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह अधिकांश मैच खेलेगा। उसकी मौजूदगी से टीम का मनोबल बढेगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी मुंबई के लिए अधिकांश ग्रुप मैच खेलेंगे। शिवम दुबे भी मुंबई टीम का हिस्सा है।

वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को तमिलनाडु का कप्तान बनाया गया है जो ग्रुप चरण में खेलेंगे। केरल के कप्तान संजू सैमसन भी ग्रुप चरण में नजर आएंगे। एक समय भारतीय क्रिकेट में भविष्य का सितारा माने जा रहे पृथ्वी साव को पिछले साल नीलामी में किसी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। अब वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लिये खेलते हैं।

भारत अजलन शाह कप हॉकी में बेल्जियम से 2-3 से हारा

इपोह (मलेशिया)। भारत ने मंगलवार को बारिश से प्रभावित सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के मैच में डटकर मुकाबला किया लेकिन आखिर में वह बेल्जियम से 2-3 से हार गया।

भारत के लिए अभिषेक (33वें मिनट) और शिलानंद लाकड़ा (57वें) ने, जबकि बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17वें और 57वें) और निकोलस डी केर्पेल (45वें) ने गोल किए। डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत ने छह टीमों की प्रतियोगिता में रविवार को तीन बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ पहला मैच 1-0 से जीता था। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला।

इसके बाद उसने जल्द ही दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल कर लिया। लेकिन दोनों अवसरों पर भारतीय रक्षापंक्ति ने डटकर मुकाबला किया और सुनिश्चित किया कि पहले क्वार्टर के अंत तक वे बराबरी पर रहें। भारतीय गोलकीपर पवन ने अच्छा खेल दिखाया लेकिन वह 17वें मिनट में रोमन डुवेकोट को गोल करने से नहीं रोक पाए जिससे बेल्जियम ने बढ़त ली। भारत ने दूसरे हाफ में गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में मंगलवार को महिला व पुरुष युगल के मुख्य ड्रा के पहले दौर के मुकाबले खेले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जाली और गायत्री गोपीचंद ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछली विजेता इस भारतीय जोड़ी ने मलेशिया की चेंग सू हूई और तैन झिंग वाई की जोड़ी को 1 घंटे 14 मिनट चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-9 से हराया। पहला गेम बढ़त में रहने के बावजूद हारने के बाद त्रिशा-गायत्री ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों गेम लगातार जीते। यह मुकाबला दिन के महिला युगल के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से रहा।

पिछली उपविजेता व दूसरी वरीय जोड़ी साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय ने भारत के ही स्वर्णराज बोरा व निबिर रंजन को 21-8, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

यूपी की खिलाड़ी श्रुति मिश्रा अपनी साथी प्रिया कोंजेंगबम के साथ जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में पहुंचीं। इन दोनों ने भारत की ही समृद्धि सिंह व रीवा को 21-8, 21-11 से हराया। हालांकि यूपी की अन्य जोड़ी समृद्धि सिंह और तनीषा सिंह पहले दौर में ही बाहर हो गई।

चौथी वरीय यूक्रेन की पोलिना बुह्नोवा और येव्हेनिया कांतमिर ने भारत की तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत को 21-9, 21-19 से हराया। पुरुष युगल की तर्ज पर महिला युगल में भी कई मुकाबले एकतरफा रहे।

पुरुष युगल : भारतीय जोड़ियों का दबदबा

पांचवीं वरीय भारतीय जोड़ी एमआर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन ने भारत के आयुष मखीजा व सुजय तंबोली को 21-11, 21-13 से मात दी। चीनी ताइपे की चौथी वरीय जोड़ी ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे ने भारत के शशांक छेत्री व नितिन कुमार को 21-19, 21-15 से हराया। भारत के विप्लव कुवले व विराज कुवले ने कड़े मुकाबले में अपने हमवतन आदित्य दिवाकर व केविन थंगम को 22-20, 16-21, 21-19 से हराया।

क्वालीफायर के परिणाम

क्वालीफायर में कई भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रा में जगह पक्की की।

पुरुष एकल : अभिनव ठाकुर, ओर्जित चालिहा,आर्य, भरत राघव,

महिला एकल : प्रकृति भारत, अदिता राव, अलीशा नायक,

मिश्रित युगल : मिथिलेश पी. कृष्णन व वरना, विशाखा टोप्पो व भव्य छाबड़ा, सी. लालरामसंगा व तारिनी सूरी, नितिन एचवी व श्रीनिधि नारायण

पुरुष युगल : भव्य छाबड़ा व परम चौधरी, मयंक राणा व आर्यन, असिथ सूर्या व गणेश, आयुष अग्रवाल व दक्ष गौतम।

महिला युगल : आरती सारा सुनील व वी. विश्वनाथ, जेनिथ व लिखिता श्रीवास्तव, वीआर नारधाना व ऋद्धिवंशी रामास्वामी।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 : भारत की मेजबानी पर मुहर लगने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

- **2010 में दिल्ली में हुए थे राष्ट्रमंडल खेल, अब अहमदाबाद में आयोजन की तैयारी**

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी हासिल करने को लेकर आश्वस्त भारत की बोली को बुधवार को ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा में औपचारिक रूप से मंजूरी मिल जाएगी, जो देश की वैश्विक बहु-खेल केंद्र बनने की महत्वाकांक्षी योजना में मील का पत्थर साबित होगा।

भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है। बुधवार की आम सभा में राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड की सिफारिशों पर मुहर लगाने की औपचारिकता पूरी की जाएगी। ये सिफारिश राष्ट्रमंडल खेल मूल्यांकन समिति की निगरानी में एक प्रक्रिया के बाद की गई थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की ओर से कहा गया है कि आमसभा के दौरान राष्ट्रमंडल के सदस्य 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के संबंध में अंतिम फैसला करेंगे, जिसके बाद भारत की ओर से एक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें अहमदाबाद में खेलों के लिए उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया जाएगा। औपचारिक घोषणा भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे होने की उम्मीद है। भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोग करेंगे।

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम

15 फरवरी को दोनों टीमों का कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होगा आमना-सामना

भारत और पाकिस्तान टी-20 विश्व कप के लिए एक ही ग्रुप में

मुंबई, एजेंसी

चिर-प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है और मंगलवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के बीच टूर्नामेंट के लिए हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

मौजूदा चैंपियन भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा और उसके बाद 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए कोलंबो जायेगी और फिर 18 फरवरी को अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ अपना

आखिरी लीग मैच खेलेगी। यह टूर्नामेंट सात फरवरी से आठ मार्च तक आठ स्थलों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद, चेन्नई, मुंबई, कोलंबो और कैंडी में 55 मैच होंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शर्मा ने टूर्नामेंट के कार्यक्रम का अनावरण करते हुए यह घोषणा की। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान शामिल हैं, जबकि ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली शामिल हैं। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई शामिल हैं।

रोहित बने टूर्नामेंट दूत

दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा को इस विश्व कप के लिए टूर्नामेंट दूत नियुक्त किया गया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में हुए टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। रोहित ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 32.01 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए। रोहित ने गत वर्ष अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में हुए विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी-20 से संन्यास ले लिया था। भारत ने तब 11 साल के लंबे अंतराल के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी।

सूर्यकुमार को अब भी खटकती है 2023 की हार

मुंबई। कप्तान सूर्यकुमार यादव रोहित शर्मा की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त से पहले 2023 वनडे विश्व कप में लगातार 10 मैच जीते थे और अब अगले साल उसी जगह पर टी-20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में उनके साथ खेलना चाहते हैं। मंगलवार को गत चैंपियन भारत को 2026 टी-20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने 2023 में 19 नवंबर को हुए उस फाइनल के बाद से ऑस्ट्रेलिया को दो मैचों में हराया है लेकिन उन्हें फाइनल मुकाबले में हराने की इच्छा उन खिलाड़ियों के मन में बनी हुई है जिन्होंने तब से दो आईसीसी टूर्नामेंट जीते हैं। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था।